रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

बुधवार
10 दिसंबर -2025
वर्ष 10, अंक 96
पेज 8, मूल्य 2 रुपए
रांची

गोवा क्लब अग्निकांड

थाईलैंड भागे दोनों मालिक : इंटरपोल से ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी

पणजी (एजेंसी)। गोवा के अरपोरा गांव में 'बिर्च बाय रोमियो लेन' नाइटक्लब में 6 दिसंबर की देर रात लगी आग के कुछ घंटे बाद ही क्लब के दोनों मालिक सौरभ और गौरव लूथरा थाईलैंड भाग गए। पुलिस ने हादसे के बाद एफआईआर दर्ज कर दोनों की तलाश शुरू की थी। क्लब को बुलडोजर से गिरा दिया है। 7 दिसंबर को दोनों के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया, लेकिन इमिग्रेशन रिकॉर्ड से पता चला कि वे इंडिगो फ्लाइट 6ई 1073 से देश छोड़ चुके थे। पुलिस के मुताबिक दोनों 7 दिसंबर की सुबह 5 :30 बजे ही इंडिगो की फ्लाइट से फुकेट रवाना हो गए। गोवा पुलिस ने सौरभ और गौरव लूथरा के खिलाफ इंटरपोल ब्लू नोटिस जारी कर दिया है।

10 दिन में 33 नक्सलियों का सरेंडर, एमएमसी जोन खत्म

● मिलिंद का एनकाउंटर

जगदलपुर (एजेंसी)। रामधेर के सरेंडर के साथ नक्सलियों का महाराष्ट्र-मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ (एमएमसी) जोन अब खत्म हो गया है। सेंट्रल कमेटी मेंबर मिलिंद तिलतुमड़े का एनकाउंटर हुआ। अब सेंट्रल कमेटी मेंबर रामधेर, प्रवक्ता अनंत और एसजेडसीएम कबीर ने अपने

33 साथियों के साथ हिंसा का रास्ता छोड़ दिया है। हालांकि, छोटा दीपक समेत कुछ छिटपुट नक्सली बचे हैं, जो सरेंडर करने की कोशिश में हैं। मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ इन 3 राज्यों के बॉर्डर को नक्सलियों ने अपना एमएमसी जोन बनाया था। एमएमसी जोन में करीब 40 से 45 नक्सली ही सक्रिय थे। जानकारी के अनुसार अब छोटा दीपक के साथ 5 से 6 पार्टी सदस्यों की एक छोटी टीम ही बची है।

हरियाणा पुलिस पर राजस्थान बॉर्डर पर पथराव

● नूंह में लाठी-डंडे लेकर दौड़ाया

नूंह (एजेंसी)। हरियाणा के नूंह जिले के गांव अमीनाबाद में पुलिस टीम पर हमला कर दिया गया। यह एरिया राजस्थान सीमा पर बसे पुन्हाना खंड का है। यहां पुलिस साइबर ठगी के आरोपी को पकड़ने गई थी। पुलिस ने जैसे ही आरोपी को पकड़ा, वैसे ही ग्रामीणों ने अचानक पथराव कर

दिया। पुलिस टीम किसी तरह वहां से बचाव करते हुए निकली। मगर, ग्रामीणों ने पीछा करते हुए पथराव जारी रखा और आरोपी को छुड़ा लिया। हालात बेकाबू होते देख पुलिसकर्मियों ने भागकर अपनी जान बचाई। इस पथराव में चार पुलिस कर्मचारी घायल हो गए। इसके बाद टीम किसी तरह वहां से निकली। घायल पुलिसकर्मियों को तुरन्त सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है।

● एनडीए की संसदीय दल की बैठक में पीएम मोदी बोले

बार-बार डेटा जमा करना बंद करना होगा

● फालतू पेपरवर्क खत्म हो, नियम-कानून परेशानी के लिए नहीं, जिंदगी आसान बनाने के लिए हो

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद की लाइब्रेरी बिल्डिंग में मंगलवार को नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) की संसदीय दल की बैठक हुई। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की जीत पर प्रधानमंत्री का माला पहनाकर सम्मान किया गया। पीएम ने बैठक में कहा, मैं फालतू पेपरवर्क और 30-40 पेज के फॉर्म का कल्चर खत्म करना चाहता हूं। हमें नागरिकों के दरवाजे पर सर्विस देनी होगी, बार-बार डेटा जमा करने की जरूरत को खत्म करना होगा। पीएम ने इंडिगो संकट पर कहा- लोगों को परेशान नहीं किया जाना चाहिए, उन्हें असुविधा नहीं होनी चाहिए। नियम और कानून अच्छे हैं, लेकिन सिस्टम को ठीक करने के लिए लोगों को परेशान करना सही नहीं है।

● 11 दिसंबर को एनडीए सांसदों का डिनर

पीएम मोदी 11 दिसंबर को एनडीए के सभी सांसदों के लिए विशेष रात्रिभोज का आयोजन करने वाले हैं। इसका उद्देश्य सहयोगी दलों के साथ बेहतर तालमेल, समन्वय और संसद सत्र के दौरान साझा रणनीति तैयार करना बताया जा रहा है। इस डिनर में सरकार के विधायी एजेंडे, सेशन की प्राथमिकताओं और पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और असम विधानसभा चुनावों की तैयारियों पर भी चर्चा होने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने खिलाड़ियों का पीठ थपथपाएं

खिलाड़ियों के जज्बे की सराहना भी किया

रांची संवाददाता आशीष कुमार

रांची। झारखंड की अंडर-14 बालक फुटबॉल टीम मंगलवार को विधानसभा पहुंची, जहां खिलाड़ियों ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से भेंट की। मुख्यमंत्री ने सभी खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और सहयोगी टीम को जीत की बधाई देते हुए कहा कि राज्य के युवा खेल के क्षेत्र में लगातार नई पहचान बना रहे हैं। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने खिलाड़ियों के जज्बे की सराहना की और बातचीत के दौरान कहा कि झारखंड में खेल के लिए बड़ी संभावनाएं मौजूद हैं और सरकार कोशिश कर रही है कि हर प्रतिभाशाली खिलाड़ी को सही मार्गदर्शन और सुविधाएँ मिलें। उन्होंने यह भी कहा कि युवा खिलाड़ी राज्य का गौरव बढ़ा रहे हैं और उनकी मेहनत आने वाले समय में और बड़ी सफलताओं का रास्ता खोलेगी।

SGFI चैंपियनशिप में झारखंड का शानदार प्रदर्शन : यह मुलाकात मध्य प्रदेश के उमरिया में 1 से 6 दिसंबर 2025 तक आयोजित SGFI राष्ट्रीय स्कूली फुटबॉल चैंपियनशिप में झारखंड की जीत के बाद हुई। फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। मैच बराबरी पर छूटने के बाद निर्णय पेनल्टी शूटआउट से हुआ, जहाँ झारखंड ने पंजाब को 6-5 से हराकर खिताब अपने नाम किया। खिलाड़ियों ने बताया कि यह जीत टीम भावना और लगातार अभ्यास की वजह से मिली।

● संसद में वंदे मातरम् चर्चा पर अमित शाह बोले

वंदे मातरम् का विरोध गांधी परिवार के खून में

● इंदिरा नारे लगाने पर जेल भेजती थीं; खड़गे बोले- पीएम रुपए गिरने पर चर्चा करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा में राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' पर मंगलवार को चर्चा हुई। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा- जो लोग वंदे मातरम् के महत्व को नहीं जानते वे इसे चुनाव से जोड़ रहे हैं। शाह के बयान को प्रियंका गांधी के बयान से जोड़ कर देखा जा रहा है। हालांकि शाह ने प्रियंका का नाम नहीं या।

शाह ने संबोधन में कहा- जब वंदे मातरम् 100 साल का हुआ, पूरे देश को बंदी बना दिया गया। जब 150 साल पर कल सदन (लोकसभा) में चर्चा शुरू हुई, गांधी परिवार के दोनों सदस्य (राहुल-प्रियंका) नदारद थे। वंदे मातरम् का विरोध नेहरू से लेकर आज तक कांग्रेस नेतृत्व के खून में है। दरअसल राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के 150 साल पूरे होने के मौके पर भारत सरकार की ओर से सालभर का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

● शीतकालीन सत्र के 7वें दिन राहुल गांधी बोले

आरएसएस सभी संस्थाओं पर कंट्रोल चाहता है

● चुनाव आयोग पर कब्जा किया जा रहा, चुनाव में भाजपा इसका इस्तेमाल कर रही है

नई दिल्ली (एजेंसी)। शीतकालीन सत्र के 7वें दिन मंगलवार को लोकसभा में चुनाव सुधारों और स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) पर चर्चा चल रही है। राहुल गांधी ने कहा, आरएसएस सभी संस्थाओं पर कब्जा करना चाहती है। चुनाव आयोग कब्जा किया जा रहा, चुनाव में भाजपा इसका इस्तेमाल कर रही है।

राहुल ने कहा, ईडी, सीबीआई, आईबी, इंकम टैक्स डिपार्टमेंट पर कब्जा किया जा रहा है और ये सब आरएसएस कर रहा है। अगर वोट नहीं बचेगा तो लोकसभा, राज्यसभा और राज्य की विधानसभाएं भी नहीं बचेंगी

राहुल गांधी ने कहा कि वे बराबरी में विश्वास नहीं करते, वे हायरार्की में विश्वास करते हैं और मानते हैं कि उन्हें सबसे ऊपर होना चाहिए। लोकसभा में चुनाव सुधार पर चर्चा के दौरान राहुल गांधी के भाषण के दौरान हंगामा शुरू हो गया है। लोकसभा में राहुल गांधी चुनाव सुधार के बदले आरएसएस सहित अन्य विषयों पर बोलने लगे।

● लोकसभा में अखिलेश बोले

एसआईआर के बहाने एनआरसी किया जा रहा

● टीएमसी सांसद ने कहा- ये वोट डिलीट करने का टूल, ईसी नागरिकता तय नहीं कर सकता

नई दिल्ली (एजेंसी)। शीतकालीन सत्र के 7वें दिन मंगलवार को लोकसभा में चुनाव सुधारों और स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) पर चर्चा चल रही है। इस दौरान सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार और चुनाव आयोग मिलकर एसआईआर के बहाने अंदर ही अंदर एनआरसी वाला काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, यूपी के सीएम कह रहे हैं कि हम डिटेंशन सेंटर बना रहे हैं। जो ये खुलकर नहीं कर सकते हैं वो एसआईआर के बहाने कर रहे हैं।

टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा कि एसआईआर वोट डिलीट करने का टूल बनकर रह गया है। चुनाव आयोग किसी व्यक्ति की नागरिकता तय करने की अथॉरिटी नहीं है। चुनाव आयोग कह रहा है कि पांच लाख वोटर डिलीट, छह लाख वोटर डिलीट और बीजेपी जश्न मना रही है।

मौलाना मदनी बोले- मर जाऊंगा, 'वंदे मातरम्' नहीं गाऊंगा

● मुसलमान सिर्फ अल्लाह के आगे सिर झुकाता है; देशभक्ति का सर्टिफिकेट नहीं चाहिए

सहारनपुर (एजेंसी)। हमें किसी के 'वंदे मातरम्' गाने या पढ़ने पर ऐतराज नहीं है, लेकिन मुसलमान अल्लाह के अलावा किसी की इबादत नहीं कर सकता। हम एक खुदा (अल्लाह) को मानने वाले हैं, अल्लाह के सिवा न किसी को पूजनीय मानते हैं और न किसी के आगे सिर झुकाते हैं। हमें मर जाना मंजूर है, लेकिन शिर्क (खुदा के साथ किसी को शामिल करना) स्वीकार नहीं है। देशभक्ति का संबंध दिल की सच्चाई और अमल से है, न कि नारेबाजी से। वतन से प्रेम करना अलग बात है और उसकी पूजा करना अलग बात है।

विधायक कॉमरेड चंद्रदेव महतो ने रखी हरित क्रांति को फिर से जगाने की मजबूत माँग

विधानसभा में गूँजा बलियापुर कृषि फार्म को पुनर्जनम देने का स्वर

साजिद, राज्य ब्यूरो चीफ , झारखंड/ झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र में आज सिंदरी के भाकपा (माले) विधायक चंद्रदेव महतो ने बलियापुर स्थित ऐतिहासिक कृषि फार्म के पुनर्जीवन का मुद्दा इतनी संजीदगी और तथ्यों के साथ उठाया कि पूरे सदन का ध्यान इस ओर खिंच गया।एक समय धनबाद क्षेत्र की हरित क्रांति का प्रमुख केंद्र रहे इस कृषि फार्म ने कभी किसानों को उन्नत बीज, नई फसल प्रजातियाँ और आधुनिक खेती की तकनीकें उपलब्ध कराकर पूरे इलाके की खुशहाली में योगदान दिया था। आज यह उपेक्षा और कुप्रबंधन का शिकार होकर बंद पड़ा है। श्री महतो ने सदन को याद दिलाया कि इस फार्म की हजारों एकड़ उपजाऊ जमीन पर अब अतिक्रमण बढ़ता जा रहा है और

सरकारी संरक्षण के अभाव में यह मूल्यवान संपत्ति नष्ट होती जा रही है।विधायक ने सरकार से स्पष्ट माँग की कि फार्म की समस्त परिसंपत्तियों का तत्काल सर्वेक्षण कराया जाए, अतिक्रमण हटाया जाए और इसे युद्धस्तर पर पुनर्जनम दिया जाए। उन्होंने कहा कि फार्म के फिर से सक्रिय होने से न केवल सैकड़ों लोगों को प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा, बल्कि धनबाद-बोकारो के हजारों किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले प्रमाणित बीज, पौधे और निःशुल्क प्रशिक्षण फिर से उपलब्ध हो सकेगा। यह झारखंड के कृषि विकास का एक चमकता मॉडल बन सकता है।श्री चंद्रदेव महतो ने विश्वास व्यक्त किया कि मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन के नेतृत्व वाली सरकार किसानों के हितों को सर्वोपरि मानती है और शीघ्र ही इस दिशा में ठोस कदम उठाएगी। उन्होंने सदन के पटल पर यह आवाज उठाकर न केवल बलियापुर वासियों, बल्कि पूरे कोयलांचल के किसानों को नई उम्मीद जगाई है।विधानसभा में उठाई गई इस माँग को सभी दलों के सदस्यों ने गंभीरता से सुना और कृषि मंत्री ने इसे प्राथमिकता के आधार पर विचार करने का आश्वासन दिया। अब क्षेत्र की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि बलियापुर का यह गौरवशाली कृषि फार्म कब फिर से हरे-भरे खेतों की शोभा बनेगा।

इंडोनेशिया में 7 मंजिला ऑफिस में आग, 22 की मौत

जकार्ता (एजेंसी)। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में मंगलवार को एक 7 मंजिला ऑफिस में भीषण आग लग गई। स्थानीय चैनल कोम्पास टीवी के मुताबिक, इस हादसे में अब तक 20 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। इनमें 15 महिलाएं और 7 पुरुष शामिल हैं। इनमें से कुछ की मौत दम घुटने से हुई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कुछ लोग अभी भी इमारत के अंदर फंसे हुए हैं, जिन्हें निकालने का काम अभी भी जारी है। जिस इमारत में आग लगी, वह टेरा ड्रोन इंडोनेशिया का दफ्तर है।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के तहत जागरूकता अभियान का आयोजन

ओम प्रकाश तांती, साहिबगंज ब्यूरो/ साहिबगंज। साहिबगंज जिला समाज कल्याण पदाधिकारी संजय कुमार दास के निर्देशानुसार संत थॉमस बालिका उच्च विद्यालय, धर्मपुर पतना में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ को लेकर जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मंथन संस्था, चाइल्ड हेल्पलाइन एवं संरक्षण पदाधिकारी (गैर संस्थागत देखरेख) के संयुक्त सहयोग से आयोजित हुआ।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं में सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और आत्मरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। बच्चियों को कठिन परिस्थितियों में साहसपूर्वक खड़े होने तथा अपनी सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने की प्रेरणा दी गई।

संस्थागत देखरेख की चंदा कुमारी ने बताया कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका लक्ष्य लड़कियों के प्रति भेदभाव समाप्त करना, उन्हें शिक्षा से जोड़ना और आर्थिक व सामाजिक रूप से सशक्त बनाना है। यह योजना बालिकाओं की सुरक्षा, शिक्षा और समान अवसर सुनिश्चित करने पर केंद्रित है।

कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को निम्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई।

गुड टच - बैड टच, बाल विवाह, बाल श्रम, यौन शोषण, POCSO Act, किशोर न्याय अधिनियम (J.J. Act), नशा मुक्ति, स्पॉन्सरशिप, फोस्टर केयर, आफ्टर केयर, दत्तक ग्रहण प्रक्रिया, एंटी साइबर क्राइम तथा शिकायत हेतु टोल-फ्री नंबर 1930, महिला सुरक्षा हेतु वन स्टॉप सेंटर (181 टोल फ्री नंबर), मासिक धर्म स्वच्छता, जिससे बच्चियाँ स्वच्छ एवं स्वस्थ रह सकें।

बच्चियों को बताया गया कि सामाजिक कुरीतियों—जैसे बाल विवाह, बाल श्रम और शोषण—को समाप्त करने के लिए सिर्फ सरकारी प्रयास पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि समाज की सक्रिय भागीदारी भी अनिवार्य है।

हेमंती देवी को सदर अस्पताल में मिला नया जीवन

शीतल दत्ता धनबाद ब्यूरो/ धनबाद। झरिया के दुर्गापुर बस्ती की निवासी 44 वर्षीय हेमंती देवी पिछले एक वर्ष से असामान्य व अनियमित योनि रक्तस्राव से पीड़ित थीं। इसके कारण उनके शरीर में गंभीर रक्ताल्पता हो गई थी। उनके पति सचीन्द्र भुईंया, एक ड्राइवर हैं, और आर्थिक तंगी के चलते लंबे समय तक उचित इलाज नहीं करवा सके। इसकी जानकारी देते हुए सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ संजीव कुमार ने बताया कि जब सदर अस्पताल और वहाँ पदस्थ वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. संजीव कुमार के बारे में जानकारी मिली, तो उन्होंने अस्पताल का रुख किया। डॉ. संजीव द्वारा गहन जांच एवं पूर्व ऑपरेशन जाँच करवाई गई। जिससे यह सामने आया कि हेमंती देवी को गर्भाशय के मुख पर स्थित एक गांठ है। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए,

डॉ. संजीव कुमार की देखरेख में दिनांक 8 दिसंबर 2025 को उन्हें भर्ती किया गया। दो यूनिट रक्त की व्यवस्था की गई और फिर गांठ को हटाने की शल्य क्रिया तथा तत्पश्चात पेट के रास्ते गर्भाशय को निकालने की शल्य क्रिया सफलतापूर्वक की गई। इस जटिल सर्जरी को डॉ. संजीव कुमार के नेतृत्व में निश्चेतक विशेषज्ञ डॉ. राज कुमार सिंह, ओटी सहायक मदुसूदन मरांडी और शशि प्रकाश की टीम ने मिलकर किया। शल्यक्रिया के बाद मरीज की स्थिति स्थिर एवं संतोषजनक है। वहीं हेमंती देवी एवं उनके परिवार ने जिला प्रशासन के साथ सदर अस्पताल के चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ एवं प्रबंधन के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया और कहा कि आर्थिक तंगी के बावजूद उन्हें यहाँ उचित और सुरक्षित उपचार मिला।

संक्षिप्त समाचार

रेलवे क्वार्टरों की होगी नापी, रेल कर्मियों पर दर्ज होगा एफआईआर

धनबाद, एजेंसी। पूजा टॉकीज के पास 20 डिसमिल जमीन को लेकर जिला परिषद और रेलवे के बीच विवाद गहराता जा रहा है। जिला परिषद ने हाल ही में चार लाख रुपये की लागत से जमीन की बाउंडरी करायी थी। रविवार को बाउंडरी पर जिला परिषद का नाम लिखवाया गया, लेकिन सोमवार सुबह तक किसी ने उस नाम को पूरी तरह मिटा दिया। इस घटना के बाद विवाद गहरा गया है। जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह ने इसे गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच का आदेश दिया है। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जानकारी और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान के आधार पर पता चला है कि एक रेल कर्मी बाउंडरी के अंदर घुसकर पेंट कर रहा था। उन्होंने आरोप लगाया कि इसी दौरान जिला परिषद का लिखा गया नाम मिटा दिया गया। उन्होंने कहा कि इस काम को नुकसान पहुंचाने और अतिक्रमण की कोशिश बताते हुए रेल कर्मियों के खिलाफ एफआइआर दर्ज कराने की तैयारी की जा रही है। जिप अध्यक्ष शारदा सिंह ने कहा कि उक्त जमीन जिला परिषद की संपत्ति है और उसकी सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि रेलवे के क्वार्टर भी इसी क्षेत्र में बने हुए हैं। अंचलाधिकारी को नापी कराने के लिए पत्र लिखा जायेगा। उन्होंने कहा कि सरकारी संपत्ति से छेड़छाड़ गंभीर अपराध है और किसी भी स्तर पर सहन नहीं किया जायेगा। बाउंडरी पर से जिला परिषद का नाम मिटाने की घटना न सिर्फ संपत्ति पर दावा कमजोर करने की कोशिश है, बल्कि कानून व्यवस्था को चुनौती भी है।

होटलों, रेस्टोरेंट और बार में दूसरे दिन भी जांच, गड़बड़ी पर कई को नोटिस

धनबाद, एजेंसी। गोवा के एक नाइट क्लब में हुए दर्दनाक हादसे के बाद सुरक्षा को लेकर धनबाद पुलिस भी अलर्ट मोड में है। एसएसपी प्रभात कुमार के निर्देश पर सोमवार की रात दूसरे दिन भी जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों के होटलों, रेस्टोरेंट, कैफे, बार और मनोरंजन स्थलों पर व्यापक औचक जांच की गयी। पुलिस ने न सिर्फ प्रतिष्ठानों की संरचनात्मक सुरक्षा देखी, बल्कि फायर सुरक्षा उपकरणों की मौजूदा स्थिति, आग बुझाने वाले यंत्रों की वैधता, आपातकालीन निकास, सीसीटीवी कैमरों का कवरेज, विद्युत वायरिंग सिस्टम, धूम्रपान नियमों का पालन तथा कर्मचारियों की सुरक्षा जागरूकता का भी मूल्यांकन किया। बैंक मोड़, हीरापुर, सरायढेला, राजगंज, कतरास, झरिया और तेतुलमारी क्षेत्र में देर रात तक यह जांच अभियान चलता रहा। कई प्रतिष्ठानों में जहां सीसीटीवी और अग्निशमन व्यवस्था संतोषजनक मिली, वहीं कुछ स्थानों पर गम्भीर खामियां सामने आयीं। कई जगहों पर आग बुझाने वाले यंत्र या तो एक्सपायर्ड पाये गये या फिर कर्मचारियों को उनका उपयोग ही नहीं आता था। जिन प्रतिष्ठानों में सुरक्षा मानकों की अनदेखी पायी गयी, उन्हें 48 घंटे के भीतर सुधार करके रिपोर्ट देने का निर्देश दिया गया है। ऐसा नहीं करने वालों पर पुलिस कार्रवाई ले तहत लाइसेंस निलंबन और आवश्यकतानुसार सील करने की प्रक्रिया शुरू करेगी। एसएसपी ने स्पष्ट कहा कि जनसमूह वाले जगहों पर सुरक्षा मानकों की अनदेखी किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं की जायेगी। पुलिस प्रशासन की प्राथमिकता नागरिकों की सुरक्षा है। नियमों का पालन नहीं करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह अभियान सिर्फ एक दिन की औपचारिकता नहीं, बल्कि निरंतर निरीक्षण प्रक्रिया का हिस्सा है। आने वाले दिनों में भी इसी प्रकार जांच जारी रहेगी और आवश्यकता पड़ने पर संयुक्त अभियान में नगर निगम, अग्निशमन विभाग और जिला प्रशासन को भी शामिल किया जाएगा।

प्रबंधन 24 घंटे में गैस रिसाव रोके, अन्यथा होगा चक्का जाम

केंदुआ, एजेंसी। केंदुआ में जहरीली गैस रिसाव की घटना के छठे दिन सोमवार को कुसुंडा एरिया गेस्ट हाउस परिसर में गैस की दुर्गंध आनेवाले स्थल पर मिट्टी भरायी की गयी। इधर दोपहर साढ़े बारह बजे केंदुआ पांच नंबर इमामबाड़ा के पास स्थानीय गैस प्रभावित लोग जुटे। उन लोगों ने यहां प्रेसवार्ता कर अपनी बात रखी। बताया कि बीसीसीएल प्रबंधन दबाव बना यहां से लोगों को विस्थापित करने पर जोर दे रहा है। प्रबंधन की मंशा गैस रिसाव रोकने की नहीं है। प्रबंधन ने छठे दिन भी गैस रिसाव रोकने के कोई ठोस प्रयास नहीं किये। यहां प्रभावित लोगों ने निर्णय लिया है कि अगर बीसीसीएल प्रबंधन ने गैस रिसाव रोकने के लिए 24 घंटे में कोई ठोस प्रयास नहीं किया गया तो पीबी एरिया के सभी खदानों का चक्का जाम किया जायेगा। स्थानीय लोगों ने कहा कि यहां दादा-परदादा के समय से रहते आ रहे हैं। बेलगड़िया में कोई साधन नहीं है। वहां जाने का कभी सोचा भी नहीं है। प्रशासन व बीसीसीएल प्रबंधन लोगों को नहीं डरायें। यहां से जाने से गैस रिसाव बंद नहीं होगा। सभी लोग यहां से हटाने की बात कर रहे हैं, गैस रिसाव को रोकने के लिए कोई काम नहीं किया जा रहा है। अंडरग्राउंड खदानों के पंखों को चालू किया जाये ताकि भूमिगत गैस निकल सके। गैस प्रभावितों ने कहा कि वर्ष 2002 में झरिया दौरे पर पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम ने कहा था कि यहां की आग को आबादी को हटाये बिना भी बुझाया जा सकता है।

झारखंड कैबिनेट ने दी 33 प्रस्तावों को मंजूरी

बालूमाथ में डिग्री कॉलेज के लिए 38 करोड़ रुपये स्वीकृत

रांची, एजेंसी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में सोमवार को प्रोजेक्ट भवन में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में कुल 33 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इस बैठक में बालूमाथ में डिग्री कॉलेज के निर्माण के लिए 38 करोड़ रुपये की स्वीकृति को विशेष रूप से अहम माना गया। बैठक के निर्णयों की जानकारी कैबिनेट सचिव वंदना डाडेल ने दी।

बैठक में रिम्स के सरकारी सह-प्राध्यापकों को पदोन्नति देने का निर्णय लिया गया, जबकि गोड्डा सदर अस्पताल के एक चिकित्सा पदाधिकारी को निलंबित करने का भी प्रस्ताव मंजूर किया गया। इसके अलावा, राज्य में आधारभूत संरचना विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को भी हरी झंडी दी गई। गोड्डा में सड़क निर्माण के लिए 127 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई, वहीं साहेबगंज में पथ निर्माण के लिए 61 करोड़ रुपये मंजूर किए गए। डाल्टेनगंज-चैनपुर सड़क पर कोयल नदी के ऊपर नए पुल के निर्माण को भी मंजूरी मिली। गुमला जिले के बानो पथ के लिए 140 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई।

अन्य प्रमुख निर्णयों में वर्ष 2026 के सरकारी अवकाश कैलेंडर को मंजूरी, बांध सुरक्षा अधिनियम के तहत राज्य बांध सुरक्षा समिति के गठन की स्वीकृति और गिद्ध प्रजनन कार्यक्रम के लिए एमओयू की मंजूरी शामिल है। इसके अतिरिक्त एजी प्रतिवेदन को भी कैबिनेट की मंजूरी दी गई।

कैबिनेट के अनुसार, स्वीकृत प्रस्तावों का विस्तृत विवरण जल्द ही संबंधित विभागों द्वारा जारी किया जाएगा। माना जा रहा है कि ये निर्णय अगले वित्तीय वर्ष की तैयारियों को मजबूती देंगे और राज्य के विकास कार्यों को गति प्रदान करेंगे। सरकार ने संकेत दिया है कि रोजगार, सामाजिक सुरक्षा और आधारभूत संरचना से जुड़े क्षेत्रों में आने वाले दिनों में और महत्वपूर्ण कदम उठाए जा सकते हैं। कैबिनेट ने 1 जुलाई 2019 से प्रभावी प्रोफेसर पदोन्नति को दी मंजूरी, रिम्स के 16 सह-प्राध्यापकों के प्रमोशन का रास्ता साफ रिम्स के अधीन कार्यरत सह-प्राध्यापकों के लिए लंबे समय से लंबित पदोन्नति प्रक्रिया आखिरकार आगे बढ़ गई है। राज्य कैबिनेट ने महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए रिम्स के सरकारी सह-प्राध्यापकों को 01 जुलाई 2019 से प्रभावी प्रोन्नति प्रदान करने की स्वीकृति दी है। इस फैसले से रिम्स के कुल 16 सह-प्राध्यापकों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा, जिन्हें अब प्राध्यापक (प्रोफेसर) पद पर पदोन्नत होने का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

करीब सात वर्ष से अटकी प्रक्रिया को मंजूरी मिलने के बाद रिम्स के डॉक्टरों में उत्साह है। वर्षों से लंबित यह प्रोन्नति न केवल उनके करियर ग्रोथ का हिस्सा थी, बल्कि वरिष्ठता, सम्मान और संस्थान में शैक्षणिक मजबूती के लिए भी अनिवार्य मानी जा रही थी। इस निर्णय के बाद अब डॉक्टरों को उम्मीद है कि विभाग की ओर से सरकारी अधिसूचना भी जल्द जारी होगी, जिससे उन्हें प्रोफेसर पद का लाभ औपचारिक रूप से मिल सकेगा।

प्रोन्नति की इस लड़ाई में सक्रिय भूमिका निभाने वाले डा. प्रभात कुमार ने कैबिनेट के निर्णय का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि 'देर से ही सही, लेकिन सरकार ने एक अहम और सकारात्मक फैसला लिया है। इससे रिम्स के डॉक्टरों का मनोबल बढ़ेगा और संस्थान को भी शैक्षणिक मजबूती मिलेगी।'

उन्होंने विभागीय मंत्री, स्वास्थ्य सचिव और संबंधित अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई कि प्रोन्नति से जुड़ी आगे की प्रक्रिया जल्द ही पूरी कर ली जाएगी। डॉक्टरों का मानना है कि प्राध्यापक पद पर प्रमोशन मिलने से रिम्स में मेडिकल शिक्षा की गुणवत्ता और शोध क्षमता में भी सुधार होगा। वरिष्ठ विशेषज्ञों की बढ़ी संख्या से विभागों में शिक्षण-प्रशिक्षण मजबूत होगा और मरीजों के उपचार व चिकित्सा सेवाओं में भी सकारात्मक बदलाव आएगा।

उद्योगपति गौतम अडानी आज आयेंगे धनबाद, सेंटर आफ एक्सीलेंस का करेंगे उद्घाटन

धनबाद, एजेंसी। आइआइटी आइएसएम मंगलवार को अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने पर ऐतिहासिक उत्सव मनाने जा रहा है। यह दिन अत्यंत विशेष होगा, क्योंकि यह समारोह एक सदी की शैक्षणिक उत्कृष्टता, वैज्ञानिक योगदान और राष्ट्रीय सेवा के अद्वितीय सफर को सलाम करेगा। इस अवसर पर अडानी समूह के अध्यक्ष गौतम अडानी मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। मुख्य कार्यक्रम पेनमैन सभागार में आयोजित किया जायेगा। इस दौरान संस्थान में इनोवेशन व 100 साल के सफर पर आधारित एक शॉर्ट फिल्म दिखायी जायेगी। शुरुआत निदेशक प्रो सुकुमार मिश्रा और बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के चेयरपर्सन प्रो प्रेमव्रत के संबोधन से होगी। इसके बाद श्री अडानी का संबोधन होगा। मौके पर अकादमिक और संस्थागत सेवाओं में उत्कृष्ट योगदान देनेवालों को सम्मानित किया जायेगा। गौतम अडानी आइटूएच बिल्डिंग में अडानी ग्रुप द्वारा स्थापित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का उद्घाटन करेंगे।

श्री अडानी के आगमन को लेकर सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद है। वह अपने चार्टर्ड प्लेन से दुर्गापुर आयेंगे। वहां से चॉपर से धनबाद आयेंगे। वह लगभग तीन घंटे तक आइआइटी आइएसएम में रहेंगे। इधर, नगर निगम व ट्रैफिक पुलिस ने सोमवार को ज्वाइंट स्पेशल ड्राइव चलाया। सिंफर गेट से सिटी सेंटर और सिटी सेंटर से पुलिस लाइन तक सड़क के दोनों किनारे से अतिक्रमण हटाये गये। अवैध निर्माण तोड़ डाले गये और कुछ लौह सामग्री जब्त की गयी। बताते चलें कि साल 1926 में देश के औद्योगिक और खनन क्षेत्र को तकनीकी समर्थन देने के उद्देश्य से स्थापित यह संस्थान आज इंजीनियरिंग, पृथ्वी विज्ञान, ऊर्जा, कंप्यूटिंग, प्रबंधन और पर्यावरण अध्ययन जैसे विविध क्षेत्रों में देश का महत्वपूर्ण शक्ति केंद्र बन चुका है। पिछले वर्षों में आइआइटी आइएसएम ने डिजिटल माइनिंग, उन्नत भू-स्थानिक तकनीक तथा महत्वपूर्ण खनिज अन्वेषण के रणनीतिक क्षेत्रों में राष्ट्रीय नेतृत्व स्थापित किया है।

दो हजार व्यावसायिक प्रशिक्षकों का फूटा गुस्सा, मानदेय संकट पर जेईपीसी ऑफिस में अनिश्चितकालीन धरना

रांची, एजेंसी। झारखंड के सरकारी प्लस-टू उच्च विद्यालयों में कार्यरत लगभग दो हजार व्यावसायिक प्रशिक्षक झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद (जेईपीसी) कार्यालय पहुंचकर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए। प्रशिक्षकों का आरोप है कि पिछले तीन से आठ महीनों से मानदेय नहीं मिलने के कारण गहरा आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने साफ चेतावनी दी है कि जब तक लंबित भुगतान नहीं किया जाता, तब तक धरना जारी रहेगा।

धरना दे रहे प्रशिक्षकों ने अपनी प्रमुख मांगों में लंबित मानदेय का तत्काल भुगतान, राज्य वित्त पोषित योजना के नवनियुक्त प्रशिक्षकों का मानदेय जल्द जारी करना और केंद्र सरकार द्वारा की गई मानदेय वृद्धि का अप्रैल 2025 से एरियर सहित भुगतान शामिल किया है। वे यह भी चाहते हैं कि मानदेय हर माह की 7 तारीख तक नियमित रूप से दिया जाए।

प्रशिक्षकों ने छात्रों की शिक्षा गुणवत्ता पर भी सवाल उठाए। उनका कहना है कि व्यावसायिक शिक्षा में लैब मेंटेनेंस, रॉ मैटेरियल और अन्य संसाधनों की भारी कमी है। प्रशिक्षक श्रवण मेहता और करीमणि करकेटा ने बताया कि वे रोजाना चार-चार पाली में कक्षाएं लेते हैं, लेकिन आठ महीनों से वेतन न मिलने की वजह से उनका गुजारा बेहद मुश्किल हो गया है।

कई बार परियोजना कार्यालय में गुहार लगाने के बावजूद उन्हें सिर्फ़ आश्वासन और भ्रमित करने वाली बातें मिलीं। धरना स्थल पर प्रदेशभर से लगभग आठ सौ प्रशिक्षक मौजूद हैं। इसी बीच आजसू विधायक निर्मल महतो और बीजेपी विधायक रोशनलाल भी मौके पर पहुंचे और प्रशिक्षकों की मांगों को जायज़ बताते हुए सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। दोनों विधायकों ने कहा कि वे इस मुद्दे को विधानसभा के अंदर और बाहर जोरदार तरीके से उठाएंगे।

1971 युद्ध में शहीद माइकल मिंज का परिवार बदहाल

चतरा, एजेंसी। चतरा जिले के टंडवा प्रखंड के खंधार गांव में 1971 के भारत-पाक युद्ध के शहीद हुए माइकल मिंज का परिवार आज भी बदहाली में जीवन यापन कर रहा है। देश के लिए बलिदान देने के 54 साल बाद भी इनका परिवार सरकारी दावों के विपरीत मूलभूत सुविधाओं से वंचित है।

शहीद माइकल मिंज को भारत सरकार ने 16 दिसंबर 1999 को सर्वोच्च बलिदान सम्मान से सम्मानित किया था। हालांकि, उनके परिवार को अब तक न तो सरकार द्वारा घोषित पांच एकड़ जमीन मिली है और न ही किसी सदस्य को सरकारी नौकरी। परिवार आज भी मिट्टी के कच्चे मकान में रहने को मजबूर है।

पटना के फ्लैट पर भी दबंगों का कब्जा : शहीद की बहू पुष्पा एक्का और पोते सुमित मिंज ने प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए हैं। पुष्पा एक्का ने बताया कि परमवीर अल्बर्ट एक्का को बचाने के दौरान शहीद हुए माइकल मिंज की पत्नी अलबीना तिर्की को तत्कालीन बिहार सरकार ने पटना के लोहिया नगर में एक फ्लैट दिया था। उस फ्लैट पर आज किसी दबंग का कब्जा है।

इसके अलावा, टंडवा स्थित बहेरा पंचायत में दी गई पांच एकड़ जमीन भी परिवार को नहीं मिल पाई है। शहीद की पत्नी की मृत्यु के बाद उन्हें मिलने वाला पेंशन भी बंद हो गया। परिजनों का आरोप है कि उन्होंने कई विभागीय अधिकारियों से गुहार लगाई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। उन्हें कई सरकारी कार्यालयों में प्रवेश भी नहीं करने दिया गया।

शहीद के बेटे की हत्या, न्याय भी अधूरा : परिवार का दर्द यहीं खत्म नहीं होता। 2017 में शहीद के पुत्र अजय मिंज की कथित तौर पर दबंगों ने हत्या कर दी। परिजन आज तक न्याय के लिए भटक रहे हैं, पर हत्यारों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी। अजय मिंज सरकारी नौकरी पाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे थे, लेकिन सरकारी तंत्र से लड़ते-लड़ते उनकी भी जान चली गई। मानवाधिकार आयोग की प्रदेश अध्यक्ष प्रेमलता कहती हैं कि आज यह परिवार दो वक्त की रोटी तक के लिए जूझ रहा है। आवास योजना का लाभ तक नहीं मिला।

प्रशासन से अब मदद की उम्मीद : निराशा से घिरे परिवार को अब देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से उम्मीद है। समाजसेवी अमरदीप ने चतरा डीसी से मिलकर पूरे मामले की जानकारी दी है। राष्ट्रपति कार्यालय में याचिका देने का भरोसा दिलाया है। पूर्व सैनिक वेलफेयर एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष मोहन कुमार साहा ने जांच कमेटी बैठाने की बात कही और कहा कि यदि परिवार को सरकारी सुविधाएं नहीं मिली हैं, तो संगठन हर संभव मदद करेगा।

एसडीएम ने बरडीहा क्षेत्र में अवैध शराब के खिलाफ चलाया अभियान, की कार्रवाई

गढ़वा, एजेंसी। रविवार को सदर एसडीएम संजय कुमार ने बरडीहा प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध महुआ शराब निर्माण की मिल रही शिकायतों के मद्देनजर सघन छापेमारी की। इस क्रम में लोका गांव में बड़ी मात्रा में अवैध शराब निर्माण का अड्डा मिला। इस गांव में की गई छापेमारी के दौरान दो दर्जन से अधिक बड़े ड्रमों में भरी हुई अर्ध निर्मित जावा महुआ शराब मिली। जिनमें से करीब 10 ड्रम जमीन में गाड़कर छुपाए गए थे। जिन्हें एसडीएम ने अपनी टीम की सहायता से मौके पर ही निकलवा कर नष्ट कराया। छापेमारी स्थल पर बड़े पैमाने पर खौलती भट्ठियों और निर्माण सामग्री को देखकर स्पष्ट हुआ कि यहां लंबे समय से मिनी-फैक्ट्री जैसी व्यवस्था में अवैध शराब निर्माण जारी था। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि यह अवैध कारोबार पिछले चार-पांच वर्षों से संचालित हो रहा था और यहां से पूरे क्षेत्र में अवैध शराब की आपूर्ति की जाती थी। इस अवैध गतिविधि के स्थान तक पहुंचने के लिए एसडीएम एवं उनकी टीम को पैदल नदी पार कर काफी दूर चलना पड़ा।

इस कार्रवाई के दौरान एसडीएम के साथ कंचन प्रसाद, अनिल कुमार, रविंद्र पासवान, रमेश प्रसाद, राम प्यारे राम तथा प्रिंस कुमार भी उपस्थित रहे और अभियान में सक्रिय भूमिका निभाई। एसडीएम के लोका गांव पहुंचने की सूचना मिलते ही अवैध कारोबारी मौके से फरार हो गए। गांव के लोग प्रारंभ में जानकारी देने से हिचकिचाते दिखे। जिसके मद्देनजर एसडीएम ने संबंधित आबकारी एवं पुलिस अधिकारियों को विधिसम्मत आगे की कार्रवाई और शामिल व्यक्तियों की पहचान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। हालांकि बाद में स्थानीय जानकारी के अनुसार तीन लोगों पर निरोधात्मक कार्रवाई की जा रही है। इन लोगों में बसंत पासवान, पिंटू पासवान व संतोष पासवान शामिल हैं। एसडीएम ने कहा कि इतने बड़े पैमाने पर वर्षों से खुलेआम अवैध शराब निर्माण जारी रहना गंभीर चिंता का विषय है। यदि भविष्य में ऐसी पुनरावृत्ति पाई जाती है तो संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों के विरुद्ध भी कार्रवाई की अनुशंसा की जाएगी। छापेमारी के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्रित हो गए थे। एसडीएम ने कहा कि अवैध शराब ग्रामीण क्षेत्रों में विधि-व्यवस्था एवं सामाजिक स्वास्थ्य दोनों के लिए बड़ी चुनौती बन चुकी है।

पलामू में मोटर पार्ट्स दुकान में लगी आग, 5 लाख रुपए से अधिक के नुकसान का अनुमान

पलामू, एजेंसी। पलामू जिले के हैदरनगर थाना क्षेत्र के इस्लामगंज में सोमवार को एक मोटर पार्ट्स और टायर की दुकान में भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और कुछ ही देर में पूरी दुकान जलकर राख हो गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर हैदरनगर थाना पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक दुकान में रखा सारा सामान नष्ट हो चुका था। दुकानदार खुर्शीद ने बताया कि इस घटना में उन्हें पांच लाख रुपए से अधिक का नुकसान हुआ है। दुकान में रखे उपकरण, मशीनरी और अन्य सामग्री पूरी तरह जल गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दुकान के पास लगे बिजली मीटर में अचानक शॉर्ट सर्किट हुआ, जिसके बाद आग की लपटें तेजी से फैल गईं। आग लगने के दौरान दुकानदार खुर्शीद खुद ग्राहकों के साथ दुकान में मौजूद थे, लेकिन सभी ने समय रहते बाहर भागकर अपनी जान बचाई। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पिछले कई महीनों से हैदरनगर क्षेत्र में लो और हाई वोल्टेज की गंभीर समस्या बनी हुई है। वोल्टेज में बार-बार उतार-चढ़ाव के कारण उपकरण जलने और शॉर्ट सर्किट से आग लगने की घटनाएं लगातार हो रही हैं। लोगों ने बिजली विभाग की लापरवाही को इस नुकसान का जिम्मेदार ठहराया है।

एक सप्ताह पहले भी हैदरनगर बाजार में शॉर्ट सर्किट के कारण एक ज्वेलरी और बर्तन की दुकान में आग लगी थी, जिसमें दुकानदार को लाखों रुपए का नुकसान हुआ था। इन लगातार हो रही घटनाओं से क्षेत्र के व्यवसायियों में दहशत का माहौल है।

रांची के तीन बस टर्मिनल की बदलेगी सूरत, सीएम हेमंत सोरेन ने दिए निर्देश, मिलेगी हाईटेक

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची के तीनों बस टर्मिनल राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप संसाधनों और सुविधाओं से लैस होंगे। आईटीआई बस स्टैंड, सरकारी बस डिपो और बिरसा मुंडा बस टर्मिनल खादगढ़ा का कायाकल्प अब अब शीघ्र ही किया जाएगा।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शहरीकरण के कार्यों में तेजी लाने के क्रम में इन सभी टर्मिनलों के आधुनिकीकरण, नवीनीकरण और जीर्णोद्धार का निर्देश दिया है। इस कार्य को आरंभ करने के लिए विभागीय मंत्री सुदिव्य कुमार के निर्देश पर निविदा निकाल दी गयी है।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर नगर विकास एवं आवास मंत्री सुदिव्य कुमार कुल 48.72 करोड़ रुपये व्यय करने की स्वीकृति पहले ही दे चुके हैं। इसमें आईटीआई बस स्टैंड के लिए 24.77 करोड़, सरकारी बस डिपो के लिए 20.19 करोड़ और बिरसा मुंडा बस स्टैंड के लिए 3.76 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गयी है है। मंत्री ने विभागीय प्रधान सचिव सुनील कुमार को जुडको के माध्यम से निविदा के शीघ्र निष्पादन का निर्देश दिया है।

वर्तमान में यात्रियों के लिए न्यूनतम सुविधाओं वाले इस बस स्टैंड को आधुनिक रूप में विकसित किया जाएगा। यह

तीन एकड़ क्षेत्रफल में बनेगा, जिसमें 2330 वर्गमीटर ग्राउंड फ्लोर और 880 वर्गमीटर प्रथम तल पर टर्मिनल भवन होगा। बसों के परिचालन के लिए 13 बस वे बनाया जाएगा यहां 35 बसों के लिए स्टैंड बाई पार्किंग की सुविधा रहेगी। भूतल पर ड्राइवर कैंटीन, मेंटेनेंस शेड, गार्ड रूम, स्लाइडिंग प्रवेश द्वार, वातानिकुलित प्रतीक्षालय, कार, फूड कियोस्क, परिवहन कार्यालय, कैफेटेरिया, महिला एवं पुरुष शौचालय, ऑटो और ई-रिक्शा पार्किंग की सुविधा होगी।

प्रथम तल पर रेस्टोरेंट, प्रशासनिक भवन, टिकट काउंटर, चार डोरमेट्री, लाकर युक्त गेस्ट रूम तथा हरियाली के लिए लैंडस्केपिंग की व्यवस्था रहेगी। प्रति दिन 416 बसों का परिचालन सुनिश्चित किया गया है।

यह डिपो अब जर्जर अवस्था में है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर इसे 20.19 करोड़ रुपये की लागत से इंडियन रोड कांग्रेस के मानकों के अनुसार पुनर्निर्मित किया जाएगा। पुराने भवन को तोड़ कर नया टर्मिनल भवन बनाया जायेगा। यहां नए भवन में 1771 वर्गमीटर ग्राउंड फ्लोर और 845 वर्गमीटर प्रथम तल में सुविधाएं विकसित होंगी।

गार्ड रूम, मेंटेनेंस क्षेत्र, कैंटीन का प्रविधान होगा। यात्रियों के लिए डोरमेट्री, गेस्ट रूम, प्रतीक्षालय, फूड कियोस्क, शेडयुक्त बस-वे, टिकट काउंटर, परिवहन प्रबंधन कार्यालय, हेल्प डेस्क, 12 फ़ूड कियोस्क, कैफेटेरिया, रेस्टोरेंट, शौचालय तथा स्लाइडिंग गेट, कार व ऑटो स्टैंड जैसी सुविधाएं होंगी। आठ बस वे के जरिये रोजाना लगभग 512 बसों का परिचालन होगा।

इस बस स्टैंड को 3.76 करोड़ रुपये की लागत से और अधिक सुविधाजनक बनाया जाएगा। 11.6 एकड़ में फैले इस परिसर में 31 बस वे, 89 बसों व 70 कारों के लिए पार्किंग, स्मार्ट शेड, 50 बेड की डोरमेट्री, रेस्टरूम, स्नानागार, गेस्टहाउस, हाइमास्ट लाइट, बाउंड्री वॉल और महिला सुरक्षा की विशेष व्यवस्था की जाएगी। टेरेस एरिया की वाटर प्रूफिंग, पुराने टर्मिनल भवन का नया प्लास्टर एवं पेंटिंग, क्षतिग्रस्त टाइल्स का बदलाव, सभी वाटर टैप का परिवर्तन, सीसीटीवी, नए फर्नीचर, दो हाई वाल्यूम, लो स्पीड फैन लगाये जायेंगे। प्रधान सचिव सुनील कुमार ने जुडको को निर्देश दिया है कि तीनों बस टर्मिनलों के टेंडर का शीघ्र निष्पादन कर कार्य प्रारंभ किया जाए। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने के बाद रांची के बस टर्मिनल राज्य ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर के मॉडल स्टैंडर्ड पर नजर आएंगे, जहां यात्रियों को सुरक्षा, स्वच्छता और आधुनिक सुविधाओं का बेहतर अनुभव मिलेगा।

संक्षिप्त समाचार

हाईकोर्ट सख्त, कहा- क्यों न आदेश की अवहेलना पर आरोप गठित किया जाए

रांची, एजेंसी। मदरसा के शिक्षकों को पेंशन व ग्रेच्युटी नहीं दिए जाने को लेकर हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने सोमवार को अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव राहुल पुरवार एवं माध्यमिक शिक्षा निदेशक राजेश प्रसाद को उपस्थित होने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति आनंद सेन की अदालत ने 13 जून 2024 को कोर्ट द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन नहीं किए जाने को गंभीरता से लिया है। कोर्ट ने मामले में नोटिस जारी कर दोनों अधिकारियों को अगली सुनवाई में सशरीर उपस्थित होने का निर्देश दिया। कोर्ट ने उन्हें यह बताने को कहा है कि अदालत के आदेश की अवहेलना के कारण उन पर आरोप गठन क्यों नहीं किया जाए। अगली सुनवाई 8 सप्ताह बाद होगी। यह है मामला : इससे पहले प्रार्थी की ओर से बताया गया कि राज्य सरकार ने एक संकल्प जारी किया था, जिसमें कहा गया था कि वर्ष 2014 के बाद सेवानिवृत्त होने वाले मदरसा शिक्षकों को पेंशन एवं ग्रेच्युटी का लाभ नहीं दिया जाएगा।

गोवा के नाइट क्लब में मृतक के परिजनों को जल्द मिलेगी राहत राशि

रांची, एजेंसी। गोवा के नाइट क्लब में गैस सिलेंडर फटने से झारखंड के तीन युवाओं की हुई मौत के बाद सोमवार की सुबह मृतकों का शव रांची एयरपोर्ट पहुंचा। राज्य की कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने मुआवजा राशि को लेकर पहल की है। मृतक के परिजनों को 50- 50 हजार रुपए का भुगतान किया गया है। जबकि एक-एक लाख रुपए की अतिरिक्त राशि भी बहुत जल्द खाते में भेजी जाएगी। उन्होंने कहा कि रोजगार के लिए होने वाले पलायन को रोकने के लिए कार्य योजना तैयार किया जाना चाहिए। इसके साथ ही चालू सत्र में इस गंभीर विषय पर सदन में बहस होनी चाहिए। रांची एयरपोर्ट पर राज्य के पूर्व शिक्षा मंत्री बंधु तिर्की ने लापुंग प्रखंड के फतेहपुर गांव निवासी दो सगे भाई प्रदीप महतो, विनोद महतो के साथ-साथ खूंटी करा निवासी मोहित मुंडा के पार्थिव शरीर पर श्रद्धासुमन अर्पित की। पूर्व मंत्री परिजनों के साथ मृतक का शव लेकर पैतृक आवास के लिए रवाना हुए। लापुंग के फतेहपुर गांव और खूंटी के गोविंदपुर में ग्रामीणों बड़ी संख्या में अंतिम दर्शन में शामिल हुए। इस मौके पर पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने कहा कि यह घटना बेहद ही दुखद है। उन्होंने कहा कि रोजगार के लिए पलायन झारखंड के लिए अभिशाप की तरह है।

ताला तोड़ घर में घुसे चोर, लाखों के जेवर-नगदी गायब

धनबाद, एजेंसी। धनबाद स्थित झरिया के तिसरा थाना क्षेत्र अंतर्गत चांदकुइयां मोड़ स्थित न्यू कॉलोनी में एक बड़ी चोरी की वारदात सामने आई है। चोरों ने एक बंद बीसीसीएल क्वार्टर को निशाना बनाया और लाखों रुपए के जेवरात व नगदी चुरा लिए। यह घटना तब हुई, जब पवन साव का परिवार इटखोरी में एक शादी समारोह में शामिल होने गया था। चोरों ने सुने घर का फायदा उठाते हुए रविवार को मुख्य दरवाजे का ताला तोड़ा। इसके बाद वे अंदर दाखिल हुए और भीतर से दरवाजा बंद कर आराम से चोरी की वारदात को अंजाम दिया। पीड़िता संगीता देवी ने बताया कि उन्हें पड़ोसी ने फोन पर चोरी की सूचना दी थी। जानकारी मिलते ही परिवार इटखोरी से वापस लौटा। घर पहुंचने पर उन्होंने देखा कि मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ था और कमरों में सारा सामान बिखरा पड़ा था। अलमारी की जांच करने पर 11 हजार रुपए नगद, एक सोने का चेन, पांच जोड़ी सोने के कान के बाले, पांच जोड़ी सोने के कंगन, चांदी के कई कंगन व चेन, चांदी की छड़ें, दो सोने की नथ, मंगलसूत्र, चांदी की सीकरी और चांदी के सिक्के गायब मिले। कुल मिलाकर, लगभग 8 लाख रुपए मूल्य के जेवरात और नगदी चोरी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही तीसरा थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की है और संदिग्धों की तलाश जारी है। इस वारदात के बाद कॉलोनी के निवासियों में भय का माहौल है। लोग अपनी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंतित हैं और पुलिस से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने की मांग कर रहे हैं।

झारखंड विधानसभा शीतकालीन सत्र

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा- जल्द राज्य में और भी ट्रामा सेंटर खोले जाएंगे

रांची, एजेंसी। झारखंड विधानसभा शीतकालीन सत्र का मंगलवार को तीसरा दिन है। सत्र में मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा- राज्य में कितने ट्रामा सेंटर है, इसकी रिपोर्ट मंगाई गई है। मेन पावर की कमी से सभी संचालित नहीं हो सके हैं। जल्द इसे संचालित करेंगे। आने वाले समय में कुछ और ट्रामा सेंटर खोले जाएंगे। मैं खुद जाकर निरीक्षण करूंगा और वो पूरी तरह से संचालित होगा। झरिया विधायक रागिनी सिंह ने कहा-धनबाद में गरीब मरीज बहुत परेशान है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा- धनबाद में सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल खोल रहे हैं। यहां भी डायलिसिज मरीजों को लाभ होगा।

क्या आसानी से बालू मिलेगा या ब्लैक में ही लेना पड़ेगा: कुशवाहा शशि भूषण मेहता : सत्र में कुशवाहा शशि भूषण मेहता ने कहा-बालू सप्लाई का काम थाना को दे दिया गया है। पुलिस को लॉ ऑर्डर से मतलब नहीं। मैं सरकार से यह जानना चाहता हूं कि क्या आसानी से बालू मिलेगा या ब्लैक में ही लेना पड़ेगा। वहीं, मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने कहा- सरकार पलामू में 71 घाट पर 100 सीएफटी में बालू मुहैया करा रही है।

टीचर नहीं, क्लर्क नहीं तो फिर एडमिशन क्यों: अमित कुमार यादव : इधर, कोडरमा विधायक नीरा यादव ने कहा- कोडरमा के रिटायर्ड बैंककर्मी से डिजिटल अरेस्ट कर ठगी की गई है। इसपर संज्ञान लिया जाए। बरकट्ठा विधायक अमित कुमार यादव ने कहा-हमारे यहां के डिग्री कॉलेज में एडमिशन लिया गया। पर वहां टीचर नहीं, क्लर्क नहीं तो फिर एडमिशन लेकर बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ क्यों। आज छात्रवृत्ति नहीं मिल रही है। इस पर मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा-कॉलेज भवन निर्माण के बाद यह दबाव था कि इसे जल्द शुरू कर दीजिए। इतने दिन धैर्य रखा है तो कुछ दिन और रुकिए। शिक्षकों की बहाली कराएंगे और पठन-पाठन कराएंगे। उन्होंने छात्रवृत्ति के मुद्दे पर कहा- केंद्र का पैसा नहीं मिला। बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने कहा- बरही के अस्पताल में कम डॉक्टर की पदस्थापना है। इस पर जवाब आया कि बहाली होगा। कब बहाली करेंगे। मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा-डॉक्टर की बड़ी नियुक्ति करने जा रहे हैं। वहीं, पौड़ेयाहाट विधायक प्रदीप यादव ने कहा- क्या सरकार के पास थैलेसीमिया पीड़ित मरीजों की संख्या है इन्हें ब्लड देने के लिए निशुल्क व्यवस्था है क्या थैलेसीमिया पीड़ित मरीज राज्य सरकार मदद करती है।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा-हमारे पास पूरा आंकड़ा नहीं है। इस पर हम लोग काम कर रहे हैं। एक माह के अंदर सभी जिले में कितने थैलेसीमिया पीड़ित मरीज है, ये सदन को अवगत कराएंगे।

रांची में भी निशुल्क ब्लड लेने की व्यवस्था नहीं : थैलेसीमिया पीड़ित मरीजों को 15 दिनों में ब्लड चाहिए होता है। ब्लड की कमी हुई। हमने ब्लड कैंप लगाया। हर जगह निशुल्क ब्लड की व्यवस्था है। जितने भी हमारे मेडिकल कॉलेज हैं, वहां आराम से ब्लड मिलता है। इस पर प्रदीप यादव ने कहा-रांची में भी निशुल्क व्यवस्था नहीं है। यहां एक बच्ची को ब्लड लेने में 51 हजार रुपए खर्च करना पड़ा। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि बोर्नमेरो ट्रांसफर यूनिट नहीं था। बहुत जल्द सदर अस्पताल में बोर्नमेरो ट्रांसफर यूनिट लगाने जा रहे हैं। डॉक्टरों की ट्रेनिंग भी करा रहे हैं। राज्य सरकार खर्च वहन करेंगे।

सबसे ज्यादा महिला व बाल विकासविभाग के लिए 2082 करोड़ रुपए : वहीं, सत्र के दूसरे दिन सोमवार को वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने 7721.25 करोड़ रुपए का बजट सदन के पटल पर रखा। बजट में सबसे अधिक राशि का प्रावधान महिला व बाल विकास विभाग के लिए किया गया है, जो 2082.25 करोड़ रुपए है। ग्रामीण कार्य विभाग के लिए 1324.82 करोड़, स्वास्थ्य विभाग केलिए 729.75 करोड़ रुपए और आपदा प्रबंधन विभाग के लिए 526.34 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। इससे पूर्व विधानसभा में हंगामे के कारण कार्यवाही दो बार स्थगित करनी पड़ी।

देश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए तकनीक आधारित सतत अन्वेषण जरूरी : ओम प्रकाश

धनबाद, एजेंसी। आइआइटी आइएसएम धनबाद के शताब्दी स्थापना सप्ताह के छठे दिन सोमवार को शिक्षा, तकनीक, संस्कृति और नवाचार का अद्भुत संगम देखने को मिला। आज दिन का मुख्य आकर्षण पेट्रोलियम इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी 'भविष्य को ऊर्जा देना: वैश्विक ऊर्जा संक्रमण का मार्ग' का सफल समापन रहा। कार्यक्रम पेनमैन प्रेक्षागृह में आयोजित हुआ। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता संस्थान के अध्यक्ष प्रो प्रेम व्रत ने की। उन्होंने कहा कि आइआइटी आइएसएम ने सौ वर्षों में ऊर्जा शिक्षा में अद्वितीय नेतृत्व स्थापित किया है। अब सौर ऊर्जा व सतत प्रौद्योगिकी जैसे नये क्षेत्रों में विस्तार कर रहा है।

वहीं मुख्य अतिथि ओएनजीसी के निदेशक ओम प्रकाश सिन्हा ने वैश्विक ऊर्जा बदलाव के बीच देश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए तकनीक आधारित सतत अन्वेषण पर बल दिया। संस्थान के निदेशक प्रो। सुकुमार मिश्र ने उद्योग और शिक्षण जगत के बीच सहयोग को और सुदृढ़ करने की आवश्यकता बतायी। कहा कि कार्बन कैप्चर, उपयोग और भंडारण (सीसीयूएस), अपरंपरागत ऊर्जा स्रोत तथा डिजिटल भंडार इंजीनियरी भविष्य की ऊर्जा व्यवस्था में निर्णायक भूमिका निभाएंगे।दिनभर चले तकनीकी सत्रों में पेनसिल्वेनिया राज्य विश्वविद्यालय, ओएनजीसी, गेल, भारतीय पेट्रोलियम व अन्य प्रमुख संस्थानों के विशेषज्ञों ने शोध व अनुभव साझा किये। इन सत्रों में उन्नत भंडार प्रबंधन, ऊर्जा संक्रमण की रणनीतियां, हाइड्रोजन तथा हरित ऊर्जा नवाचारों पर चर्चा हुई। समानांतर प्रस्तुतियों में शोधार्थियों ने अत्याधुनिक परियोजनाओं का परिचय कराया। इन्हैंस्ड कोल-बेड मीथेन पर आयोजित विशेष कार्यशाला ने स्वच्छ अपरंपरागत गैस के दोहन की नयी तकनीकों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। अंत में आयोजित पैनल डिस्कशन में विशेषज्ञों व नीति निर्माताओं ने ऊर्जा जरूरतों व पर्यावरणीय दायित्वों के संतुलन का मार्ग सुझाया।

प्रतिबंधित झारखंड समूह के जोनल कमांडर को सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम जमानत, एनआईए की दलील दरकिनार

रांची, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को प्रतिबंधित तृतीय प्रस्तुति समिति (टीपीसी) के कथित जोनल कमांडर को अंतरिम जमानत दे दी। उस पर गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम और शस्त्र अधिनियम के तहत जबरन वसूली और आतंकवाद के वित्तपोषण के आरोपों में मुकदमा चल रहा है।

दशरथ सिंह भोक्ता उर्फ दशरथ गंझू को राहत देते हुए मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जायमाल्या बागची की पीठ ने इस तथ्य पर ध्यान दिया कि अन्य मुख्य आरोपित पहले से ही जमानत पर बाहर हैं। पीठ ने ट्रायल कोर्ट को निर्देश दिया कि वह शेष कार्यवाही के लिए उसकी उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त शर्तें लगाए।

अदालत ने यह आदेश एनआईए के विरोध के बावजूद पारित किया। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के एम नटराज ने दलील दी कि भोक्ता एक प्रतिबंधित संगठन का सदस्य है और अभियोजन पक्ष के 60 गवाहों में से केवल छह से ही पूछताछ होनी बाकी है।

उन्होंने अदालत से शीतकालीन अवकाश के बाद मामले की सुनवाई करने का आग्रह किया। हालांकि, पीठ ने लंबी हिरासत और समता सिद्धांत को ध्यान में रखते हुए भोक्ता को अंतरिम राहत प्रदान की।

भोक्ता पनकी थाना मामले के सिलसिले में 17 मई 2020 से न्यायिक हिरासत में है, जिसे बाद में एनआईए ने अपने हाथ में ले लिया था। उस पर झारखंड के व्यापारियों और ठेकेदारों से जबरन धन वसूली करने, कथित तौर पर उस धन का उपयोग हथियार खरीदने और टीपीसी की गतिविधियों को वित्तपोषित करने और अवैध आय का उपयोग करके अपनी पत्नी के नाम पर संपत्ति अर्जित करने का आरोप है।

ठंड से कांप उठा गुमला, 6 डिग्री से नीचे पहुंचा पारा

गुमला, एजेंसी। जिले में कड़ाके की ठंड अपने चरम पर पहुंच गई है। न्यूनतम तापमान छह डिग्री सेल्सियस से भी नीचे दर्ज किया गया, जिससे हाड़ कंपाने वाली ठंड ने जनजीवन पूरी तरह प्रभावित कर दिया है। सुबह और शाम के समय सड़कें सुनसान दिख रही हैं, बाजारों में चहल-पहल कम हो गई है और लोग आवश्यक कार्यों को छोड़कर घर से बाहर निकलने से बच रहे हैं।

कड़ाके की ठंड के कारण खासकर बुजुर्गों, बच्चों और दैनिक मजदूरों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। सर्द हवाओं के कारण सुबह-सवेरे काम पर निकलने वाले मजदूरों और खेत-खलिहानों में काम करने वाले किसानों की दिनचर्या बाधित है। कई क्षेत्रों में स्कूल जाने वाले बच्चों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ठंड का प्रकोप इतना अधिक है कि कई गांवों में लोग सुबह देर तक घरों से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। ठंड की भयावह स्थिति के बावजूद जिला प्रशासन की तैयारियां अभी तक धरातल पर नहीं दिख रही हैं। शहर हो या प्रखंड मुख्यालय कहीं भी अलाव की प्रभावी व्यवस्था नजर नहीं आ रही है।

आमतौर पर दिसंबर की शुरुआत में मुख्य चौराहों, बस स्टैंड, अस्पताल परिसर

और भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में अलाव जलाए जाते थे, लेकिन इस बार स्थिति बिल्कुल उलट है। कहीं कहीं ही अलाव दिखाई दे रहा है। ठंड से कांपते लोग प्रशासन से तत्काल राहत उपाय शुरू करने की मांग कर रहे हैं। शीतलहर के बीच जरूरतमंदों के लिए बनाए गए रैन बसेरे भी उपयोगी साबित नहीं हो रहे हैं।

शहर के रैन बसेरों में न तो पर्याप्त कंबल और बिस्तर की व्यवस्था है और न ही उचित रखरखाव। कई जरूरतमंदों को इन रैन बसेरों के बारे में जानकारी तक नहीं है, जिससे वे खुले में ठंड से जूझने को मजबूर हैं। शहर के खड़ियापाड़ा में 50 बेड का बना रैन बसेरा की उपयोगिता शून्य है। बिजली वायर चोरी हो चुका है। खिड़की का शीशा टूटा हुआ। बाथरुम का दरवाजा टूटा हुआ है। दुर्गंध भी फैल रहा है। कमरों में बेड लगा है लेकिन शहर से किनारे होने के कारण कोई नहीं जाता है। दूरी होने के कारण नगर परिषद द्वारा बड़ाईक मोहल्ला में रैन बसेरा बनाया गया लेकिन उसकी उपयोगिता ही शून्य है। रख रखाव के कारण जर्जर हो चला है। बढ़ती ठंड को लेकर लोगों का कहना है कि मुख्य बाजारों, अस्पतालों, धार्मिक स्थलों और आमजन के आवागमन वाले स्थानों पर तत्काल अलाव की व्यवस्था की जाए।

साथ ही रैन बसेरों की स्थिति सुधारी जाए और जरूरतमंदों तक इसकी जानकारी पहुंचाई जाए। ठंड बढ़ने के साथ आम लोगों की समस्या लगातार बढ़ रही है। ऐसे में जिला प्रशासन को शीघ्र सक्रिय होकर ठंड से राहत के उपाय सुनिश्चित करने की आवश्यकता है, ताकि जनजीवन सामान्य हो सके और लोगों को ठंड से राहत मिल सके। अलाव लगाने को लेकर नगर परिषद द्वारा झूठे दावे किए जा रहे हैं। उनका कहना है कि चार जगह अलाव की व्यवस्था की गई है। सोमवार को जब इसकी पड़ताल की गई तब पता चला कि केवल दो स्थान पटेल चौक और सदर अस्पताल में अलाव का खानापूर्ति व्यवस्था किया गया है।

दो- चार लकड़ी के टूकड़े जलाकर अलाव नाम दिया गया था। जो महज चंद मिनटों में जल जाएंगे।

ठंड के समय में सेहत का रखें विशेष ख्याल : डॉ. पातंजली

गढ़वा, एजेंसी। शहर के साईं मुहल्ला स्थित आरपी सेवा सदन के समीप रविवार को एकल विद्यालय और आरपी एजुकेशनल एंड वेलफेयर ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें उच्च रक्तचाप, मधुमेह सहित अन्य बीमारियों से ग्रसित 200 मरीजों की जांच की गई। जांचोपरांत उन्हें निःशुल्क परामर्श दिया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन ट्रस्ट के निदेशक डॉक्टर पातंजली केशरी, अधिवक्ता रंजीत सिन्हा सहित अन्य लोगों ने दीप प्रज्वलित कर किया।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए निदेशक डॉक्टरपातंजली केशरी ने कहा कि स्वास्थ्य की देखभाल सभी लोगों के लिए अति आवश्यक है। वर्तमान में ठंड पूरी ताकत के साथ उतर आई है। ऐसे में लोगों का बीपी बढ़ना, सर्दी, जुकाम फ्लू, अस्थमा, निमोनिया सहित अन्य बीमारियों की चपेट में आने की आशंका बनी रहती है। हम सुरक्षित रहें। इसके लिए हमेशा हमे सचेत रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि इन सभी बीमारियों से बचाव के लिए आज साईं मुहल्ला में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया है। लोग जांच कराकर उचित परामर्श ले सकते हैं।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को समय-समय पर अपना ब्लड प्रेशर और शुगर की जांच करते रहना

चाहिए। कई लोगों को पता भी नहीं रहता है कि उनके शरीर में शुगर अथवा बीपी बढ़ा हुआ है। नियमित जांच कराते रहने से हम इन सभी समस्याओं से निजात पा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि ठंड के समय लोग अपने तन को गर्म कपड़ों से ढंककर रखें। सुबह-शाम खास ख्याल रखें। बुजुर्ग और बच्चों पर विशेष ध्यान दें। वाहन चलाते समय कोहरे की स्थिति में सड़क सुरक्षा पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने अधिसंख्य लोगों से जांच शिविर का लाभ उठाने की अपील की। अधिवक्ता रंजीत सिन्हा ने कहा कि ठंड में शरीर का तापमान बढ़ जाना अथवा घटना या श्वसन संबंधी बीमारी की चपेट में कितने लोग आ जाते हैं। इससे बचाव के लिए हम सभी को गर्म कपड़े, पोषणयुक्त भोजन और नियमित व्यायाम और आराम करना चाहिए। ऊनी कपड़े, दस्ताने, मौजा पहनने के बाद मुंह ढककर घर से निकलें। साथ ही पर्याप्त नींद लें। नींद लेने से हमारा तन मन तंदुरुस्त रहता है।

शरीर का इम्युनिटी पावर बढ़ता है। उन्होंने कहा कि धूम्रपान और नशापन ठंड का बचाव नहीं है। इससे शरीर कमजोर होता है। उन्होंने उपस्थित लोगों से चिकित्सक के सलाह अनुसार इलाज कराने की बात कही।

टोटो से कुचलकर 3 साल की बच्ची की मौत

गोड्डा, एजेंसी। गोड्डा जिले के महागामा थाना क्षेत्र में सोमवार को एक सड़क हादसे में तीन वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। यह घटना महागामा-हनवारा मुख्य मार्ग पर स्थित मानियामोड़ गांव में हुई, जहां एक तेज रफ्तार टोटो ने बच्ची को कुचल दिया। बच्ची की मौके पर ही मृत्यु हो गई। मृतक बच्ची की पहचान सपना सोरेन (3) के रूप में हुई है, जो गुरु सोरेन की बेटी थी। बच्ची मूल रूप से साहेबगंज जिले के राजमहल की निवासी थी और घटना के समय मानियामोड़ स्थित अपने नानीघर आई हुई थी।

घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। उन्होंने मुख्य मार्ग को जाम कर दिया, जिससे यातायात बाधित हो गया और वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। सूचना मिलने पर महागामा थाना प्रभारी मनोज पाल के निर्देश पर सब इंस्पेक्टर राज गुप्ता दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने ग्रामीणों को शांत कराने का प्रयास किया और घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी है। टोटो चालक की तलाश जारी है।

ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को मुआवजा देने, टोटो चालक को तुरंत गिरफ्तार करने और सड़क पर तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण लगाने की मांग की है। सब इंस्पेक्टर राज गुप्ता ने बताया कि बच्ची सड़क पार कर रही थी, तभी यह हादसा हुआ। बच्ची को बचाने के प्रयास में टोटो उस पर ही पलट गया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस मौके पर पहुंचकर आगे की जांच पड़ताल कर रही है।

नगर निकाय चुनाव की घोषणा का इंतजार, अंतिम चरण में वार्डवार मतदाता सूची

पाकुड़, एजेंसी। लंबे इंतजार के बाद नगर निकाय चुनाव की उम्मीद बलवती हुई है। नगर निकाय चुनाव को लेकर जिला प्रशासन तैयारी में जुट गया है। पूर्व पार्षद के साथ साथ चुनाव में भाग्य आजमाने को आतुर उम्मीदवार अपने अपने क्षेत्र में सक्रिय हो गए हैं। वोटरों को साधने की कवायद तेज हो गई है। जल्द ही नगर निकाय चुनाव का बिगुल बजने वाला है।

नए वर्ष के प्रथम तिमाही में चुनाव होने की संभावना जताई जा रही है। पिछले दिनों प्रेस कांफ्रेंस में डीसी ने चुनावी तैयारियों को लेकर जानकारी दी थी। उन्होंने कहा था कि जिला प्रशासन पूरी तरह तैयार है। जल्द ही कोषांग का गठन कर लिया जाएगा और चुनाव संबंधी निर्देशों का अनुपालन समय पर किया जाएगा। इधर, नगर निकाय चुनाव को लेकर शहरवासियों में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है। चुनाव तिथि की घोषणा का बेसब्री से इंतजार है। चौक-चौराहों पर भी चुनावी चर्चा आम हो गई है। वहीं, चुनाव में अपनी किस्मत आजमाने वाले संभावित उम्मीदवार भी सक्रिय हो गए हैं। नगर परिषद क्षेत्र के 39 बूथों पर प्री-विशेष मतदाता पुनरीक्षण का कार्य तेजी से चल रहा है। सुपरवाइजर और बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं के नामों का वोटर सूची से मिलान कर रहे हैं। पुनरीक्षण कार्य अंतिम चरण में पहुंच गया है। नगर परिषद क्षेत्र के इन 39 बूथों पर अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और 21 पार्षदों के चुनाव के लिए कुल 36,796 मतदाता अपने मनपसंद उम्मीदवार का चयन करेंगे। नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या 14 में सबसे अधिक मतदाता हैं, जबकि वार्ड संख्या 05 में सबसे कम मतदाताओं की संख्या दर्ज है।

80 हजार में कर दिया था नाबालिग का सौदा, शिकंजे में तीन महिला और एक युवक

दुमका, एजेंसी। जिला में सरैयाहाट थाना क्षेत्र के एक गांव की 14 वर्षीय नाबालिग को बहला फुसलाकर बिहार के मोतीहारी में 80 हजार रुपए में बेच देने का मामले में पुलिस ने कार्रवाई की है। जिसमें नाबालिग की बरामदगी के साथ चार लोगों को गिरफ्तार कर आज सोमवार को जेल भेज दिया। जिसमें एक युवक और तीन महिलाएं शामिल हैं। गिरफ्तार लोगों में मोतीहारी जिला के राजेफुर थाना क्षेत्र के सगहरी गांव के अरुण सिंह, चुड़की देवी, पार्वती देवी (दुमका के सरैयाहाट थाना क्षेत्र की रहनेवाली) और गोड्डा जिला के बक्सरा गांव की पिंकी देवी शामिल है।

6 दिसंबर को हुआ था मामला दर्ज

इस मामले में बीते छह दिसंबर को नाबालिग की दादी ने थाना में पोती के गुम हो जाने का सनहा दर्ज कराई थी। जिसमें बताया गया था कि उसकी पोती सिलाई सीखने की बात कहकर घर से निकली और घर नहीं लौटी। एफआईआर दर्ज होते ही पुलिस ने गंभीरत दिखाते हुए त्वरित कार्रवाई शुरू की। जिसमें थाना प्रभारी राजेन्द्र यादव ने वरीय पुलिस अधिकारियों के

निर्देश पर एक टीम गठित किया गया।

अनुसंधान के क्रम में पुलिस को यह पता चला कि लापता लड़की बिहार के मुजफ्फरपुर में है। तत्काल पुलिस टीम द्वारा लापता नाबालिक लड़की का खोजबीन के लिए मुजफ्फरपुर के लिए पुलिस टीम को भेजा गया। इसी बीच 06 दिसंबर को ही रात्रि में दादी द्वारा थाना आकर बताया कि उसे पक्की जानकारी प्राप्त हुई है कि उसकी पोती को बहला फुसलाकर 80 हजार रुपए में सरैयाहाट मरकुंडा गांव की चुड़की देवी, बाबुडीह गांव की पार्वती देवी, गोड्डा बक्सरा गांव की पिकी देवी उर्फ प्रियंका देवी के द्वारा बिहार के मोतिहारी जिले के सगहरी गांव के अरुण सिंह के पास बेच दिया गया है।

इस सूचना पर थाना में कांड दर्ज करते हुए मुजफ्फरपुर बिहार निकले पुलिस टीम को सूचना दिया गया और उसे मोतिहारी भेज दिया गया। छापामारी टीम द्वारा अरुण सिंह के घर में छापेमारी कर उक्त नाबालिग को बरामद किया गया। साथ ही आरोपी अरूण सिंह को गिरफ्तार कर सरैयाहाट थाना लाया गया।

वहीं पुलिस की दूसरी छापामारी टीम के द्वारा सरैयाहाट के मरकुंडा और बाबुडीह सहित गोड्डा के बक्सरा गांव में भी छापामारी कर अन्य तीनों अभियुक्तों को गिरफ्तार किया और आज सोमवार को गिरफ्तार चारों आरोपियों को जेल भेज दिया गया।

थाना प्रभारी ने दी जानकारी

इस पूरे मामले पर सरैयाहाट के थाना प्रभारी राजेंद्र यादव ने जानकारी दी कि 06 दिसंबर को मानव तस्करी की जानकारी प्राप्त होने के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की है। इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही साथ नाबालिग को भी बरामद कर परिजनों को सौंप दिया गया है। इस तरह से ह्यूमन ट्रैफिकिंग के इस मामले का पर्दाफाश किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

6 महीने से फरार वांटेड शराब माफिया थाने में गिरफ्तार

हाजीपुर, एजेंसी। वैशाली के बेलसर थाना परिसर में छह महीने से फरार एक वांटेड शराब माफिया मुन्ना सहनी को गिरफ्तार किया गया है। वह कल देर शाम एक मारपीट के आरोपी की पैरवी करने थाने पहुंचा था। शराब के नशे में धुत मुन्ना सहनी थाने में अपनी दबंगई दिखा रहा था और अपने मित्र को छुड़ाने का प्रयास कर रहा था। उसने कई बार थाना परिसर से भागने की कोशिश भी की। इसी दौरान बेलसर थानाध्यक्ष प्रवीण कुमार गश्त से वापस थाना लौटे। उन्होंने मुन्ना सहनी को देखते ही पहचान लिया, जिसकी तलाश पुलिस पिछले छह महीने से कर रही थी। थानाध्यक्ष ने तुरंत उसे दबोच लिया और हाजत में बंद कर दिया। थानाध्यक्ष प्रवीण कुमार ने बताया कि मुन्ना सहनी मिश्रौलिया गांव का निवासी है और छह महीने से उनके थाने का वांटेड शराब माफिया था। वह अपने एक मित्र की पैरवी करने आया था और नशे की हालत में था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

बेगूसराय में गन प्वाइंट पर लूट, चार बदमाशों ने ज्वेलरी दुकान से चांदी-जेवरात उड़ाए

बेगूसराय, एजेंसी। बेगूसराय में सोमवार की शाम अपराधियों ने गन प्वाइंट पर बड़ी लूट को अंजाम दिया। मंसूरचक थाना क्षेत्र के गुरदासपुर चौक स्थित कामिनी ज्वेलर्स में लगभग 5 बजे दो बाइक पर सवार चार सशस्त्र बदमाश पहुंचे और दुकान में घुसते ही आधा शटर गिराकर मारपीट शुरू कर दी। दुकानदार संजीत सोनी के अनुसार, बदमाशों ने दुकान में रखी चांदी, चांदी के जेवर, कुछ सोने के हल्के नाक फूल और गल्ले में रखा कैश लूट लिया। घटना के बाद सभी अपराधी फरार हो गए। सूत्रों के मुताबिक, करीब डेढ़ किलोग्राम चांदी की लूट की बात सामने आ रही है, हालांकि पुलिस ने अभी तक क्षति का आधिकारिक आंकड़ा जारी नहीं किया है। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष गोविंद कुमार पांडे टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी। घटना के बाद गुरदासपुर चौक पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। समाचार प्रेषण तक पुलिस जांच और प्रारंभिक कार्रवाई जारी थी।

मधेपुरा में खुलेआम बिक रही 'कैंसर' वाली प्रतिबंधित मछली, सस्ती होने से ग्राहकों की भीड़

मुरलीगंज (मधेपुरा), एजेंसी। सरकार द्वारा पूरी तरह प्रतिबंधित किए जाने के बावजूद मुरलीगंज प्रखंड के बाजारों में थाई मांगुर मछली खुलेआम बिक रही है। सस्ती कीमत के कारण निम्न आय वर्ग के लोग इसका सेवन बड़ी संख्या में कर रहे हैं। शाम होते ही मुरलीगंज हाट बाजार, गौशाला चौक, मीरगंज बाजार, बलुआहा घाट, प्रसादी चौक, नवटोल, जीतापुर बाजार समेत लगभग हर चौक – चौराहे पर यह आसानी से उपलब्ध हो जाती है। थाई मांगुर लोकल देशी मछलियों की तुलना में बहुत सस्ती मिल जाती है। जहां देशी मछलियां 250–600 रुपये प्रति किलोग्राम मिलती है, तो थाई मांगुर 100–150 रुपये में उपलब्ध होती है। कम कीमत होने के कारण गरीब परिवारों को यह आसानी से उपलब्ध हो जाती है, लेकिन उन्हें इसके गंभीर स्वास्थ्य दुष्प्रभाव का अंदाजा नहीं है। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रतिबंध लागू होने के बावजूद मत्स्य विभाग द्वारा किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं की जा रही है, न ही नियमित निगरानी की व्यवस्था है।

खगड़िया में एसटीएफ और पुलिस की छापेमारी में कुख्यात अपराधी गिरफ्तार, लंबा आपराधिक इतिहास उजागर

खगड़िया, एजेंसी। खगड़िया जिले के चौथम थाना पुलिस और एसटीएफ की संयुक्त कार्रवाई में एक बड़ी सफलता मिली है। एसपी राकेश कुमार के निर्देश पर फरार और वांछित अपराधियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में कौशल सिंह हत्याकांड में संदिग्ध और फरार चल रहे बखेरा सिंह उर्फ बदन कुमार को कामाधान मुसहरी दियारा क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। उसके पास से एक देसी रायफल, एक देसी कट्टा और तीन जिंदा गोलियां बरामद हुईं।गिरफ्तार आरोपी बदन कुमार, निवासी नवादा, थाना चौथम का आपराधिक इतिहास बेहद गंभीर है। वह 2007, 2008, 2013, 2019 और 2025 में दर्ज कई हत्या, आर्म्स एक्ट और मारपीट जैसे संगीन मामलों में वांछित था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ चौथम थाना कांड संख्या 327/25 के तहत आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। इस संयुक्त छापेमारी में चौथम थाना प्रभारी अजीत कुमार, बेलदौर थाना प्रभारी परशुराम सिंह, एसटीएफ और सशस्त्र बलों की टीम शामिल रही।

सीएम नीतीश कुमार ने वैशाली में सिक्स लेन पुल का किया निरीक्षण,

मार्च 2026 तक हो जाएगा चालू

हाजीपुर, एजेंसी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कच्ची दरगाह बिदुपुर में निर्माणाधीन सिक्स लाइन पुल का मंगलवार की सुबह निरीक्षण किया। इस दौरान नीतीश कुमार मंत्री विजय चौधरी एवं आला अधिकारियों के साथ सिक्स लेन पुल के पाया नंबर 51 के निकट पहुंचे।

उन्होंने मौके पर मौजूद विभाग के अधिकारी एवं पुल निर्माण कंपनी के अधिकारियों से निर्माण से संबंधित जानकारी ली। उसके बाद सीएम नीतीश कुमार पटना के लिए निकल गए।

जानकारी के अनुसार नीतीश कुमार ने पुल निर्माण करने वाली एजेंसी के अधिकारियों को जल्द से जल्द विदुपुर तक सिक्स लाइन पुल चालू करने का निर्देश दिया। फिलहाल कच्ची दरगाह बिदुपुर सिक्स लेन पुल को राघोपुर तक चालू कर दिया गया है। निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। मार्च 2026 में तक बिदुपुर तक पुल शुरू किए जाने की उम्मीद है।

गोरतलब हो कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कच्ची दरगाह बिदुपुर सिक्स लेन पुल के प्रथम चरण में एन एच 31 से राघोपुर तक 4.57 किलोमीटर लंबी सड़क का उद्घाटन किया। उद्घाटन के बाद राघोपुर के लोगों के लिए पटना आना-जाना और पहले से कहीं अधिक आसान हो गया है। पल के चालू हो जाने से उत्तर और दक्षिण बिहार को जोड़ने वाला एक मजबूत वैकल्पिक मार्ग भी उपलब्ध हो गया।

करीब 5000 करोड़ रुपये की लागत से बना यह

पुल गंगा नदी पर कच्ची दरगाह और बिदुपुर को जोड़ता है। इसका शिलान्यास 31 जनवरी 2016 को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने किया था। यह पुल कुल 22.76 किलोमीटर लंबा है, जिसमें गंगा नदी पर 9.76 किलोमीटर और पहुंच पथ की लंबाई 13 किलोमीटर है।

इस पुल की विशेषता इसका एक्स्ट्रा डोज्ड केबल स्टे डिज़ाइन है। इसमें केबल्स को सीधे टावर से जोड़ने के बजाय डेक के नीचे एक बिंदु से दूसरे बिंदु तक जोड़ने की तकनीक अपनाई गई है, जिससे यह संरचना अधिक सुदृढ़ और टिकाऊ बनती है। यह तकनीक देश के कुछ ही पुलों में उपयोग की गई है। राघोपुर तक पुल का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। बिदुपुर तक 2026 में पुल चालू होने की उम्मीद है।

19 किलोमीटर इस लंबे पुल में करीब 9.76 किलोमीटर हिस्सा गंगा नदी पर एक्स्ट्रा डोजड केवल स्टे ब्रिज है। इसकी चौड़ाई 32 मीटर है और इसे 100 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार के अनुरूप डिजाइन किया गया है। पुल निर्माण एशियन डेवलपमेंट बैंक से करीब 3000 करोड रुपए लोन व बिहार सरकार द्वारा 2000 करोड रुपए राशि खर्च की जा रही है।

पटना के बिहटा में चला अतिक्रमण पर बुलडोजर

पटना, एजेंसी। बिहार में नई सरकार के गठन के बाद से अवैध कब्जे और निर्माण के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में पटना के बिहटा में भी अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। पटना जिलाधिकारी के आदेश पर दानापुर की एसडीएम दिव्या शक्ति के नेतृत्व में यह कार्रवाई शुरू की गई।

अभियान के तहत सड़क के दोनों ओर किए गए अवैध अतिक्रमण को बुलडोजर से ध्वस्त किया गया। बिहटा नगर परिषद क्षेत्र में बिहटा चौक से लेकर बिहटा डोमनिया पुल बाजार तक सड़क के दोनों किनारों पर हुए अवैध कब्जों को हटाया गया। इस दौरान स्थानीय अंचल अधिकारी राकेश कुमार सिंह और पुलिस टीम मौके पर मौजूद रही। इस कार्रवाई पर स्थानीय निवासी अजय कुमार पिंटू ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई सही है, लेकिन गरीब दुकानदारों के लिए नगर परिषद प्रशासन को ऑप्शनल व्यवस्था करनी चाहिए।

नगर परिषद क्षेत्र में वेडिंग जोन बनाने की मांग

स्थानीय अजय कुमार पिंटू ने बिहटा नगर परिषद क्षेत्र में वेडिंग जोन बनाने की मांग की, ताकि सभी दुकानें एक जगह लग सकें। बिहटा में लगने वाले जाम की समस्या का समाधान हो सके। उन्होंने बताया कि बिहटा नगर परिषद बने चार साल हो गए हैं, लेकिन अभी तक वेडिंग जोन और पार्किंग जैसी कोई व्यवस्था नहीं की गई है, जिसके कारण जाम की स्थिति लगातार बिगड़ रही थी। अंचलाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने बताया कि अतिक्रमण के कारण लगातार बिहटा में जाम की स्थिति बन रही थी। पटना जिला प्रशासन और दानापुर अनुमंडल प्रशासन के निर्देश पर बिहटा नगर परिषद क्षेत्र में अवैध कब्जा किए गए निर्माण को प्रशासन के बुलडोजर जरिए हटाया गया है और आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी। कार्रवाई से पहले ही लोगों को जानकारी दी गई थी। कुछ लोगों ने तो खुद से अवैध कब्जा हटा लिया था। लेकिन कुछ लोगों की ओर से कब्जा किया गया है, जिसे हटाया गया है। आगे भी पूरे बिहटा में यह करवाई जारी रहेगी।

तीन कॉन्ट्रैक्ट किलर तीन हथियारों के साथ गिरफ्तार, साढ़े तीन लाख की सुपारी का खुलासा

मुज्जफरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर पुलिस की सक्रियता से एक बड़ी हत्या की वारदात होने से बच गई। मामला गरहां ओपी थाना क्षेत्र का है, जहां पुलिस ने विशेष जांच अभियान के दौरान बाइक सवार तीन संदिग्ध अपराधियों को पकड़ा। गिरफ्तार बदमाशों के पास से तीन अवैध हथियार, कई जिंदा कारतूस और मादक पदार्थ की एक खेप बरामद की गई है। सिटी एसपी कोटा किरण कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि पटियासा के पास कुछ युवक संदिग्ध हालात में घूम रहे हैं। जैसे ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची, आरोपी भागने लगे, लेकिन पीछा कर तीनों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार अपराधियों की पहचान गौरव निखिल, रोहित कुमार और निखिल कुमार के रूप में हुई है। तीनों का आपराधिक इतिहास रहा है, जिसमें रोहित पर पहले

से मामला दर्ज है।एसडीपीओ टाउन-2 बिनीता सिन्हा की टीम द्वारा की गई सघन पूछताछ में बड़े खुलासे हुए। पता चला कि यह गिरोह सुपारी किलर है और मुजफ्फरपुर के गायघाट क्षेत्र के एक प्रत्याशी की हत्या करने आया था। तीनों को यह काम साढ़े तीन लाख रुपये में सौंपा गया था।सिटी एसपी ने बताया कि कॉन्ट्रैक्ट देने वाले व्यक्ति की पहचान और सत्यापन की प्रक्रिया चल रही है। पुलिस इस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है और इसमें बड़े अपराधियों के लिंक मिलने की भी आशंका जताई है।

कैमूर में बोलेरो की टक्कर से बच्चा घायल:स्कूल जाते समय हुआ हादसा

कैमूर, एजेंसी। कैमूर के भगवानपुर थाना क्षेत्र के हनुमान घाट गांव में मंगलवार सुबह करीब 9:30 बजे स्कूल जा रहे सात वर्षीय आलोक कुमार को बोलेरो वाहन ने टक्कर मार दी। घटना के तुरंत बाद बच्चे के परिजन उसे स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भगवानपुर लेकर पहुंचे। डॉक्टर मंजर हुसैन ने बताया कि आलोक का दाहिना पैर टूट गया है और प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल भभुआ रेफर किया जा रहा है।

स्कूल जाते समय बच्चा को बोलेरो चालक ने मारी टक्कर

बच्चा आलोक कुमार अपने गांव के स्कूल जा रहा था, तभी भभुआ की ओर से आ रही बोलेरो ने उसे टक्कर मार दी। इस हादसे में आलोक गंभीर रूप से घायल हुआ। परिजन और ग्रामीणों ने उसे तुरंत

इलाज के लिए स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे भभुआ भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी।

चालक हिरासत में, पुलिस मामले की जांच में जुटी : परिजन और ग्रामीणों ने गाड़ी का पीछा कर वन विभाग के चेक पोस्ट पर चालक को पकड़ लिया। चालक ने दावा किया कि बच्चा अचानक गाड़ी के सामने आ गया था और उसने उसे बचाने की पूरी कोशिश की, इसलिए वह भागा। भगवानपुर थाना प्रभारी चंद्रशेखर शर्मा ने बताया कि पुलिस ने वाहन को बरामद कर चालक को हिरासत में लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। घायल बच्चे के इलाज के साथ-साथ चालक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।

वैशाली में बस ऑटो की टक्कर, 3 की मौत, 10 से ज्यादा घायल

हाजीपुर (वैशाली), एजेंसी। वैशाली में बस ने एक ऑटो को जोरदार टक्कर मारी, जिससे 3 लोगों की मौत हो गई। 10 लोग घायल हैं। घायलों की हालत नाजुक है। हादसा मंगलवार सुबह करीब साढ़े 8 बजे जिले के हाजीपुर-लालगंज रोड पर कंचनपुर धनुषी के पास हुआ। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ऑटो के परखच्चे उड़ गए। ऊपरी हिस्सा पूरी तरह से उड़ गया। बस भी क्षतिग्रस्त हुई है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल भेजा।

ऑटो हाजीपुर से लालगंज की ओर जा रहा था, जबकि बस लालगंज से हाजीपुर की तरफ आ रही थी। पुलिस फिलहाल मृतक और घायलों की पहचान करने में जुटी है। टक्कर के बाद ऑटो पर बैठे लोग सड़क पर इधर-उधर फेंका गए। सभी लोगों को चोट आई है। कुछ की हालत गंभीर है।

बस 70 की स्पीड में थी, ऑटो 60 की : जिस सड़क पर ये हादसा हुआ है ये वन-वे थी। बस और ऑटो दोनों की स्पीड ज्यादा थी। दोनों गाड़ियां आमने-सामने से आ रही थीं। ऑटो में 12 से 13 यात्री सवार थे। यात्री बस की स्पीड 70 किलोमीटर प्रति घंटा बताई जा रही है। ऑटो भी 60 की स्पीड में था। हादसे के बाद सभी लोग ऑटो से नीचे फेंका गए। 1 की गिरते ही मौत हो

गई। 2 ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। बाकी यात्रियों को गंभीर चोट आई है। चश्मदीद के अनुसार, बस वाले की लापरवाही से ये हादसा हुआ है। ऑटो के परखच्चे उड़ गए।

भीड़ ने यात्री बस में की तोड़फोड़ : हादसा जिस बस से हुआ उसमें भी यात्री सवार थे। टक्कर के बाद ड्राइवर ने बस रोक दी और मौके से भाग निकला। नाराज लोगों ने बस में तोड़फोड़ शुरू कर दी। इस दौरान बस में सवार यात्रियों ने भागकर अपनी जान बचाई।

बस में मौजूद एक यात्री ने बताया कि, 'हमें पता ही नहीं चला हादसा कैसे हो गया। अचानक से तेज आवाज आई। पूरी बस हिल गई। सामने देखा तो बस ने ऑटो को टक्कर मारी थ। लोग सड़क पर पड़े थे। एकदम से भीड़ बस पर टूट पड़ी। तोड़फोड़ शुरू हो गई। हम लोग किसी तरह से जान बचाकर भागे।'

सभी के परिवारों को जानकारी दी जा रही है : मृतकों की पहचान काजीपुर थाना क्षेत्र के श्यामचक निवासी मोहम्मद दिलशेर और रहीमपुर गांव निवासी शंभू साह के बेटे राजीव कुमार और 25 साल के राजगीर कुमार के रूप में हुई है। करतांहा थाना अध्यक्ष कुणाल आजाद ने तीन मौत की पुष्टि की थी। दो घायलों की पहचान लालगंज सिरहन निवासी रंजन कुमार और लालगंज पोजिया निवासी सन्नी कुमार के रूप में हुई है।

कैमूर में भीषण सड़क हादसा, अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार एक की मौत

कैमूर, एजेंसी। कैमूर जिले के रामगढ़-मोहनिया पथ स्थित भिरखीरा मोड़ के पास शुक्रवार को अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो की हालत नाजुक बनी हुई है।

मृतक की पहचान बक्सर जिले के चौसा थाना क्षेत्र के सरेजा गांव निवासी स्वर्गीय प्रद्युम्न जायसवाल के पुत्र शशिकांत जायसवाल के रूप में हुई है। जबकि घायलों में चैनपुर थाना क्षेत्र के भखारी देवी गांव निवासी खुशबू जायसवाल और दीवान जायसवाल शामिल हैं।

सूचना मिलते ही रामगढ़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को आनन-फानन में रामगढ़ रेफरल अस्पताल भेजा, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए दोनों गंभीर घायलों को वाराणसी ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि बाइक पर तीन लोग सवार थे। तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की चपेट में आने से हादसा हुआ। एक की मौत हो चुकी है और दो गंभीर रूप से घायल हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए भभुआ सदर अस्पताल भेज दिया गया है।

वहीं सूचना मिलते ही अस्पताल पहुंचे परिजनों ने बताया कि तीनों किसी काम से घर से निकले थे, तभी यह दर्दनाक घटना हो गई। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है।

घर में घुसकर नाबालिग लड़की से रेप:रोहतास में ग्रामीणों ने आरोपी को पकड़ा, पुलिस ने लिया हिरासत में

रोहतास, एजेंसी। रोहतास के कोचस थाना क्षेत्र के एक गांव में रविवार देर रात एक नाबालिग युवती से रेप का मामला सामने आया है। इस मामले में आरोपी युवक भी नाबालिग है, जिसे पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है, क्योंकि पीड़िता के बयान बार-बार बदल रहे हैं।

पीड़िता के पिता ने बताया कि रविवार रात उनकी बेटी घर में अकेली थी। इसी का फायदा उठाकर एक युवक जबरन घर में घुस आया और रेप किया। बेटी के शोर मचाने पर लोगों को घटना का पता चला। मौके पर पहुंचे लोगों ने आरोपी युवक को पकड़कर स्थानीय थाने को इसकी सूचना दी। घटना के संदर्भ में एसडीपीओ टू कुमार वैभव ने बताया कि कोचस थाना क्षेत्र में हुई इस घटना को लेकर आवेदन प्राप्त हुआ था। पुलिस ने आवेदन के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक को हिरासत में लिया है। उन्होंने बताया कि पीड़िता और आरोपी दोनों नाबालिग हैं। दोनों को पुलिस अभिरक्षा में मेडिकल जांच के लिए सासाराम सदर अस्पताल भेजा गया है। एसडीपीओ ने बताया कि मेडिकल रिपोर्ट और प्राथमिक जांच के बाद नाबालिग आरोपी को सुधार गृह भेजा जाएगा।सदर अस्पताल के चिकित्सक डॉ. बी.के. पुष्कर ने बताया कि कोचस थाने की पुलिस एक लगभग 14 वर्षीय लड़की को यौन शोषण मामले की जांच के लिए अस्पताल लाई थी।

मुंगेर में नकली सिगरेट फैक्ट्री का भंडाफोड़: 50 लाख के सिगरेट-मशीन जब्त

मुंगेर, एजेंसी। मुंगेर शहर के बीच पांच वर्षों से अधिक समय से एक नकली सिगरेट फैक्ट्री का संचालन हो रहा था। पुलिस और आईटीसी कंपनी की संयुक्त छापेमारी में इस फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया गया, जहां से 50 लाख रुपए से अधिक के नकली सिगरेट और मशीनें जब्त की गईं। यह फैक्ट्री गोल्ड फ्लेक, फ्लेक, कैपिस्टन और विल्स जैसी बड़ी कंपनियों के नाम पर नकली सिगरेट बना रही थी। सिगरेट बनाने के बाद उनकी हूबहू पैकिंग की जाती थी और फिर ट्रेन सहित अन्य माध्यमों से बिहार और उत्तर प्रदेश के कई शहरों और ग्रामीण इलाकों में इनकी धड़ल्ले से सप्लाई की जाती थी।

घर में चला रहा था मिनी फैक्ट्री

आईटीसी कंपनी के अधिकारियों को जब इस अवैध धंधे की भनक लगी, तो उन्होंने इसकी खोजबीन शुरू की। जांच में पता चला कि मुंगेर जिले के पूरबसराय थाना क्षेत्र के काली ताजिया, वार्ड संख्या

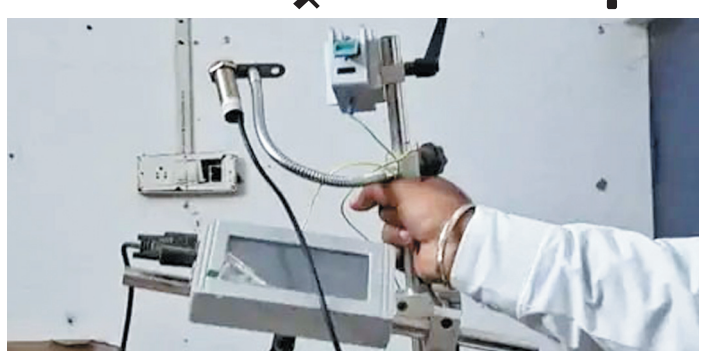

24 निवासी पिंकू खां अपने घर में यह मिनी फैक्ट्री चला रहा था। यहां एक ही ब्रांड की चार अलग-अलग सिगरेट बनाई जा रही थीं। कंपनी के अधिकारियों ने मुंगेर एसपी सैयद इमरान मसूद को इसकी जानकारी दी। एसपी के निर्देश पर सदर एसडीपीओ अभिषेक आनंद, प्रशिक्षु डीएसपी अभिषेक चौबे, मिथलेश तिवारी, पूरबसराय थानाध्यक्ष सौरभ कुमार, महिला थानाध्यक्ष कृति कुमारी, कोतवाली थानाध्यक्ष राजीव तिवारी, जिला आसूचना इकाई की टीम और सशस्त्र बल ने छापेमारी की।

सिगरेट प्रोडक्शन की सामग्री बरामद: मौके से भारी मात्रा में विभिन्न ब्रांड की सिगरेट, रोलर मशीन, प्रिंटर, पंचिंग मशीन, सिगरेट के नाम लिखे रैपर और उपयोग की गई सिगरेट के विभिन्न ब्रांड के खाली डिब्बे बरामद किए गए। आईटीसी कंपनी के लीगल मैनेजर शिवा ने बताया कि वे छह महीने से लगातार नकली सिगरेट बनाने वालों की जांच कर रहे थे।

शहर और ग्रामीण इलाकों से सिगरेट के सैंपल इकट्ठा कर लैब में जांच की गई, जिससे पता चला कि बिहार सहित उत्तर प्रदेश के कई जिलों और गांवों की दुकानों में नकली सिगरेट बेची जा रही थी। इसके बाद जानकारी हुई कि मुंगेर शहर में पिंकू खां अपने घर में नकली सिगरेट की मिनी फैक्ट्री खोल रखी है।

इसकी जानकारी मुंगेर के डीआईजी और एसपी को दी। सोमवार को पिंकू खां के घर में छापेमारी की गई ,लेकिन छापेमारी की जानकारी पप्पू खां को मिली तो वो सारे नकली सिगरेट सहित अन्य समान को पड़ोस के एक घर में शिफ्ट कर दिया।

पुलिस के पहुंचने से पहले पिंकू खां फरार : वहीं जब हमलोग छापेमारी के लिए पहुंचे तो पिंकू खां फरार हो गया था। उसकी पत्नी से जब पुलिस द्वारा कड़ी पूछताछ की गई तो उसने नकली सिगरेट के बारे में जानकारी दी कि सिगरेट को कहा छुपाई गई है। इसके बाद पड़ोस के घर में छापेमारी की गई। जहां से भारी मात्रा में नकली सिगरेट सहित अन्य समान और उपकरण बरामद किए गए। लीगल मैनेजर ने बताया कि 40 से 50 लाख रुपए की नकली सिगरेट की बरामदगी की गई है, उन्होंने कहा धंधेबाजों दुकानदारों को एक सिगरेट की पैकेट 30 -35 रुपए में देता था और दुकानदार प्रति सिगरेट दस रुपए में बेचते थे।

नकली सिगरेट बनाने के उपकरण मिले : सदर एसडीपीओ अभिषेक आनंद ने बताया कि सूचना मिली की पूरब सराय थाना क्षेत्र के काली ताजिया मोहल्ले में नकली सिगरेट बनाने का कार्य बड़े पैमाने पर चल रहा है। एसपी के निर्देश के बाद एक पुलिस टीम का गठन किया गया,जिसमे कई प्रशिक्षु डीएसपी थानध्यक्ष और पुलिस जवान को शामिल किया गया और छापेमारी की गयी।

संक्षिप्त समाचार

दबंगों ने किया फौजी की जमीन पर कब्जा

हलोर। ठाकुरपुर मजरे भटसरा निवासी मुर्तजा अली भारतीय सेना के नायब सूबेदार हैं। महाराजगंज तहसील दिवस के दौरान उन्होंने पैतृक भूमि पर भू माफिया की ओर से अवैध कब्जा कर निर्माण कराने की शिकायत की। इस मामले में नायब सूबेदार के भाई असगर अली ने सोशल मीडिया के माध्यम से प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री से न्याय की अपील की है। उच्च स्तर तक शिकायत पहुंचने के बाद रायबरेली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शिवगढ़ थाना प्रभारी को जांच के आदेश दिए हैं। उप जिलाधिकारी गौतम सिंह ने बताया कि शिकायत मिली है, राजस्व टीम को कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

'उदय' से बिजली कंपनियों की हालत सुधरी

लखनऊ। आईआईएम लखनऊ के एक ताजा अध्ययन में सामने आया है कि केंद्र सरकार की उज्ज्वल डिस्कॉम एश्योरेंस योजना (उदय) ने देश की बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) की आर्थिक स्थिति को काफी हद तक बेहतर बनाया है। यह योजना उन कंपनियों के कर्ज का बड़ा हिस्सा राज्य सरकारों को सौंपकर और राज्य समर्थित बॉन्ड जारी करके उनके वित्तीय बोझ को कम करने पर आधारित थी। यह अध्ययन एनर्जी पॉलिसी जर्नल में प्रकाशित हुआ है और इसे आईआईएम लखनऊ के प्रो. डी. त्रिपाठी राव, प्रो. हिमाद्री शेखर चक्रवर्ती और रिसर्च स्कॉलर प्रतीक बिस्वास ने मिलकर तैयार किया है। टीम ने एक विशेष मॉडल की मदद से योजना लागू होने से पहले और बाद के नतीजों की तुलना की। अध्ययन में यह भी सामने आया है कि पुरानी और बड़ी बिजली कंपनियों को इस योजना से ज्यादा फायदा हुआ। उदय के बाद डिस्कॉम का कुल कर्ज कम हुआ, मुनाफा बढ़ा और कैश फ्लो स्थिर हुआ। इससे कंपनियों को रोजमर्रा के खर्च संभालने और महंगे कर्ज पर निर्भरता घटाने में मदद मिली। प्रो. राव ने कहा कि उदय योजना ने कंपनियों को कर्ज के चक्र से बाहर निकलने में मदद की है लेकिन दीर्घकालिक सुधार के लिए बिजली ढांचे का आधुनिकीकरण, डिजिटल ग्रिड, नवीकरणीय ऊर्जा और मजबूत निगरानी बेहद जरूरी है। यह अध्ययन पावर सेक्टर में सुधारों पर चल रही राष्ट्रीय चर्चा में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

कटरा-बिल्हौर हाईवे पर हादसा, अज्ञात वाहन ने बाइक को मारी टक्कर

कानपुर , एजेंसी। हरदोई जिले के मल्लावां कोतवाली क्षेत्र में काम कर घर वापस जा रहे बाइक सवार को किसी वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों ने उसे सीएचसी पर भर्ती कराया, जहां पर चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए हरदोई भेजा है। कोतवाली क्षेत्र के गांव भड़वल सलेमपुर निवासी कृष्णपाल सिंह उर्फ राजू (28) पुत्र अर्जुन सिंह कस्बे की एक निजी पैथोलॉजी पर काम करता था। सोमवार की रात करीब आठ बजे वह बाइक से घर वापस जा रहा था। कटरा-बिल्हौर हाइवे पर स्थित गौरी चौराहे से कुछ दूरी पर उसकी बाइक मे अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों ने घटना की सूचना पर पहुंची एम्बुलेंस ने उसे सीएचसी पहुंचाया। यहां पर चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर मिलते ही परिजनों मे कोहराम मच गया। मृतक की पांच वर्ष पूर्व शादी हुई थी और उसकी तीन साल की एक बेटी है। मृतक की पत्नी प्रीती कटियार समेत परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। कोतवाल शिवाकांत पाण्डेय ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

उधार दी रकम वापस मांगने पर जानलेवा हमला

लखनऊ , एजेंसी। दुबग्गा में उधार दी रकम वापस मांगने पर दबंग ने बेगरिया के अनीस पर जानलेवा हमला कर दिया। उनकी बेटी मुस्कान की तहरीर पर पुलिस ने हत्या के प्रयास की धारा में एफआईआर की है। मुस्कान के अनुसार कुछ समय पहले पिता ने छंदोइया खेरवा निवासी आहिद को दस हजार रुपये उधार दिए थे। उसने जल्द रकम लौटाने की बात कही थी, लेकिन बाद में मुकर गया। दबाव बनाने पर पांच दिसंबर को आहिद ने अनीस को छंदोइया कब्रिस्तान के पास बुलाया। इसके बाद वह उन्हें बातों में उलझाकर पुराने खंडहर ले गया और रॉड से हमला कर दिया। अनीस बेहोश हो गए, फिर भी वह हमला करता रहा। अनीस को मरा समझकर भाग निकला। अनीस रातभर वहीं पड़े रहे।मुस्कान ने बताया कि छह की सुबह पड़ोसी तौसीफ ने उनके भाई सुहेल को जानकारी दी। सुहेल व घरवाले मौके पर पहुंचे और पिता को अस्पताल में भर्ती कराया। उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। इंस्पेक्टर अभिनव वर्मा के मुताबिक दो टीमें टीम आरोपी के घर में दबिश दे रही हैं।

रक्त से होगी कैंसर की पहचान छह घंटे में मिलेगा परिणाम

आईवीआरआई के वैज्ञानिकों ने बनाई किट

बरेली, एजेंसी। बरेली के इज्जतनगर स्थित भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) के वैज्ञानिकों ने रक्त के नमूने से कैंसर की पहचान के लिए मल्टीपल एलाइजा किट विकसित की है। श्वानों पर इसका परीक्षण सफल रहा। यह किट शुरुआती स्टेज में ही कैंसर की पहचान करने में सक्षम है। यह छह घंटे में परिणाम देती है। वैज्ञानिकों ने वरिष्ठ कैंसर विशेषज्ञ डॉ. आरके चितलांगिया के सहयोग से मानव रक्त के सौ नमूनों का भी इस किट से परीक्षण किया। परिणाम सकारात्मक रहे। डॉ. चितलांगिया ने शोध का दायरा बढ़ाते हुए डेढ़ से दो हजार लोगों के सैंपल की जांच का सुझाव दिया है।

आईवीआरआई के इम्युनोलॉजी विभाग की प्रधान वैज्ञानिक डॉ. सोनल, डॉ. समीर श्रीवास्तव और उनकी टीम ने सात वर्ष तक चले शोध के बाद किट विकसित करने में सफलता पाई। डॉ. सोनल के मुताबिक, कैंसर से मृत्यु दर कम करने के लिए समय पर इसकी पहचान और निदान बेहद जरूरी है। इसी दिशा में सात वर्ष पूर्व शोध शुरू किया गया था।

डॉ. सोनल ने बताया कि विकसित मल्टीपल एंटीजन एलाइजा किट श्वानों में कैंसर की पहचान में सक्षम है। यह किट कैंसर संबंधी कई बायोमार्कर को एक साथ पहचानने के लिए डिजाइन की गई है। यह रक्त के नमूने की जांच से ही कैंसर की शुरुआत की आशंका दर्शाती है।

जितनी जल्दी होगी पहचान, इलाज भी होगा प्रभावी

विकसित किट का इस्तेमाल रूटीन स्क्रीनिंग में भी कर सकते हैं। जितनी जल्दी कैंसर की पहचान होगी, इलाज उतना ही प्रभावी होगा। डॉ. सोनल के मुताबिक, प्रयोगशाला में कैंसर वैक्सीन और टारगेटेड थेरेपी के विकास पर भी शोध चल रहा है। कैनाइन मैमरी कैंसर की कई सेल लाइनों के विकास में भी सफलता हासिल की है। ये भविष्य में इलाज और अनुसंधान में अहम साबित होंगी।

प्रदूषण, कीटनाशक से श्वानों में कैंसर की आशंका

डॉ. सोनल के मुताबिक, हाल के वर्षों में कुत्तों में कैंसर तेजी से बढ़ा है। लंबे समय तक प्रदूषण और हानिकारक रसायनों के संपर्क में रहने, उम्र बढ़ने पर प्रतिरोधक क्षमता कम होने, मिलावटी और असंतुलित आहार के सेवन और अनुवांशिक परिवर्तन इसकी अहम वजहें हैं।

प्रधानाचार्य से नाराज बच्चे सड़क पर उतरे

लखनऊ , एजेंसी। बख्शी का तालाब। राजकीय इंटर कॉलेज सैरपुर की प्रधानाचार्य पर बच्चे की पिटाई का आरोप लगाकर सोमवार को 150 स्कूली बच्चों ने रैथा अंडर पास के नजदीक आउटर रिंग रोड पर प्रदर्शन किया। कार्रवाई की मांग पर अड़े बच्चे बीडीओ पूजा पांडेय को ज्ञापन देने के बाद स्कूल लौटे। बच्चों का आरोप है कि पार्किंग न होने पर बच्चे कहीं भी साइकिल खड़ी कर देते हैं तो प्रधानाचार्या उन्हें प्रताड़ित करती हैं। सोमवार को इसी बात पर छठवीं के बच्चे को थप्पड़ मार दिया। इसके अलावा बच्चों से धूप में झाड़ू लगवाई जाती है। प्रधानाचार्य शीला चौहान ने बताया कि जुलाई 2025 में उन्होंने जॉइन किया है। इस दौरान 100 बच्चों के दाखिले हुए हैं। इंटर कॉलेज एक शिक्षा का मंदिर है, उसकी तरक्की कुछ लोगों को पच नहीं रही है।

नीले ड्रम वाली मुस्कान का खौफ: पति बोला- विधवा मां का अकेला सहारा हूं, जोखिम नहीं लूंगा, पत्नी प्रेमी संग भेजी

मेरठ , एजेंसी। मेरठ के सरूरपुर क्षेत्र में पति, पत्नी और प्रेमी की त्रिकोणीय कहानी उस समय ट्विस्ट आया, जब पति ने अपनी पत्नी को उसके प्रेमी के साथ पकड़ लिया और फिर उसे कमरे में बंद कर पुलिस को बुला लिया। लेकिन असली मोड़ तब आया, जब थाने में पत्नी प्रेमी के साथ जाने पर अड़ गई और पति ने भी उसे रोकने से इनकार कर दिया। युवक का कहना था कि वह अपनी विधवा मां का इकलौता सहारा है और उसे डर है कि कहीं उसकी पत्नी भी नीले ड्रम वाली मुस्कान की तरह प्रेमी के साथ मिलकर उसकी हत्या न कर दे। मुस्कान कांड का खौफ इतना गहरा था कि आखिरकार महिला को उसके प्रेमी के साथ भेज दिया गया।

जानकारी के मुताबिक, सरूरपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में महिला से मिलने के लिए उसका प्रेमी आया, प्रेमी को पति ने कमरे में बंद कर दिया और पुलिस बुला ली। थाने में चले ड्रामे के बीच जब पत्नी प्रेमी के संग जाने की जिद पर अड़ी रही तो उसके पति ने भी अपनी जान का खतरा जताते हुए उसे प्रेमी के साथ जाने के लिए कह दिया। पति बोला कि उसके पिता नहीं है, उसे डर है कि कहीं उसकी पत्नी नीले ड्रम वाली मुस्कान की तरह ही कहीं उसकी हत्या न कर दे। इसके बाद समाज के लोगों ने महिला को उसके प्रेमी के साथ भेज दिया।

मुजफ्फरनगर के एक गांव निवासी युवती की शादी तीन साल पहले सरूरपुर थाना क्षेत्र के एक निवासी युवक के साथ हुई थी। शादी के कुछ दिन बाद ही महिला का गांव निवासी युवक के साथ प्रेम प्रसंग हो गया। अक्सर महिला रात के समय अपने प्रेम को मिलने के लिए बुलाया करती थी। रविवार रात महिला ने अपने प्रेमी को मिलने के लिए अपने घर पर बुलाया। इसी बीच उसके पति को किसी के घर में घुसने की भनक लग गई। महिला के पति ने युवक को एक कमरे में बंद कर पुलिस को सूचना दे दी। मौके पर पहुंची पुलिस महिला और उसके प्रेमी को थाने ले गई। महिला के पति ने कॉल कर पत्नी के मायके पक्ष के लोगों को भी थाने पर ही बुला लिया।

इस दौरान तीनों पक्षों के लोगों की थाने पर भीड़ जमा हो गई। महिला की करतूत सुनकर उसके मायके पक्ष के लोगों ने भी साथ छोड़ दिया। जबकि महिला के पति ने बताया कि उसके पिता नहीं हैं। वह अपनी विधवा मां का इकलौता सहारा है। उसे डर है कि जिस तरह से मेरठ में नीले ड्रम वाली मुस्कान ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी थी कहीं उसकी पत्नी भी अपने प्रेमी के साथ मिलकर उसकी हत्या न कर दे। इसके चलते उसने भी महिला को अपने साथ ले जाने से इन्कार कर दिया।

घंटों चले ड्रामे के बीच महिला प्रेमी के साथ जाने की जिद पर अड़ी रही। इसके बाद समाज के लोगों ने मजबूरन महिला को उसके प्रेमी के साथ जाने का फैसला किया। दोनों पक्षों ने रजामंदी के बाद पुलिस कार्रवाई से इन्कार कर दिया।

सीओ सरधना आशुतोष कुमार का कहना है कि मामले की जानकारी की जा रही है। जानकारी कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।मेरठ में प्रेमी संग मिलकर मुस्कान ने की थी पति की हत्या

लंदन के एक मॉल में काम करने वाला सौरभ राजपूत पूर्व में नेवी मर्चेंट में काम करता था।

सिंगापुर के बाद जापान से निवेश पर फोकस, यमुना एक्सप्रेसवे किनारे 500 एकड़ में बसेगी 'जापानी सिटी'

लखनऊ , एजेंसी। जापानी निवेश को उत्तर प्रदेश की ओर आकर्षित करने के प्रयासों को और गति देते हुए इन्वेस्ट यूपी ने जापान में भारतीय दूतावास के साथ अपने समन्वय को मजबूत किया है। इसी क्रम में इन्वेस्ट यूपी की जापान डेस्क ने अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी शशांक चौधरी के नेतृत्व में जापान स्थित भारतीय दूतावास के उप मिशन प्रमुख आर. मधु सूदन के साथ एक अहम रणनीतिक बैठक आयोजित की।

बैठक के दौरान शशांक चौधरी ने उत्तर प्रदेश को जापानी उद्योगों के लिए एक भरोसेमंद और पसंदीदा निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार जापानी निवेशकों को सुगम और अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने के लिए संस्थागत सहयोग को प्राथमिकता दे रही है।

सक्रिय सहभागिता लगातार बढ़ाई जा रही

इस दिशा में यामानाशी प्रीफेक्चरल सरकार, जापान बाह्य व्यापार संगठन, भारतङ्कजापान वाणिज्य एवं संस्कृति परिषद तथा कांसाई औषधि उद्योग संघ जैसे प्रमुख जापानी संस्थानों के साथ सक्रिय सहभागिता लगातार बढ़ाई जा रही है।

इन्वेस्ट यूपी के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने दूतावास को अवगत कराया कि उत्तर प्रदेश में मोटर वाहन और मूल उपकरण निर्माण, इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली अभिकल्प व विनिर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, सूचना प्रौद्योगिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी सेवाएं तथा औषधि उद्योग जैसे क्षेत्रों में जापानी कंपनियों की रुचि तेजी से बढ़ रही है।

'जापानी सिटी' परियोजना पर कार्य जारी

उन्होंने यह भी बताया कि यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र में प्रस्तावित 'जापानी सिटी' परियोजना पर कार्य जारी है, जिसे लगभग 500 एकड़ में एक समर्पित औद्योगिक और आवासीय केंद्र के रूप में विकसित किया जाना है।

उप मिशन प्रमुख आर. मधु सूदन ने इन्वेस्ट यूपी के प्रयासों की सराहना करते हुए निवेश प्रोत्साहन के लिए निरंतर संवाद और नियमित अनुवर्ती कार्रवाई पर जोर दिया। उन्होंने विश्वास जताया कि इन पहल से उत्तर प्रदेश में जापानी निवेश को नया बल मिलेगा और भारतङ्कजापान आर्थिक साझेदारी और सशक्त होगी।

बहन को ही कर दिया बदनाम...सौतेले भाई ने की घिनौनी हरकत, मां को भी न आई शर्म

आगरा , एजेंसी। आगरा के थाना छत्ता क्षेत्र की निवासी 24 वर्षीय युवती से रंजिश रख उसके सौतेले भाई ने फर्जी इंस्टाग्राम और फेसबुक आईडी बनाकर बदनाम करने की नीयत से आपत्तिजनक बातें लिख कर फोटो पोस्ट कर दिए। पीड़िता का नंबर भी फोटो के साथ पोस्ट कर दिया। अंजान नंबरों से लोग कॉल कर उल्टी सीधी बातें करने लगे। पोस्ट की जानकारी होने पर परेशान पीड़िता ने पुलिस से शिकायत की। आरोप लगाया कि मां की बचपन में मौत होने के बाद पिता ने दूसरी शादी कर ली और अलग रहने लगे। नानी ने उनका पालन पोषण किया। सौतेला भाई उससे रंजिश मानता है। बदनाम करने के लिए उसने यह कृत्य किया है। इंस्पेक्टर छत्ता ने बताया कि आरोपी सौतेले भाई और सौतेली मां पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

75 वर्ष बाद माघ मेले में बन रहा ऐसा संयोग, महाकुंभ जैसा पुण्य माघ में स्नान करने से होगा प्राप्त

प्रयागराज , एजेंसी। संगम की रेती पर तंबुओं के शहर में इस बार माघ मेले में ऐसा अद्भुत संयोग बन रहा है कि जो लोग महाकुंभ में नहीं आ सके। ऐसे लोग इस माघ मेले में आकर पुण्य के भागी बन सकते हैं। अमावस्या और बसंत पंचमी के दिन इस वर्ष पहली बार 75 वर्षों के बाद यानि 76 वें वर्ष में सूर्य मकर राशि में अपने ही दिन यानी प्रवेश कर रहे हैं जिससे माघ मेले में अद्भुत संयोग बना रहा है। यही वजह है कि खाक चौक के साधु संत माघ मेला को मिनी कुंभ की तर्ज पर तैयारियों में जुटे है। संतों में खासा उत्साह हैं। गुजराज, महाराष्ट्र , राजस्थान, बिहार प्रदेशों के लोगों के

साथ ही जनकपुर नेपाल सहित कई देशों से श्रद्धालु स्नान करने पहली बार आ रहे हैं।

इस बात का दावा करते हुए खाक चौक व्यवस्था समिति के प्रधानमंत्री जगदगुरू संतोष दास उर्फ सतुआ बाबा ने बताया कि माघ मेला अनादि काल से चला रहा है। उन्होंने बताया कि कुंभ, महाकुंभ और माघ मेला मुहूर्त पर लगते हैं।

माघ मास में जब सूर्य मकर राशि में प्रवेश करते हैं। तब माघ मेला लगता है। इस बार आदित्य यानी सूर्य का योग सूर्य के दिवस से ही शुरू हो रहा है जिस दिन सूर्य उत्तरायण होंगे उस दिन रविवार है यह अद्भुत संयोग 75 वर्षों बाद 76 वें वर्ष में हो रहा है। इस बार कई अलग- अलग संप्रदाय के संत भी आ रहे है। थारू, घुमंतु, वनटागियां समुदाय के लोगों के बड़ी संख्या में आने की संभावना हैं।

उन्होंने बताया कि इस संयोग में संगम की त्रिवेणी में स्नान और दान का विशेष महत्व है और इससे जनमानस का भी कल्याण होगा।

इस बार श्रद्धालुओं की संख्या लाखों में बढ़ सकती है इसलिए साधु, संतों के शिविरों में भी लोगों के रहने और भोजन की खास तैयारी की जा रही है। वहीं योगी सरकार भी महाकुंभ के बाद आयोजित होने जा रहे इस माघ मेले को मिनी कुंभ के तौर पर आयोजित करने की तैयारियों में जुटी है। सतुआ बाबा ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री दो बार माघ मेले की तैयारियों को लेकर अधिकारियों की बैठकें कर चुके हैं।

हाईकोर्ट की दो टूक: धर्मोपदेश देना और बाइबिल बांटना अपराध नहीं, राज्य सरकार से मांगा गया जवाब

लखनऊ , एजेंसी। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने अवैध धर्मांतरण के एक मामले में पुलिस की कार्रवाई पर कड़ा रुख अपनाया है। अदालत ने कहा, धर्मोपदेश देना और बाइबिल बांटना अपराध नहीं है। मामले में राज्य सरकार को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है।

न्यायमूर्ति अब्दुल मोईन और न्यायमूर्ति बबिता रानी की खंडपीठ ने यह आदेश राम केवल प्रसाद व अन्य आरोपियों की याचिका पर दिया। इसमें याचियों के खिलाफ सुल्तानपुर जिले के धम्मौर थाने में अवैध धर्मांतरण निवारण कानून 2021 समेत भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत दर्ज एफआईआर को रद्द करने का आग्रह किया गया है।

वादी मनोज कुमार सिंह की ओर से 17 अगस्त 2025 को दर्ज कराई एफआईआर में आरोप लगाया गया है कि याचियों ने प्रार्थना सभा करके दलितों, गरीबों, महिलाओं व बच्चों को बाइबिल बांटी और उनका धर्मांतरण कराने का प्रयास किया। याचियों के अधिवक्ता ने कहा

कि झूठी एफआईआर दर्ज करवाई गई है जो रद्द करने योग्य है।

इस पर सरकारी वकील ने याचिका का विरोध किया लेकिन कोर्ट में यह नहीं साबित कर पाए कि बाइबिल बांटना और धर्मोपदेश देना अपराध है। कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद सरकारी वकील को चार बिंदुओं पर जवाबी हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। कहा, इसके बाद दो सप्ताह में याची इसका प्रतिउत्तर दाखिल कर सकते हैं। कोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए मामले को छह सप्ताह बाद सूचीबद्ध करने का आदेश दिया है।

यूपी में एक और बदमाश का एनकाउंटर: 50 हजार का इनामी समयदीन मुठभेड़ में ढेर, घिरा तो पुलिस पर किए अंधाधुंध फायर

मेरठ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के शामली जिले में पुलिस ने एक इनामी बदमाश को मुठभेड़ में मार गिराया है। शामली जिले की थानाभवन और बाबरी पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। सोमवार देर रात थाना थानाभवन और थाना बाबरी पुलिस की संयुक्त टीम ने मुठभेड़ मे 50 हजार रुपये के इनामी वांछित हिस्ट्रीशीटर अपराधी समयदीन उर्फ सामा को मुठभेड़ में ढेर कर दिया।

अपराधी लंबे समय से पुलिस को चकमा देकर फरार चल रहा था। पुलिस अधीक्षक शामली एनपी सिंह ने पूरी घटना की विस्तृत जानकारी दी। एसपी ने बताया कि समयदीन, निवासी मोहल्ला रायजादगान थाना कांधला, जो कुछ समय से जनता कॉलोनी ऊरुकेरे जनपद तुमकुर (कर्नाटक) में छिपकर रह रहा था।

शामली का कुख्यात अपराधी था। उसके खिलाफ कई गंभीर आपराधिक मुकदमे दर्ज थे और वह लंबे समय से फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी पर जनपद स्तर पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस उसकी गतिविधियों पर लगातार नजर रखे हुए थी।

समयदीन ने पुलिस पर की अंधाधुंध फायरिंग : देर रात पुलिस को सूचना मिली कि समयदीन किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के इरादे से क्षेत्र में सक्रिय है। जानकारी मिलते ही थाना थानाभवन एवं थाना बाबरी पुलिस ने संयुक्त रूप से घेराबंदी शुरू की। पुलिस को देखते ही समयदीन ने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी।

घायल को अस्पताल में ले जाया गया : एसपी के अनुसार, पुलिस ने भी आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें समयदीन घायल हो गया। घायल अवस्था में उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

भारी मात्रा में हथियार बरामद : मुठभेड़ स्थल से पुलिस ने भारी मात्रा में हथियार बरामद किए। इनमें एक 9 एमएम की पिस्टल, दो खोखा कारतूस, एक पिस्टल .32 बोर, दो खोखा कारतूस, एक तमंचा 315 बोर, दो खोखा तथा चार जिंदा कारतूस शामिल हैं।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि समयदीन गैंगस्टर एक्ट सहित कई संगीन मामलों में वांछित था। पुलिस उसकी आपराधिक कुंडली खंगालने में जुटी है ताकि उसके नेटवर्क और संभावित सहयोगियों का पता लगाया जा सके। एसपी ने कहा कि जनपद में कानून-व्यवस्था को चुनौती देने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने पुलिस टीम की तत्परता और बहादुरी की सराहना करते हुए टीम को पुरस्कृत किए जाने की घोषणा की।उन्होंने कहा कि मुठभेड़ पूरी तरह नियमों और आत्मरक्षा के तहत की गई। पुलिस का दावा है कि आगे भी ऐसे अपराधियों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा, जिससे जनपद में शांति और कानून-व्यवस्था कायम रह सके।

संक्षिप्त समाचार

अधिक उम्र वाले बच्चे के एडमिशन के लिए विशेषज्ञों ने बताए जरूरी टिप्स

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में 1700 से अधिक निजी स्कूलों में शैक्षणिक सत्र 2026-2027 के तहत नर्सरी, केजी व पहली कक्षा में दाखिले की दौड़ जारी है। अभिभावक बच्चों के लिए आवेदन करने में जुटे हैं। कुछ अभिभावक बच्चे की उम्र अधिक होने के चलते नर्सरी कक्षा में दाखिला के लिए आवेदन नहीं कर पा रहे हैं। खासकर एनसीआर के अभिभावक इसे लेकर पसोपेश में हैं। अभिभावकों का कहना है कि उम्र सीमा हर वर्ष एक बड़ा मुद्दा रहा है। ऐसे में नर्सरी कक्षा दाखिला विशेषज्ञों ने बताया कि अभिभावकों को परेशान होने की जरूरत नहीं है। विशेषज्ञों ने सलाह दी है कि अभिभावक आवेदन करने से पहले स्कूल से घर की दूरी को प्राथमिकता दें, क्योंकि यह कई स्कूलों में अहम अंक दिलाता है। एनसीआर में रहने वाले परिवार चाहें तो वहां के स्कूलों में भी आवेदन कर सकते हैं। इससे बच्चे का एक वर्ष खराब होने से बच सकता है। विशेषज्ञ बताते हैं कि जरूरत पड़ने पर अभिभावक स्कूल के प्रधानाचार्य से विशेष अनुरोध भी कर सकते हैं, जहां उम्र सीमा में मामूली छूट की संभावना रहती है। इसके अलावा कई स्कूलों ने अब तक दाखिला मापदंड जारी नहीं किए हैं। इससे कई जिलों के अभिभावकों को अभी और इंतजार करना पड़ रहा है। शिक्षा निदेशालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार राजधानी के कुल 1756 निजी मान्यता प्राप्त स्कूलों में से 1537 स्कूलों ने अपने-दाखिला मापदंड अपलोड किए हैं, जबकि 219 स्कूलों ने अभी तक मापदंड जारी नहीं किए हैं। शिक्षा विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जो स्कूल समय पर अपने मापदंड अपलोड नहीं कर रहे हैं, उन पर विभाग की नजर है। अगर इसी तरह देरी होती रही तो स्कूलों पर कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली की सड़कों पर बस संकट, 550 सीएनजी बसें हटीं

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली की सड़कों पर बसों की संख्या लगातार कम हो रही है। सीएनजी की करीब 550 बसें आयु पूरी होने की वजह से नवंबर में सड़कों से हट गई हैं। ऐसे में यात्रियों को बस स्टॉप पर घंटों तक बसों का इंतजार करना पड़ रहा है। नौकरीपेशा लोगों के साथ-साथ स्कूल जाने वाले छात्र-छात्राओं को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। डीटीसी के बेड़े से पुरानी सीएनजी से संचालित वाहनों को हटाया जा रहा है। अप्रैल से लेकर नवंबर तक करीब 1200 से ज्यादा बसें सड़कों से हट चुकी हैं। इनके स्थान पर नई बसें लाई जा रही हैं, लेकिन इनकी संख्या बेहद कम है। ऐसे में बसों की जरूरत और उपलब्धता का संतुलन बिगड़ गया है। जिन इलाकों में 10 मिनट के अंतराल पर यात्रियों को बसें उपलब्ध हो जाती थीं, अब इंतजार की अवधि 35 से 40 मिनट तक बढ़ गई है। सुबह-शाम बसों की संख्या तो बढ़ाई जा रही है, लेकिन यात्रियों की संख्या के अनुपात में यह बहुत कम है। ऐसे में स्टॉप पर बसों के पहुंचते ही उनमें सवार होने के लिए यात्रियों में मारामारी मचनी शुरू हो जाती है। कई बार सभी यात्री बस में चढ़ भी नहीं पाते हैं। स्कूली छात्र रोशन ने बताया कि दोपहर में बसों की संख्या और भी कम हो जाती है, उन्हें बस के लिए रोजाना 35 से 40 मिनट इंतजार करना पड़ रहा है। डीटीसी में अब सीएनजी से संचालित बसों की संख्या 150 बाकी बची है। डीटीसी के अधिकारी ने बताया कि इन बसों की आयु भी एक महीने में पूरी हो जाएगी। यानी नए साल के पहले ही महीने में डीटीसी के बेड़े से सीएनजी की सभी बसें बाहर हो जाएंगी। इसकी वजह से असंतुलन और बढ़ जाएगा।

दिल्ली एयरपोर्ट पर 10.5 करोड़ का गांजा पकड़ा, बैंकॉक से आया शातिर तस्कर गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने ऐसा तगड़ा वार किया कि ड्रग तस्करों की नींद उड़ गई। बैंकॉक से आया एक यात्री 13 किलो से ज्यादा गांजा लेकर उतरा था, जिसकी कीमत पूरे 10.5 करोड़ रुपये थी। लेकिन कस्टम वालों की पैनी नजर के आगे उसकी सारी चालाकी फेल हो गई।

कस्टम अधिकारियों को हुआ शक

शनिवार तड़के एयर इंडिया की फ्लाइट ृढ्ढ-2303 से उतरा यह शख्स जैसे ही कस्टम काउंटर पर पहुंचा, उसकी हरकतें कुछ ठीक नहीं लगीं। आंखें झुकाए, स्क्रीनिंग से बचने की कोशिश, घबराहट साफ दिख रही थी। बस, फिर क्या था कस्टम अधिकारियों ने उसे अलग लिया और सामान की तलाशी शुरू कर दी।

तलाशी लेते ही अफसर हैरान रह गए। यात्री के बैग में 13 अजीबोगरीब पाउच मिले, एक तरफ काले, दूसरी तरफ पारदर्शी। अंदर भरा हुआ था शुद्ध गांजा। गांजा का कुल वजन 13 किलो 128 ग्राम था। लैब टेस्ट में कन्फर्म हो गया कि ये कोई मामूली माल नहीं, हाई क्वालिटी वाला गांजा था, जिसकी कीमत करीब 10.5 करोड़ रुपये आंकी गई। मौके पर ही यात्री को एनडीपीएस एक्ट की धारा 43(बी) के तहत गिरफ्तार कर लिया गया। पूरा माल और पैकिंग सामग्री भी जब्त कर ली गई। अब पूछताछ में ये पता लगाने की कोशिश हो रही है कि ये शख्स अकेला खेल रहा था या इसके पीछे कोई बड़ा इंटरनेशनल ड्रग कार्टेल है।

14 दिन बाद सुलझी गुत्थी, दिल्ली हिट एंड रन मामले का आरोपी पकड़ाया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने आरके पुरम में हुए हिट एंड रन मामले को सुलझा लिया है। पुलिस को इसे सुलझाने के लिए 14 दिन लगे,जिसमें पांच महिलाएं घायल हो गई थीं। इनमें से दो को आईसीयू में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपी ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है। हादसे के वक्त इस्तेमाल वाहन सुजुकी ग्रैंड विटारा को ओखला, दिल्ली में एक सर्विस सेंटर से जब्त किया गया है। इस हादसे में कार भी क्षतिग्रस्त हो गई थी, लेकिन आरोपी ने गिरफ्तारी से बचने के लिए कार को रिम पर ही 10 किलोमीटर से अधिक दूरी तक चलाया था।

दिल्ली में विभिन्न स्थानों पर 600 से अधिक सीसीटीवी कैमरों का विश्लेषण किया गया जिसके बाद इस केस से जुड़ी सारी जांच पूरी हो गई। गिरफ्तार आरोपी चाणक्य सांखला (उम्र 30 वर्ष, निवासी साकेत, दिल्ली) की निशानदेही पर इस्तेमाल की गई मारुति ग्रैंड विटारा कार को भी ओखला स्थित एक सर्विस सेंटर से जब्त कर लिया गया है, जहां उसे क्षतिग्रस्त हालत में छोड़ दिया गया था।

घटना 23 नवबंर को लगभग 04:52 बजे की बताईग है। होटल हयात रीजेंसी, भीकाजी कामा प्लेस, दिल्ली के सामने हनुमान मंदिर के पास एक अज्ञात वाहन से दुर्घटना होने के संबंध में पीसीआर कॉल प्राप्त हुई थी। इमरजेंसी ऑफिसर/एसआई कैलाश बीट स्टाफ के साथ तुरंत घटना स्थल पर पहुंचे और वहां एक बुरी तरह से क्षतिग्रस्त मारुति ईको कार मिली। पीसीआर वैन की ओरसे घायलों को सफदरजंग अस्पताल, दिल्ली ले जाया गया। मारुति ईको कार के ड्राइवर, वी.के. मेहता (निवासी राजा विहार, समयपुर बादली, रोहिणी, दिल्ली) के बयान पर, थाना आर.के. पुरम, दिल्ली में एफआईआर संख्या 405/25 धारा 281 और 125 बीएनएस के तहत एक मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई।

आज भी जहरीली हवा

18 इलाकों में एक्यूआई बहुत खराब

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की हवा में कल हल्का सुधार दर्ज किया गया। बुधवार सुबह 9 बजे राजधानी का औसत एयर क्वालिटी इंडेक्स 291 रहा। यह हालांकि खराब श्रेणी में है, लेकिन सोमवार के 318 एक्यूआई से थोड़ा बेहतर है। यानी शहर की हवा एक दिन पहले की तुलना में कुछ बेहतर हुई है, लेकिन हालत अभी भी चिंताजनक बने हुए हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, दिल्ली के कुल 38 मॉनिटरिंग स्टेशनों में से 18 पर एक्यूआई बहुत खराब (300 एक्यूआई से अधिक) जबकि 20 स्टेशनों पर खराब (200 से 300 एक्यूआई के बीच) रिकॉर्ड किया गया। इसका मतलब है कि राजधानी के बड़े हिस्से में हवा सांस लेने लायक नहीं है और संवेदनशील लोगों के लिए जोखिम और बढ़ गया है। दिल्ली के कई प्रमुख इलाकों में मंगलवार सुबह हवा की गुणवत्ता बिगड़ी हुई दिखी। इंडिया गेटक्कर्तव्य पथ पर एक्यूआई 265, आइटीओ में 294, अलीपुर में 282, आया नगर में 253 और बुराड़ी में 291 दर्ज किया गया। ये इलाके आज सुबह मानक के अनुसार खराब श्रेणी में दर्ज किए गए।

वहीं दिल्ली के कई इलाकों में स्थिति और ज्यादा बिगड़ी रही, जहां एक्यूआई लगातार बहुत खराब श्रेणी में बना हुआ है। अक्षरधाम, गाजीपुर और आनंद विहार में एक्यूआई 319, चांदनी चौक में 333, बवाना में 342, जबकि द्वारका में 314 और अशोक विहार में 305 रिकॉर्ड किया गया।

मौसम की बात करें तो दिल्ली में मंगलवार का न्यूनतम तापमान 9.2एष्ट दर्ज हुआ, जो सामान्य से 0.4 डिग्री कम है। सुबह ह्यूमिडिटी 100 प्रतिशत पहुंचा, जिसके कारण कुछ इलाकों में हल्का कोहरा छाया रहा। मौसम विभाग ने दिन भर के लिए कोहरे की संभावना जताई है।

गोवा जैसे हादसे का इंतजार!

सिर्फ 90 होटलों के पास है फायर सेफ्टी एनओसी

नई दिल्ली, एजेंसी। गोवा के अपरोरा नाइट क्लब में जो हुआ, वो सबने देखा। 25 निर्दोष जिंदगियां एक झटके में तबाह हो गईं। हादसे मं मरने वाला किसी का भाई, किसी का पति, किसी का पिता रहा होगा, उस एक दर्द की दवा शायद ही कहीं मिले। इससे उलट देश की राजधानी दिल्ली में भी जो होटल संचालित हो रहे हैं, वहां भी लापरवाही की इंतेहा है। पता चला है कि दिल्ली में कहने को 1000 होटल हैं, लेकिन उनमें से सिर्फ 90 के पास फायर सेफ्टी एनओसी है। इन 90 में 52 होटल हैं तो वहीं 38 क्लब हैं। फायर विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि सैकड़ों प्रतिष्ठान अनिवार्य सुरक्षा जांचों के बिना ही चल रहे हैं।

हमारे सहयोगी हिंदुस्तान टाइम्स को मिले आंकड़े बताते हैं कि दिल्ली में लगभग 1,000 लाइसेंस प्राप्त हॉस्पिटैलिटी प्रतिष्ठान हैं। हालांकि, दिल्ली सरकार के संबंधित विभागों से बार-बार पूछने के बावजूद, दिसंबर 2025 तक राजधानी में होटलों और क्लबों की मौजूदा कुल संख्या का पता नहीं लगाया जा सका।

गोवा के अपरोरपा स्थित एक नाइट क्लब में लगी आग, जिसमें 25 लोगों की जान चली गई, के मद्देनजर, अग्निशमन सुरक्षा विशेषज्ञों ने सोमवार को दिल्ली के फायर एनओसी नियमों में एक गंभीर खामी उजागर की है। विशेषज्ञों का कहना है कि एक बार जब अग्निशमन विभाग एनओसी जारी कर देता है, जो तीन साल के लिए वैध होती है, तो उसके बाद के उल्लंघनों की अक्सर जांच नहीं होती क्योंकि एजेंसियों को अंतरिम (बीच-बीच में) निरीक्षण करने का अधिकार नहीं है। दिल्ली अग्निशमन सेवा के पूर्व प्रमुख अतुल गर्ग ने कहा कि विस्तृत निरीक्षण के बाद ही एनओसी दी जाती है, लेकिन रेस्तरां, कैफे, क्लब और होटल अक्सर इसके बाद बदलाव कर लेते हैं जिनकी जांच सालों तक नहीं होती। उन्होंने कहा, अग्निशमन विभाग या एनओसी जारी करने वाले अन्य विभागों को तब तक परिसर का निरीक्षण करने का अधिकार नहीं है, जब तक कि कोई घटना या शिकायत न हो जाए। इसलिए, उल्लंघन अक्सर बिना जांच के रह जाते हैं।

अतुल गर्ग ने बताया कि दिल्ली में 90 वर्ग मीटर से कम जगह में चल रहे रेस्तरां को व्यवसाय चलाने के लिए फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट प्राप्त करना अनिवार्य नहीं है। गर्ग ने आगे नियम समझाते हुए कहा कि 90 वर्ग मीटर से अधिक और 270 वर्ग मीटर से कम जगह में चल रहे प्रतिष्ठानों में दो सीढ़ियां होनी चाहिए, जिनमें से प्रत्येक 1.5 मीटर चौड़ी हो। 270 वर्ग मीटर से अधिक जगह में चल रहे प्रतिष्ठानों में कम से कम एक सीढ़ी 2 मीटर से कम चौड़ी नहीं होनी चाहिए, जबकि दूसरी सीढ़ी 1.5 मीटर से कम चौड़ी नहीं होनी चाहिए। गर्ग ने कहा कि ऐसे कई उदाहरण सामने आए हैं जहाँ रेस्तरां संचालकों ने बेहतर सजावट और अधिक बैठने की क्षमता के लिए अपने परिसर में बदलाव किए हैं, जिससे सुरक्षा उपायों से समझौता हुआ है। उन्होंने कहा कि संबंधित एजेंसियों द्वारा नियमित जाँच के अभाव में इस तरह के उल्लंघन आमतौर पर अनदेखे रह जाते हैं। पूर्व अग्निशमन निदेशक (पूर्व फायर डायरेक्टर) ने जोर देकर कहा कि सरकार को एक ऐसे सिस्टम को बनाने की जरूरत है जिसके माध्यम से रेस्तरां या नाइट क्लब संचालकों द्वारा नियमों के उल्लंघन की जांच नियमित रूप से, या तो अचानक छापे या समय-समय पर निरीक्षण के माध्यम से की जा सके। गर्ग ने आगे सुझाव दिया, एक स्वतंत्र एजेंसी हो सकती है जो नियमित रूप से ऐसे व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का दौरा करे और जांच करे कि सभी नियमों और विनियमों का पालन किया जा रहा है या नहीं।

अमेरिकी राष्ट्रपति एआई पर जारी करेंगे 'वन रूल' वाला ऑर्डर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राज्य अलग-अलग कानून बनाकर टेक कंपनियों के सामने मुश्किलें खड़ी कर रहे हैं। दूसरी ओर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा कर दी है कि इस सप्ताह वे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के लिए एक ही नियम वाला एक महत्वपूर्ण कार्यकारी आदेश जारी करने जा रहे हैं। ट्रंप ने सोमवार को खुद अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि मैं इस हफ्ते एआई के लिए एक नियम वाला कार्यकारी आदेश जारी करूंगा। अपनी पोस्ट में आगे उन्होंने कहा कि इस समय हम दुनिया के सभी देशों से काफी आगे हैं, लेकिन अगर हमारे 50 राज्य, जिनमें से कई में बहुत बुरे लोग बैठे हैं, अलग-अलग नियम बनाने और मंजूरी देने में लगे रहे,

तो यह बढ़त ज्यादा दिन नहीं टिकेगी। इसमें कोई संदेह नहीं कि एआई अपनी शुरुआती अवस्था में ही नष्ट हो जाएगा।

बताया जा रहा है कि यह कदम ट्रंप का एआई नीति पर अपनी मजबूत छाप छोड़ने का ताजा प्रयास है। उनका स्पष्ट मानना है कि 50 अलग-अलग राज्य स्तर के नियमों का जाल अमेरिकी कंपनियों के लिए अनुपालन को असंभव बना देगा और नवाचार को मार डालेगा। तकनीकी उद्योग के बड़े नेता लंबे समय से राज्य-दर-राज्य विनियमन के खिलाफ बोलते रहे हैं। इस लिहाज से यह आदेश उनके लिए बड़ी जीत होगी।

बता दें कि ट्रंप और टेक दिग्गजों ने बार-बार चेतावनी दी है कि अलग-अलग राज्य कानून नवाचार रोक देंगे और अनुपालन को बेहद जटिल बना देंगे। हालांकि, फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस और अर्कांसस की गवर्नर सारा हकाबी सैंडर्स सहित कई रिपब्लिकन गवर्नरों ने इस कदम की आलोचना की है। वे इसे राज्यों के अधिकारों पर हमला मानते हैं। माना जा रहा है कि किसी भी ऐसे कार्यकारी आदेश को तुरंत कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा।वहीं, वाइट हाउस की राष्ट्रीय आर्थिक परिषद के निदेशक केविन हैसेट ने सोमवार को सीएनबीसी को बताया कि उन्होंने इस आदेश का मसौदा देख लिया है। उन्होंने कहा कि कुछ राज्य इन कंपनियों को अपने कंट्रोल में रखना चाहते हैं। आने वाला कार्यकारी आदेश यह साफ कर देगा कि अमेरिका में अमेरिकी कंपनियों के लिए सिर्फ एक ही नियम होगा। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले महीने देखे गए संभावित आदेश के मसौदे में न्याय विभाग को उन राज्यों के खिलाफ मुकदमा करने की शक्ति दी जाएगी जिनके एआई कानून संघीय सरकार असंवैधानिक मानती है। साथ ही, जिन राज्यों के नियम बहुत सख्त या बोझिल होंगे, उन्हें संघीय फंडिंग में कटौती भी की जा सकेगी।

साउथ कोरिया के केएडीआईजेड में घुसे रूसी-चीनी सैन्य विमान

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया ने मंगलवार को एक बार फिर अपने वायु रक्षा पहचान क्षेत्र में सात रूसी और दो चीनी सैन्य विमानों की

घुसपैठ का पता लगाया। इसके जवाब में सियोल ने तुरंत दर्जनों लड़ाकू विमान रवाना किए। यह घटना ऐसे समय हुई है जब रूस-चीन की सैन्य नजदीकियां लगातार बढ़ रही हैं और दोनों देश उत्तर पूर्व एशिया में बिना पूर्व सूचना के संयुक्त हवाई गश्त कर रहे हैं। सियोल के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने बयान जारी कर कहा कि ये रूसी और चीनी विमान स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 10 बजे कोरिया एयर डिफेंस आइडेंटिफिकेशन जोन में दाखिल हुए। हालांकि किसी भी विमान ने दक्षिण कोरियाई हवाई क्षेत्र का उल्लंघन नहीं किया। सियोल ने कहा कि किसी भी अप्रत्याशित स्थिति से निपटने के लिए सामरिक उपाय करते हुए उसने लड़ाकू विमान भेजे। न्यूज एजेंसी योनहाप के अनुसार, ये विदेशी विमान लगभग एक घंटे तक केएडीआईजेड के अंदर-बाहर उड़ते रहे। इन विमानों को वायु रक्षा क्षेत्र में प्रवेश करने से काफी पहले ही पता लगा लिया गया था। केएडीआईजेड एक विस्तृत क्षेत्र होता है जिसमें देश सुरक्षा कारणों से आने-जाने वाले विमानों पर नजर रखते हैं, लेकिन यह उनका क्षेत्रीय हवाई क्षेत्र नहीं होता। 2019 से चीन और रूस संयुक्त सैन्य अभ्यास का हवाला देते हुए बिना पूर्व सूचना के दक्षिण कोरिया के वायु रक्षा क्षेत्र में नियमित रूप से अपने सैन्य विमान भेजते रहे हैं।

पिछले पांच साल में बांग्लादेश पर विदेशी कर्ज का बोझ बढ़कर 42 फीसदी हुआ

ढाका, एजेंसी। नोबेल विजेता युनूस ने बड़े दमखम के साथ बांग्लादेश का नेतृत्व संभाला था। लेकिन फिलहाल उनके नेतृत्व में बांग्लादेश भी पाकिस्तान के कंगाली वाले रास्ते पर जाता दिखाई दे रहा है। पिछले पांच साल में बांग्लादेश पर विदेशी कर्ज का बोझ बढ़कर 42 फीसदी हो गया है। इसके साथ ही बांग्लादेश भी उन देशों की कतार में आ गया है, जो विदेशी कर्ज के बोझ तले दबे हुए हैं। इस बात की जानकारी रविवार को अंतर्राष्ट्रीय कर्जों पर वर्ल्ड बैंक की एक रिपोर्ट में हुई है। इसके मुताबिक पिछले पांच साल में बांग्लादेश के ऊपर सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के विदेशी कर्जों पर किस्त भुगतान, मूलधन और ब्याज दोनों पर दोगुना हो गया है। गौरतलब है कि बांग्लादेश पिछले कई साल से बाहरी कर्ज के बढ़ते दबाव का सामना कर रहा है। सरकार ने विदेशी कर्ज की बदौलत बड़ी परियोजनाएं लागू की हैं। इनमें परमाणु ऊर्जा संयंत्र, मेट्रो रेल, पावर प्लांट, हवाई अड्डा टर्मिनल, अंडरवाटर टनल और ऊंची एक्सप्रेसवे शामिल हैं। इन परियोजनाओं में से कई के ऋण की अदायगी पहले ही शुरू हो चुकी है, वहीं कई अन्य को जल्द ही भुगतान किया जाना है। बढ़ते ऋण बोझ के बारे में पूछे जाने पर, वर्ल्ड बैंक के ढाका कार्यालय के पूर्व मुख्य अर्थशास्त्री जाहिद हुसैन ने प्रोथम आलो को बताया कि विदेशी उधार और ऋण चुकाने का दबाव कोविड-19 काल से बढ़ रहा है। उन्होंने कहाकि हमारे विकास में जो साझेदार हैं, अब वो कड़ी शर्तें लगा रहे हैं। इनमें कम ग्रेस पीरियड, घटा हुआ मैच्योरिटी टाइम और उच्च ब्याज दरें शामिल हैं।

डोनाल्ड ट्रम्प बोले- भारत के कारण अमेरिकी किसानों को घाटा

जिससे उन्हें सही दाम नहीं मिल रहा; एक्स्ट्रा टैरिफ लगाएंगे

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका भारत से आने वाले चावल और कनाडा से आने वाली खाद पर एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने पर विचार कर रहा है। उनका कहना है कि दूसरे देशों से आने वाला सस्ता सामान अमेरिकी किसानों को नुकसान पहुंचा रहा है। ट्रम्प ने यह बात सोमवार को व्हाइट हाउस में उस समय कही, जब वे किसानों के लिए नई आर्थिक मदद की घोषणा कर रहे थे। ट्रम्प ने कहा कि भारत, वियतनाम और थाईलैंड जैसे देश अमेरिका में बहुत सस्ता चावल बेच रहे हैं, जिससे यहां के किसानों की कमाई कम हो रही है।

उन्होंने इसे 'डंपिंग' बताया और कहा कि ऐसा नहीं होना चाहिए। ट्रम्प ने अपने वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट से पूछा कि क्या भारत को चावल के मामले में किसी तरह की छूट मिली हुई है। मंत्री ने बताया कि दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते पर अभी बातचीत चल रही है।

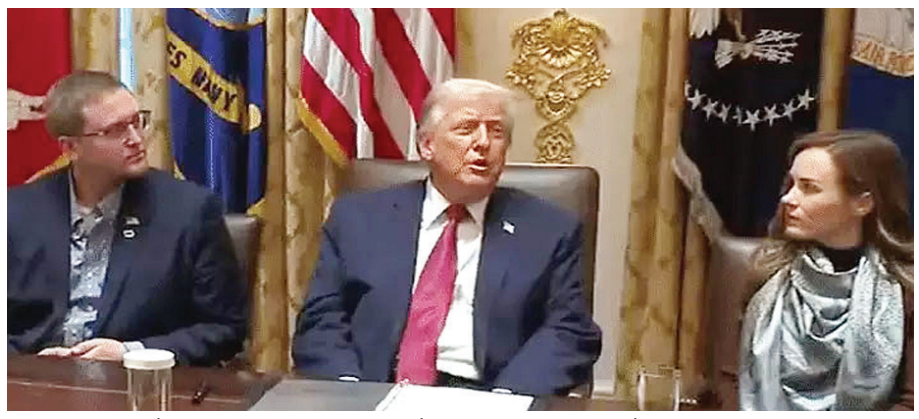

कनाडाई फर्टिलाइजर पर भी टैरिफ लग सकता है

ट्रम्प ने यह भी कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो अमेरिका कनाडा से आने वाली खाद पर भी कड़े टैरिफ लगा सकता है। उन्होंने कहा कि बहुत सी खाद कनाडा से आती है। अगर यह बहुत सस्ती हो गई तो हम उस पर सख्त टैरिफ लगा देंगे। कनाडा ,अमेरिका को पोटाश खाद की सबसे ज्यादा सप्लाई करता है। अब तक इसे व्यापार समझौते की वजह से संरक्षण मिला हुआ है।

अमेरिका में महंगाई और बढ़ती कीमतों की वजह से ट्रम्प पर दबाव बढ़ रहा है। किसान भी बढ़ती लागत से परेशान हैं। अगर खाद पर नया टैरिफ लग गया तो उनकी मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। अमेरिका ने हाल ही में पोटाश और फॉस्फेट को क्रिटिकल मिनरल्स की लिस्ट में शामिल किया था, ताकि उनकी सप्लाई बनी रहे, लेकिन किसान अभी भी इसे लेकर परेशान हैं।

आसान भाषा में डंपिंग का मतलब जानिए

डंपिंग का मतलब है कि कोई देश अपनी चीजें दूसरे देश में बहुत ही कम दाम पर बेचता है। यह इतना कम होता है कि वहां की लोकल कंपनियां और किसान उस कीमत पर सामान बना ही नहीं पाते।

इससे उस देश का बाजार सस्ते विदेशी माल से भर जाता है और स्थानीय लोगों का कारोबार नुकसान में चला जाता है। इसके बाद धीरे-धीरे लोकल मार्केट पर विदेशी कंपनियों या प्रोडक्ट का कब्जा हो जाता है। अगर ट्रम्प भारतीय चावल पर एक्स्ट्रा टैरिफ लगा देते हैं तो भारत से अमेरिका जाने वाला चावल काफी महंगा हो जाएगा। इससे वहां भारतीय चावल खरीदने वाले लोगों की जेब पर सीधा असर पड़ेगा, क्योंकि कीमतें बढ़ जाएंगी।

संपादकीय | जरा-सी चूक किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती है

पायलटों के साप्ताहिक आराम की अवधि बढ़ाने से विमानन कंपनी इंडिगो में उपजा उड़ान परिचालन का संकट इस फैसले को वापस लेने के बाद भी थमता नजर नहीं आया। शनिवार को कंपनी की साढ़े आठ सौ से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गईं, जबकि शुक्रवार को देश भर के विभिन्न हवाईअड्डों से एक हजार से अधिक उड़ानें निरस्त कर दी गई थीं। इससे न केवल यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में परेशानी हो रही है, बल्कि उन्हें दूसरी उड़ानों की यात्रा टिकट हासिल करने के लिए कई गुना अधिक दाम चुकता करने पड़ रहे हैं।

हालांकि, इस समस्या के निराकरण के लिए सरकार ने अब फिलहाल दूरी के आधार पर हवाई किराए की सीमा 7,500 रुपए से 18,000 रुपए तक सीमित कर दी है। मगर उड़ानों के परिचालन का संकट दूर करने के लिए पायलटों के साप्ताहिक आराम की अवधि बढ़ाने का जो फैसला वापस लिया गया है, क्या इस मसले की संवेदनशीलता को देखते हुए उस पर फिर से विचार किया जाएगा? यह सवाल भी महत्त्वपूर्ण है कि आखिर इंडिगो में ही यह संकट क्यों और कैसे पैदा हुआ।

दरअसल, पायलटों का संगठन लंबे समय से साप्ताहिक आराम की अवधि बढ़ाने की मांग कर रहा था। उनका कहना था कि लगातार काम के दबाव की वजह से उन्हें थकान समेत कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस पर नागर विमानन महानिदेशालय ने हाल में नई नियमावली जारी कर पायलटों के साप्ताहिक आराम की जरूरत के समय में बारह घंटे की बढ़ोतरी कर उसे अड़तालीस घंटे कर दिया था। इसके बाद इंडिगो की उड़ानों के रद्द होने का सिलसिला शुरू हो गया। कंपनी का तर्क था कि

नए नियमों के लागू होने से ज्यादा पायलट अवकाश पर हैं, जिससे उड़ानों का परिचालन बाधित हुआ है। मगर, इस बात पर गौर करना जरूरी है कि नए नियम सभी विमानन कंपनियों पर लागू थे! दूसरा, इस बात पर भी गहराई से विचार करने की जरूरत है कि उड़ान के दौरान पायलटों की संवेदनशीलता और सक्रियता बेहद महत्त्वपूर्ण होती है, जरा-सी चूक किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। ऐसे में उनके पूरी तरह स्वस्थ रहने के लिए उन्हें जरूरी आराम की सुविधा का पहलू भी अहम है। एक और समस्या है जो उड़ानों के संकट के बीच अक्सर हवाई यात्रियों को परेशानी और चिंता में डाल देती है, वह है किराए में अचानक बढ़ोतरी। यह इसलिए है, क्योंकि विमानन कंपनियों पर किराए की सीमा को लेकर कोई स्पष्ट नियम लागू नहीं है। इसी कारण शनिवार को स्पाइसजेट की कोलकाता-मुंबई की एक तरफ की यात्रा के लिए 'इकोनामी' श्रेणी के हवाई टिकट की कीमत नब्बे हजार रुपए तक पहुंच गई, जबकि एअर इंडिया की मुंबई-भुवनेश्वर उड़ान के लिए यात्रियों को चौरासी हजार रुपए तक में टिकट खरीदना पड़ा। इन खबरों के बाद सरकार ने फिलहाल दूरी के आधार पर हवाई किराए की सीमा तय कर दी है। मगर यह व्यवस्था तब तक रहेगी, जब तक उड़ानों का संकट दूर नहीं हो जाता है। सवाल है कि क्या इसके बाद विमानन कंपनियों की ओर से मनमाना किराया वसूलने का सिलसिला जारी रहेगा। ऐसे में जरूरी है कि सरकार की ओर से स्थायी तौर पर हवाई किराए की सीमा तय करने की पहल की जाए, ताकि कंपनियों की मनमानी पर अंकुश लग सके और यात्रियों को बेवजह परेशानी एवं आर्थिक नुकसान न झेलना पड़े।

बिना रुकावट मिड डे मील उपलब्ध कराना किसकी जिम्मेदारी है?

सरकारी स्कूलों में बच्चों के पोषण का स्तर बेहतर करने और कक्षाओं में उनकी उपस्थिति बढ़ाने के मकसद से मध्याह्न भोजन की महत्वाकांक्षी योजना चलाई जा रही है। मगर हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में ऐसे स्कूल भी हैं, जहां के बच्चों को दोपहर का भोजन तो मिल रहा है, लेकिन वह सरकार की ओर से जारी धन के जरिए नहीं, बल्कि शिक्षकों के आपसी सहयोग या दुकानदारों से लिए गए उधार के सहारे। गौरतलब है कि कुल्लू जिले के आनी और निरमंड खंडों के दो सौ सतहत्तर स्कूलों के लिए पिछले तीन महीने से मध्याह्न भोजन का बजट जारी नहीं हुआ है। शिक्षकों को यह आशंका है कि अगर बच्चों को दोपहर का भोजन मुहैया न कराया जाए, तो उनके खिलाफ विभागीय या निलंबन की कार्रवाई हो सकती है। वहीं बच्चों के पोषण के स्तर में कमी को लेकर भी सवाल उठ सकता है। ऐसे में इस इलाके में स्कूली बच्चों को उनके भरोसे छोड़ने के बजाय शिक्षकों ने अपने बीच आर्थिक सहयोग या फिर आसपास की दुकानों से उधार लेकर मध्याह्न भोजन किसी तरह जारी रखा हुआ है। इसमें कोई दोराय नहीं कि सरकारी बजट की राशि जारी न होने के बावजूद जो शिक्षक आपसी आर्थिक सहयोग के जरिए स्कूल में बच्चों को भोजन मुहैया करा रहे हैं, वे संवेदनशील हैं और अपनी जिम्मेदारी समझते हैं। सरकारी स्कूलों के बच्चे आमतौर पर कमजोर तबकों से आते हैं और उनका परिवार कई तरह के अभावों का सामना करता है। ऐसे में शिक्षकों ने बच्चों के मध्याह्न भोजन के लिए जिस स्तर पर सहयोग किया, वह मानवीय पहल, प्रशंसा और प्रेरणा का एक सकारात्मक संदर्भ है। निश्चित तौर पर शिक्षकों ने अपनी मानवीय भूमिका का निर्वाह किया। मगर सवाल है कि व्यवस्थागत रूप से मध्याह्न भोजन निर्बाध उपलब्ध कराना किसकी जिम्मेदारी है? राशि की कमी की वजह से बच्चों को दोपहर के भोजन में अड़चन आने की स्थिति में शिक्षकों के भीतर विभागीय कार्रवाई का डर क्यों बैठा? अगर सरकार के कामकाज का तरीका ऐसा है कि किसी जिले के दो खंडों के करीब पौने तीन सौ स्कूलों में मध्याह्न भोजन के लिए राशि जारी नहीं होती, तो इसके लिए कौन जवाबदेह है?

आज का कार्टून

समृद्ध देशों में दरकिनार होते प्रवासी...

तीन प्रकार के प्रवासी अमेरिका या समृद्ध देशों में पाए जाते हैं। भारतीय, चीनी और लैटिन अमेरिकी। गौरतलब है कि इन प्रवासी नागरिकों की श्रम शक्ति सस्ती है। आर्थिक विश्लेषक बताते हैं कि 15 अमेरिकी राज्यों की अर्थव्यवस्था अधिकतर इन्हीं श्रमिकों की दिन-रात की मेहनत पर निर्भर करती है। हालांकि इन राज्यों में अमीरी के साथ-साथ बंदूक संस्कृति भी पनप गई है। फिरौती मांगने का धंधा इन राज्यों में है ही। जहां 15 राज्य इन आप्रवासियों पर लगभग 40 फीसद तक निर्भर हैं। ये आप्रवासी बहुत ईमानदारी से और मेहनत करके जिंदगी जीते हैं। एक आंकड़े के मुताबिक अमेरिका में कुल अपराध दर के मुताबिक ये प्रवासी, स्थानीय नागरिकों की अपेक्षा अपराध में कम ही लिप्त पाए गए। अब ट्रंप ने इन्हीं प्रवासियों को रोकने के आदेश पर मंजूरी लेने की इच्छा जाहिर कर दी है।

सुरेश सेठ

भारत ही नहीं, बल्कि तीसरी दुनिया के देशों की श्रम शक्ति और युवा शक्ति समृद्ध देशों में किसी न किसी तरीके से प्रवेश कर रातों-रात अपनी आर्थिक स्थिति बदल लेना चाहती है। सवाल है कि पहली, दूसरी और तीसरी दुनिया का वर्गीकरण कैसे होता है? द्वितीय महायुद्ध के बाद से देखें, तो पहली दुनिया समृद्ध पश्चिमी या यूरोपीय देशों और अमेरिका की है।

दूसरी दुनिया रूस समर्थक देशों की और तीसरी दुनिया पश्चिमी देशों से आजाद हुए या अपनी गरीबी से जूझते देशों की है। आर्थिक विकास शास्त्र ने इसका वर्गीकरण विकासवादी व्यवस्था के रूप में किया है। यानी पहली दुनिया विकसित देशों की, दूसरी दुनिया विकासशील देशों की जिनमें भारत भी शामिल है और तीसरी दुनिया अविकसित देशों की है जिनमें गरीब देश शामिल हैं।

तीसरी दुनिया की युवा शक्ति पहली दुनिया या पश्चिमी देशों की ओर भागती है, क्योंकि जिस देश में वे रहते हैं, वहां उन्हें अपने सपने साकार होने की कोई संभावना नजर नहीं आती। धनी होने का सपना देखते हजारों नौजवान हर वर्ष इन देशों में जाकर काम करना चाहते हैं। अगर वैध तरीके से न जा सके, तो अवैध तरीके से या अपनी जान हथेली पर रख कर भी ये नौजवान समृद्ध देशों में प्रवेश करना चाहते हैं। जो रास्ते में मर-खप गए, उनका कोई अता-पता नहीं चलता। जो किसी तरह विदेश चले भी गए, तो वे वहां भी वे दोयम दर्जे की जिंदगी जीते हैं और किसी न किसी प्रकार अपने पांच साल पूरे कर ग्रीन कार्ड पाने की इच्छा रखते हैं।

जब से डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका की सत्ता संभाली है, तब से न केवल अमेरिका, बल्कि उसके साथी अमीर देश कनाडा, ब्रिटेन और आस्ट्रेलिया आदि भी आप्रवासी नागरिकों को (खासतौर से उन उन्नीस देशों के नागरिकों, जिनके बारे में ट्रंप ने सूची जारी की है और यह कहा है कि उनके देश में गैर-कानूनी घटनाओं से लेकर हिंसक वारदात यही लोग करते हैं) अपनी सीमा से निष्कासित करने की कोशिश में लगे हैं। इन सभी देशों में भारतीयों की भी पर्याप्त संख्या है। उनको हथकड़ियों-बेड़ियों में वापस भेजा जा रहा है। इन लोगों का स्वागत करने के लिए अमेरिका तैयार नहीं, बल्कि ट्रंप देश से इनको बाहर करना चाहते हैं। ये यही भारतीय हैं जिनके कौशल और श्रम से अमेरिका का आधार बना है।

अभी वाइट हाउस में अफगानिस्तान के एक शरणार्थी द्वारा की गई गोलीबारी से एक नेशनल गार्ड की मौत हो गई। इस बात से खीझ कर ट्रंप ने कहा कि अमेरिका में गरीब देशों के प्रवासियों का प्रवेश बंद है। वर्तमान आप्रवासियों में से अगर किसी से सुरक्षा को खतरा लगता है तो उसे भी तुरंत उसके देश भेज दिया जाएगा।

अमेरिका की देखादेखी कनाडा ने छात्र वीजा पर सख्ती कर दी है। अब वीजा रद्द करने की दर चूंकि 75 फीसद तक पहुंच गई है, इसलिए नया प्रवेश 40 फीसद तक गिर गया। आज यहां 70 फीसद वीजा आवेदन रद्द हो रहे हैं। वर्ष 2023 में यही दर 32 फीसद थी। ब्रिटेन गए छात्र अपने साथ पहले परिवार ला सकते थे, लेकिन 2025 से वीजा नवीनीकरण में सख्ती बरती जाने लगी। परिवार लाने पर रोक लग गई। इस तरह से कई भारतीय ब्रिटेन छोड़ने के लिए मजबूर हो गए।

आस्ट्रेलिया ने भी इस वर्ष से नई प्रवासन नीति लागू कर दी है जिसमें छात्र वीजा को कठिन बना दिया गया है। वर्ष 2024 में अगर यहां 96 हजार 490 प्रवासी भारतीय छात्र थे, तो इसी वर्ष पहले छह महीनों में यह संख्या कम होकर 87 हजार 600 हो गई। अब जब अपने हित साधने की यह नीति इन समृद्ध देशों ने लागू कर दी है, तो भारतीयों या अन्य 19 गरीब देशों के छात्रों के लिए समृद्ध देशों में प्रवेश बहुत कठिन हो गया है। अमेरिका ने तो और भी कई नियम बना दिए। ग्रीन कार्ड देने की अवधि बढ़ा दी और इसे आसानी से न लागू करने की नीति अपनाई। इस समय इसकी प्रतीक्षा सूची में लगभग दस लाख भारतीय हैं। मगर अमेरिका या अन्य समृद्ध देशों को यह नहीं भूलना चाहिए कि आज उनकी प्रगति और समृद्धि में इन्हीं प्रवासी नागरिकों का खून-पसीना लगा है।

एक राजनीतिक संदेश यूरोप, कनाडा और आस्ट्रेलिया सरकार को भी चला गया कि वे प्रवासियों को आने से रोकें। अगर यह श्रम शक्ति उत्पादन प्रक्रिया से बाहर हो जाती है, तो इन देशों की अर्थव्यवस्था पर असर पड़ सकता है। अमेरिका आज 30 ट्रिलियन डालर की सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति है, तो उसका 20 फीसद हिस्सा इन आप्रवासियों की मेहनत पर ही टिका है।

तीन प्रकार के प्रवासी अमेरिका या समृद्ध देशों में पाए जाते हैं। भारतीय, चीनी और लैटिन अमेरिकी। गौरतलब है कि इन प्रवासी नागरिकों की श्रम शक्ति सस्ती है। आर्थिक विश्लेषक बताते हैं कि 15 अमेरिकी राज्यों की अर्थव्यवस्था अधिकतर इन्हीं श्रमिकों की दिन-रात की मेहनत पर निर्भर करती है। हालांकि इन राज्यों में अमीरी के साथ-साथ बंदूक संस्कृति भी पनप गई है। फिरौती मांगने का धंधा इन राज्यों में है ही। जहां 15 राज्य इन आप्रवासियों पर लगभग 40 फीसद तक निर्भर हैं। ये आप्रवासी बहुत ईमानदारी से और मेहनत करके जिंदगी जीते हैं।

एक आंकड़े के मुताबिक अमेरिका में कुल अपराध दर के मुताबिक ये प्रवासी, स्थानीय नागरिकों की अपेक्षा अपराध में कम ही लिप्त पाए गए। अब ट्रंप ने इन्हीं प्रवासियों को रोकने के आदेश पर मंजूरी लेने की इच्छा जाहिर कर दी है।

हालांकि भारत की युवा शक्ति और अन्य उभरते देशों की नौजवान पीढ़ी विदेश को अपना एकमात्र मोक्ष द्वार नहीं मानती। तीसरी दुनिया के जिन देशों में जो 'जेन-जी' वाली पीढ़ी उभर कर आ गई है, वह अपने देश में ही यथोचित रोजगार और गरिमा से जीना चाहती है। वह इन समृद्ध देशों के रहम पर दोयम दर्जे की जिंदगी अपनाने के लिए इनका सहारा नहीं लेना चाहती।

दूसरी ओर यह भी एक सच है कि कुछ देशों में आतंकवादियों के अड्डे हैं और उनके लिए सरकारों का अप्रत्यक्ष सहयोग है, नहीं तो वहां छिपे आतंकी इतनी आसानी से भारत विरोधी गतिविधियां कैसे चलाते? इन देशों की अपनी समृद्धि भी हाड़तोड़ मेहनत करने वाले आप्रवासी नागरिकों की वजह से है, मगर आज कई बड़े देशों ने अपने यहां रह रहे प्रवासी नागरिकों का जीना मुश्किल कर दिया है। उन्हें हर दिन अपनी धरती से निष्कासित करने की धमकी देते हैं। जबकि उनके परिश्रम के बूते ही अमेरिका वर्षों से आर्थिक शक्ति के रूप में दुनिया के शीर्ष पर है।

अब भी अमेरिका यही कहता है कि वह तकनीकी पेशेवरों का अपने देश में स्वागत करेगा, लेकिन यह नहीं चाहता कि मेहनत-मजदूरी करने वाले लोग अमेरिका में आ जाएं और अपनी मेहनत और कम वेतन के बल पर अमेरिकी जनता की नौकरियों के लिए जारी होने वाला पैसा अपने भुगतान के रूप में हथिया लें। इस पूरे परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए भारत अब केवल आयात आधारित अर्थव्यवस्था न रहे, अपने पैरों पर और मजबूती से खड़ा हो जाए। स्वावलंबन की इस राह पर युवा पीढ़ी को नौकरियां दें।

'आप कोई निर्णय नहीं लेते' यह सच आपको असहज कर देगा

अगर किसी प्राणी ने घोर पाप किया, तो हमारी न्याय की तुला यह मानती है कि उसके पास धर्म का मार्ग चुनने का विकल्प था, लेकिन अगर उसके चित्त की गति, उसके पूर्व कर्मों की वासनाओं और उसके वर्तमान भौतिक तत्त्वों के मिश्रण से अपरिहार्य थी, तो हम उसे अपराधी कहकर कैसे दंडित करें? क्या वह केवल उस ब्रह्मांडीय नाटक का एक पात्र नहीं था, जिसने अपने विवश स्वभाव के कारण एक निश्चित भूमिका निभाई? यह चिंतन हमें दंड और पुरस्कार की सारी अवधारणाओं पर पुनः विचार करने पर बाध्य करता है। अगर नियतिवाद ही अंतिम सत्य है, तो हमारी क्षमता क्या है? क्या संसार के सारे प्रयास, तपस्या और साधनाएं निरर्थक हैं?

राजेंद्र मोहन शर्मा

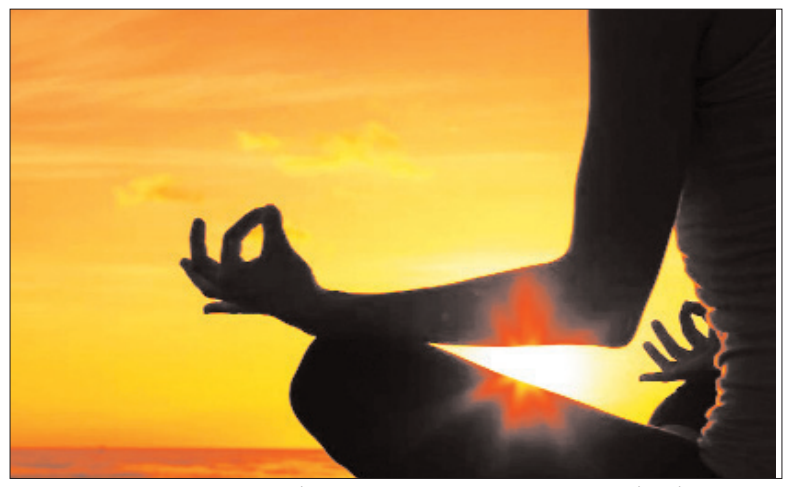

हम मनुष्य, इस विशाल ब्रह्मांड रूपी रंगमंच पर स्वयं को कर्ता, 'निर्णायक' की उपाधि से विभूषित करते हैं। हमारी चेतना का दीपक जलता है और हम सोचते हैं कि यह प्रकाश हमारी अपनी इच्छाशक्ति का है, जिससे हम जीवन के मार्ग की हर पगडंडी को अपनी मर्जी से चुनते हैं, ठीक वैसे ही जैसे नर्तक अपनी हर मुद्रा का चयन करता है। पर क्या यह अहंकार नहीं? क्या यह 'मैं करता हूं' का भाव मात्र एक मोहक आवरण नहीं है, जिसके पीछे 'हो रहा है' का सनातन सत्य छिपा है? अगर हम आंखें मूंदकर विचार करें तो पाएंगे कि हमारा हर चुनाव, एक जटिल समीकरण का अपरिहार्य हल है, न कि कोई स्वतंत्र आविष्कार। जब हम कोई संकल्प लेते हैं, तो वह संकल्प कहां से फूटता है? क्या वह अनायास हमारी आत्मा से प्रस्फुटित होता है, या वह पूर्वजन्मों के संस्कारों का, बाल्यकाल की स्मृतियों का, और इस क्षण मस्तिष्क में चल रहे त्रिगुणात्मक स्पंदनों (सत्त्व, रजस, तमस) का अनिवार्य परिणाम है? यह हमारी जन्मकुंडली की तरह है। एक ऐसा सूत्रपात, जो उसी क्षण हो गया था, जब प्रकृति और पुरुष का संयोग हुआ। हमारे विचार उसी धारा के बुलबुले हैं, जिसे वंशानुक्रम, शिक्षा और परिवेश की शक्तियां अपनी दिशा देती हैं। हम जिस 'स्वतंत्रता' का दावा करते हैं, वह उस नदी की धारा जैसी हो सकती है, जो पहाड़ की ढलानों, चट्टानों के विन्यास और वर्षा की मात्रा से पहले ही निश्चित हो चुकी है। वह नदी बहने के लिए स्वतंत्र है, पर क्या वह अपनी दिशा चुनने के लिए स्वतंत्र है? उसका वेग और उसका मार्ग पहले से ही काल के मानचित्र पर अंकित है। यह ज्ञान, हमारे 'स्व' के सिंहासन को हिला देता है और हमें आत्म-नियंत्रण के एक गहरे विरोधाभास में उलझा देता है। अगर हमारा 'निर्णय' केवल कर्मफल की एक अटूट शृंखला का हिस्सा है, जहां आज का विचार कल के अनुभव का फल है, और कल का अनुभव परसों के विचार को जन्म देगा, तो 'स्वाधीनता' कहां टिकती है? एक बात तो यह भी है कि स्वाधीनता की खोज हमने अपने भीतर कितनी की है, उसे पहचाना कितना है और उसे बरता कितना है। हम स्वयं को उस रथ के सारथी समझते हैं, जिसका नियंत्रण दरअसल रथ के अश्वों (इंद्रियों) और रास्ते (नियति) के हाथों में है। हमारी 'इच्छाशक्ति' उस मोहग्रस्त यात्री की तरह है, जो यह मान बैठा है कि वह पहियों को घुमा रहा है, जबकि रथ स्वतः ही अपने पूर्व-निर्धारित गंतव्य की ओर खिंचा जा रहा है। हमारी नैतिक जिम्मेदारी का भव्य भवन इसी भ्रम पर खड़ा है।

अगर किसी प्राणी ने घोर पाप किया, तो हमारी न्याय की तुला यह मानती है कि उसके पास धर्म का मार्ग चुनने का विकल्प था, लेकिन अगर उसके चित्त की गति, उसके पूर्व कर्मों की वासनाओं और उसके वर्तमान भौतिक तत्त्वों के मिश्रण से अपरिहार्य थी, तो हम उसे अपराधी कहकर कैसे दंडित करें? क्या वह केवल उस ब्रह्मांडीय नाटक का एक पात्र नहीं था, जिसने अपने विवश स्वभाव के कारण एक निश्चित भूमिका निभाई? यह चिंतन हमें दंड और पुरस्कार की सारी अवधारणाओं पर पुनः विचार करने पर बाध्य करता है। अगर नियतिवाद ही अंतिम सत्य है, तो हमारी क्षमता क्या है? क्या संसार के सारे प्रयास, तपस्या और साधनाएं निरर्थक हैं? इस निराशा में भी, दर्शन का एक गुप्त मार्ग खुलता है। यह मार्ग हमें नियति के सम्मुख पूर्ण आत्मसमर्पण की ओर ले जाता है, जहां 'मैं' के बोझ से मुक्ति मिलती है और ईश्वर की लीला या कर्म के विधान की सर्वोपरिता स्वीकार होती है। मगर चेतना का एक कोना अब भी विद्रोह करता है। जब हम गहरे ध्यान में उतरते हैं, तो हमें लगता है कि हमारे भीतर एक अव्यक्त साक्षी है, जो प्रकृति के खेल को तटस्थ भाव से देख रहा है। यही वह शुद्ध बोध है, जो हमें माया के जंजाल से बाहर खींचने की क्षमता रखता है।

संभव है कि हमारी भौतिक क्रियाएं (कर्म) और विचार (मन) नियति के अधीन हों, पर उस क्षण जब हम जानते हैं कि हम नियति के अधीन हैं, वही बोध ही हमारी एकमात्र और सच्ची स्वतंत्रता है। यह बोध, कर्म की बेड़ियों को नहीं तोड़ता, बल्कि उन बेड़ियों के अस्तित्व को जानने की स्वतंत्रता देता है। इसलिए शायद कर्म (क्रिया) और विकल्प (चयन) का विरोधाभास नहीं है, बल्कि यह द्वैत है। हमारा शरीर और मन प्रकृति के नियमों से बंधा है, पर हमारी आत्मा (चेतना) उन बंधनों को जानने और स्वीकारने के लिए स्वतंत्र है।

यह 'ज्ञान' ही वह दुर्लभ प्रकाश है, जो हमें 'मैं करता हूं' के अहंकार से मुक्त करता है और 'सब होता है' के अनासक्त भाव की ओर ले जाता है। 'मैं' और 'सब' को पहचानने की शक्ति हमें अनासक्ति तक पहुंचाती है और उसके बाद फिर अनासक्ति ही हमें नियति के लिखे को जीते हुए भी उससे ऊपर उठने की शक्ति देती है। यह आखिर यही प्रश्न छोड़ जाता है कि क्या हम वह पात्र हैं, जो विवशता में अभिनय कर रहा है, या वह साक्षी, जो उस अभिनय को केवल देख रहा है और क्या यह देखना ही वास्तविक स्वाधीनता है, जिससे हमारे चित्त की विवशता समाप्त होती है और चेतना परम स्वाधीनता को प्राप्त करती है।

विराट कोहली अपना स्पोर्ट्सवियर ब्रांड 'वन8' बेच रहे हैं

● एजिलिटास में करेंगे 40 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली अपना स्पोर्ट्सवियर ब्रांड वन8 एजिलिटास स्पोर्ट्स को बेच रहे हैं। एजिलिटास स्पोर्ट्स एक वर्टिकली इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग-टू-रिटेल स्पोर्ट्स प्लेटफॉर्म है। इसे अभिषेक गांगुली ने शुरू किया था। विराट कोहली इस व्यापारिक समझौते के तहत एजिलिटास में एक निवेशक के तौर पर शामिल हो रहे हैं। वह कंपनी में हिस्सेदारी खरीदने के लिए एजिलिटास में 40 करोड़ रुपये निवेश करेंगे। एजिलिटास उत्पादन, आर एंड डी, ब्रांड-निर्माण और खुदरा वितरण के क्षेत्र में काम करती है। 2023 में, कंपनी ने भारत की सबसे बड़ी स्पोर्ट्स फुटवियर बनाने वाली मोचिको शूज को खरीदा। इससे कंपनी की घरेलू और निर्यात क्षमता मजबूत हुई थी। वन8 एक स्पोर्ट्सवियर ब्रांड है। विराट कोहली इसके को-

फाउंडर रहे हैं। यह ब्रांड स्पोर्ट्सवियर, कपड़े, फुटवियर और एक्सेसरीज तक फैला हुआ है। एजिलिटास की तरफ से जारी बयान के मुताबिक, 'कोहली और गांगुली के बीच आपसी सहयोग पिछले कुछ सालों में बढ़ा है। कुछ वास्तविक उत्पादन के औपचारिक बातचीत से शुरू हुई प्रक्रिया जल्द ही वन8 के रूप में हमारे सामने आ गई। कंपनी ने आगे कहा कि कोहली के पास सिर्फ वन8 में निवेश करने का विकल्प था। उन्होंने उत्पादन, डिजाइन, आर एंड डी, और देश भर में कंपनी की वितरण क्षमता देखने के बाद एजिलिटास में शेयरधारक बनने का फैसला किया। विराट कोहली का वन8 को एजिलिटास को बेचने का फैसला रणनीतिक और दीर्घकालिक सोच पर आधारित है। इस अवसर पर विराट ने कहा, 'अभिषेक के साथ मेरा रिश्ता बहुत वास्तविक है। एक दिन, जब मैं यूं ही अपनी कुछ बनाने की इच्छा के बारे में बात कर रहा था, तो उसने कहा, 'चलो करते हैं' और इस तरह वन8 शुरू हुआ। खेल ने मेरी जिंदगी बनाई है। मूवमेंट, कम्फर्ट और परफॉर्मेंस मेरे लिए सब कुछ डिफाइन करते हैं। यही सोच ब्रांड में बदल गयी। मैं हमेशा स्टाइल के लिए स्पोर्ट्स-फर्स्ट अप्रोच चाहता था। वहीं अभिषेक गांगुली ने कहा, 'हम सब मिलकर भारत से एक हाई-परफॉर्मेंस ब्रांड बना रहे हैं, जो स्पोर्ट्स फंक्शनैलिटी, बेस्ट-इन-क्लास और क्वालिटी पर आधारित है। हमारा लक्ष्य अगले दशक में वैश्विक स्तर पर कुछ उद्देश्यपूर्ण बनाना है।'

एडिलेड टेस्ट में कमिंस की वापसी तय, जोश हेजलवुड सीरीज से बाहर

एडिलेड, एजेंसी। एशेज 2025-26 में 2-0 से आगे चल रही ऑस्ट्रेलिया को एडिलेड में 17 दिसंबर से शुरू हो रहे सीरीज के तीसरे टेस्ट से पहले बड़ी खुशखबरी मिली है। पैट कमिंस को पूरी तरह फिट घोषित कर दिया गया है। वहीं तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड एशेज सीरीज से बाहर हो गए हैं। उन्हें रिकवरी में समय लगेगा। अब वह टी20 विश्व कप तक पूरी तरह फिट होने की कोशिश करेंगे। ऑस्ट्रेलिया मंगलवार को 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर सकती है। ऑस्ट्रेलिया के हेड कोच एंड्रयू

मैकडोनाल्ड ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, 'कप्तान कमिंस वापसी के लिए तैयार हैं। बदकिस्मती से, जोश एशेज का हिस्सा नहीं होंगे। इंजरी की वजह से वह पूरी सीरीज से बाहर हो गए हैं। हम उनसे इस सीरीज में अहम योगदान की उम्मीद थी। अब वह टी20 विश्व कप की तैयारी करेंगे। मैकडोनाल्ड ने कहा, 'पैट कमिंस की एडिलेड में तैयारी को लेकर कोई चिंता नहीं है। बेशक उन्होंने जुलाई से क्रिकेट नहीं खेली है, लेकिन वह तैयार हैं। सेलेक्टर्स उन्हें ब्रिस्बेन में चुनने के बहुत करीब थे। उनके पास मैच का मौका नहीं होगा। ऐसा कमिंस के साथ पहले भी हो चुका है।

मंगेतर ट्रैविस केल्स का मैच देखने पहुंचीं टेलर स्विफ्ट

न्यूयॉर्क, एजेंसी। टेलर और सेलेना की यह उपस्थिति सिर्फ एक मैच नहीं बल्कि उनके रिश्ते की मजबूती का नया उदाहरण है। चाहे म्यूजिक, लाइफ या बड़े सेलिब्रेशन, दोनों हमेशा एक-दूसरे का साथ निभाती आई हैं।

अमेरिकी पॉप वर्ल्ड की दो सबसे बड़ी हस्तियां, टेलर स्विफ्ट और सेलेना गोमेज, एक बार फिर चर्चा में हैं।

साथ में दिखीं सेलेना गोमेज

अपनी गहरी दोस्ती और एक-दूसरे का साथ निभाने के लिए जानी जाने वाली यह जोड़ी हाल ही में कैनसस सिटी चीफ्स और ह्यूस्टन टेक्सन्स के बीच हुए एनएफएल मैच (अमेरिकन फुटबॉल मैच) में साथ नजर आई। यह मुकाबला इसलिए भी खास था क्योंकि स्विफ्ट के मंगेतर ट्रैविस केल्स चीफ्स टीम के स्टार खिलाड़ी हैं।

सेलेना और स्विफ्ट को ऐरोहेड स्टेडियम में मैच का आनंद लेते देखा गया। जहां टेलर पांचवीं बार चीफ्स का मैच देखने पहुंचीं, वहीं सेलेना पहली बार स्टेडियम में नजर आईं। उनकी मौजूदगी सोशल मीडिया पर तुरंत वायरल हो गई। एक यूजर ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर लिखा, 'मेरे माता-पिता टेलर स्विफ्ट के बगल में बैठे हैं। अविश्वसनीय!' कुछ तस्वीरें धुंधली जरूर थीं, लेकिन फैंस का उत्साह कम नहीं हुआ। कई पोस्ट में दोनों को साथ बैठकर मैच का आनंद लेते देखा गया।

बीसीसीआई की नाक के नीचे बड़ा घोटाला

● पैसा दो, टीम में घुसो, असली टैलेंट बाहर, 1.2 लाख में बन रहे 'लोकल' खिलाड़ी!

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट दुनिया में सबसे ताकतवर कहलाता है, कड़ी प्रतिस्पर्धा, विशाल टैलेंट पूल, आईपीएल जैसी लीग और कठोर चयन प्रक्रिया इसकी पहचान है। खिलाड़ियों का भरोसा इसी बात पर टिका है कि सिस्टम निष्पक्ष है, लेकिन पुडुचेरी में यह पूरा उलट चुका है।

यहां पते बनाए जाते हैं। फर्जी पते पर खिलाड़ियों के आधार कार्ड बनते हैं। एक समानांतर चयन प्रक्रिया काम करती है और यह सब कुछ क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ पांडिचेरी और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की नाक के नीचे चल रहा है। द इंडियन

एक्सप्रेस की तीन महीने की जांच में ऐसे कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। जांच में 2,000 से ज्यादा खिलाड़ियों के फार्म चेक किए गए, दर्जनों खिलाड़ियों से बात हुई और कई पतों की मौके पर जांच की गई। पता चला कि, 1.2 लाख रुपये लेकर खिलाड़ियों को 'स्थानीय खिलाड़ी' बनाया जाता है। कोच और निजी क्रिकेट अकादमियां खिलाड़ियों को फर्जी एड्रेस, बैकडेट से कॉलेज में दाखिला और नकली जॉब रिकॉर्ड उपलब्ध कराती हैं।

बीसीसीआई का जरूरी एक साल का निवास प्रमाणपत्र कागजों में पूरा कर दिया जाता है। फिर इन खिलाड़ियों को सीएपी की टीमों में सीधा रास्ता मिल जाता है।

'फीस दो, लोकल बनो' : ऐसे चलता है पूरा खेल – बाहरी राज्यों के क्रिकेटरों को बीसीसीआई की अनिवार्य एक साल की निवास आवश्यकता को दरकिनार करने और 'स्थानीय' बनने के लिए 1.2 लाख रुपए या उससे अधिक के 'पैकेज' का भुगतान करना पड़ता है। निजी क्रिकेट अकादमियों के कोच की मदद से निवास प्रमाण पत्र बेचे जा रहे हैं। इसमें फर्जी आधार कार्ड पते, पिछली तारीखों से शैक्षिक संस्थानों में दाखिले या नकली नौकरी रिकॉर्ड का इस्तेमाल किया जाता है। पैसे देने वाले खिलाड़ियों को पुडुचेरी क्रिकेट एसोसिएशनकी टीमों में तुरंत जगह मिल रही है।

● शाहिद अफ्रीदी ने गौतम गंभीर को सीधे निशाने पर लिया

रोहित-विराट की तारीफों के बांधे पुल

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व पाकिस्तानी कप्तान शाहिद अफ्रीदी ने एक बार फिर भारतीय क्रिकेट पर बड़ा और विवादित बयान देकर सुर्खियां बटोर ली हैं। इस बार उन्होंने भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर को सीधे निशाने पर लेते हुए उनकी रणनीति पर सवाल खड़े किए हैं। इसके साथ ही अफ्रीदी ने विराट कोहली और रोहित शर्मा की जमकर तारीफ करते हुए कहा है कि यह दोनों दिग्गज न सिर्फ भारतीय बल्लेबाजी की रीढ़ की हड्डी हैं, बल्कि 2027 ओडीआई वर्ल्ड कप तक टीम के लिए अत्यंत जरूरी रहेंगे। अफ्रीदी ने रोहित के रिकॉर्ड को तोड़ने पर भी प्रसन्नता जताई और दोनों खिलाड़ियों के महत्व को रेखांकित किया।

कोहली और रोहित भारतीय ओडीआई टीम की असली ताकत

अफ्रीदी ने स्पष्ट कहा कि विराट कोहली और रोहित शर्मा दुनिया के सबसे भरोसेमंद ओडीआई बल्लेबाजों में शुमार हैं। उन्होंने बताया कि साउथ अफ्रीका के खिलाफ हालिया सीरीज में जिस तरह इन दोनों ने टीम को मजबूत शुरुआत दी, उससे साफ है कि उनकी फॉर्म और फिटनेस अभी भी उच्च स्तर पर है। अफ्रीदी ने कहा, 'विराट और रोहित भारतीय बल्लेबाजी की बैकबोन हैं। उनके प्रदर्शन से जाहिर है कि वे 2027 वर्ल्ड कप तक आराम से खेल सकते हैं और टीम को मजबूती देते रहेंगे।'

कमजोर टीमों के खिलाफ मिल सकता है आराम– अपनी राय को और स्पष्ट करते हुए अफ्रीदी ने कहा कि भारत को शीर्ष टीमों और बड़े टूर्नामेंट में कोहली व रोहित जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को हमेशा प्लेइंग इलेवन में रखना चाहिए। लेकिन अगर भारत कमजोर टीमों के खिलाफ खेलता है, तो रोटेशन पॉलिसी के तहत इन दिग्गजों को विश्राम दिया जा सकता है।

गौतम गंभीर की कोचिंग पर तीखी टिप्पणी

अफ्रीदी के बयान का सबसे बड़ा और चर्चित हिस्सा वह रहा जिसमें उन्होंने भारतीय कोच गौतम गंभीर को घेरा। दोनों खिलाड़ियों की पुरानी ऑन-फील्ड टकराव की कहानी जगजाहिर है, और इस बयान ने उस तनाव को फिर उभार दिया। अफ्रीदी ने कहा, 'गौतम ने कोच के रूप में शुरुआत जिस अंदाज में की, उससे लगा कि वह खुद को हमेशा सही मानते हैं। लेकिन समय ने बता दिया कि हर बार आपका फैसला सही नहीं हो सकता।' यह बयान ऐसे दौर में आया है जब गंभीर युवा खिलाड़ियों को ज्यादा एक्सपोजर देने की रणनीति पर काम कर रहे हैं और 2027 वर्ल्ड कप को अभी काफी दूर मान रहे हैं।

'बड़े बच्चे रिटायर होकर पीएसएल खेलते हैं' इस पाकिस्तानी को किया आईपीएल की बुराई पर ट्रोल

लोग बोले- जिस थाली में खाया...

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेट कप्तान वसीम अकरम पड़ोसी देश के उन चुनिंदा क्रिकेटरों में शामिल हैं, जिनके फैंस भारत में भी आपको जमकर मिल जाएंगे। अकरम उन चुनिंदा पाकिस्तानी क्रिकेटरों में भी शामिल हैं, जिन्हें लंबे समय तक इंडियन प्रीमियर लीग का हिस्सा बनने का मौका मिला है। अकरम पहले इस लीग में कोच की भूमिका में जुड़े रहे और पिछले कुछ साल में कमेंटेटर के तौर पर उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग से कमाई करने का मौका मिला है। इसके बावजूद अकरम ने एक ऐसा काम कर दिया है, जिसके चलते उन्हें सोशल मीडिया पर भारतीय क्रिकेट फैंस के

मजाक और गुस्से का सामना करना पड़ा है। दरअसल अकरम ने पाकिस्तान सुपर लीग को आईपीएल के मुकाबले नंबर-1 लीग बता दिया है। अकरम ने पाकिस्तान में एक कार्यक्रम के दौरान आईपीएल की बुराई करते हुए पीएसएल को नंबर-1 लीग बताया है। अकरम ने पीएसएल के प्रमोशन से जुड़े इवेंट में पीएसएल के लिए कहा,'बच्चे बड़े हो जाते हैं, वो लीग खत्म ही नहीं होती।' अकरम के इसी कमेंट को लेकर क्रिकेट फैंस ने उन्हें ट्रोल करते हुए कहा है कि बच्चे बड़े होकर रिटायर हो जाते हैं और फिर वे पीएसएल में खेलने लगते हैं।

द ग्रेट खली 8 साल बाद करेंगे रिंग में वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी। डब्ल्यूडब्ल्यूई के पहले भारतीय सुपरस्टार द ग्रेट खली आठ साल के लंबे ब्रेक के बाद एक बार फिर से रिंग में वापसी करने वाले हैं. द ग्रेट खली ने साल 2006 में डब्ल्यूडब्ल्यूई के जजमेंट डे में डेब्यू किया था और डब्ल्यूडब्ल्यूई में आते ही अपने पहले मैच में द अंडरटेकर को हराकर तहलका मचा दिया था. 7 फीट 1 इंच लंबे इस दिग्गज रेसलर ने साल 2007 में डब्ल्यूडब्ल्यूई की वर्ल्ड हैवीवेट चैंपियनशिप जीती थी. यहां हम आपको बताने जा रहे हैं कि द ग्रेट खली 8 साल बाद रिंग में कब और कहां वापसी करने वाले हैं.

डब्ल्यूडब्ल्यूई में कैसा रहा द ग्रेट खली का सफर– भारत के पहले सुपरस्टार द ग्रेट खली का डब्ल्यूडब्ल्यूई में सफर शानदार रहा. डब्ल्यूडब्ल्यूई में अपने पहले ही मैच से सुर्खिया बटोरने वाले द ग्रेट खली ने रॉ में ड्राफ्ट होने के बाद केन को रेसलमेनिया 23 में हराया था. इसके बाद, उन्होंने उस समय के वर्ल्ड हैवीवेट चैंपियन जॉन सीना के साथ भी मुकाबला किया. द ग्रेट खली ने रॉ में जून 2007 में 20 मैन रॉयल बैटल मैच को जीतकर पहली बार और एकमात्र वर्ल्ड हैवीवेट चैंपियनशिप जीती, लेकिन वो सिर्फ तीन महीने तक ही टाइटल को अपने पास रख पाए थे. डब्ल्यूडब्ल्यूई में अपने करियर के दौरान खली ने पंजाबी प्लेबॉय जैसे मजेदार किरदारों में भी पहचान बनाई. द ग्रेट खली का नवंबर 2014 में डब्ल्यूडब्ल्यूई के साथ कॉन्ट्रैक्ट समाप्त हो गया, जिसके बाद उन्होंने ये कंपनी छोड़ दी थी.

द ग्रेट खली ने सीडब्ल्यूई की स्थापना

कंपनी छोड़ने के बाद, भारत में प्रो-रेसलिंग को बढ़ावा देने के लिए द ग्रेट खली ने फैसला किया और इसी सोच के साथ उन्होंने 2015 में कॉन्टिनेंटल रेसलिंग एंटरटेनमेंट की स्थापना की. पंजाब के जालंधर शहर में स्थित सीडब्ल्यूई अकादमी ने कई प्रतिभाओं को तराशा है, जिनमें डब्ल्यूडब्ल्यूई की पहली भारतीय महिला रेसलर कविता देवी और दिलशेर शंकी जैसे नाम शामिल हैं और इन दोनों रेसलर ने डब्ल्यूडब्ल्यूई में अपनी जगह बनाई है. वहीं, साल 2021 में द ग्रेट खली को डब्ल्यूडब्ल्यूई हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया था.

युवराज सिंह ही नहीं

ये स्टार क्रिकेटर भी बेचते हैं शराब, करोड़ों में है कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी युवराज सिंह ने अपना लग्जरी टकीला ब्रांड फिनो भारत में लॉन्च कर दिया है. इस दौरान लॉन्च इवेंट में भारत के कई दिग्गज खिलाड़ी शामिल हुए. उनसे पहले कई क्रिकेटर इस बाजार में उतर चुके हैं.

भारतीय क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी युवराज सिंह अब स्पिरिट्स की दुनिया में धमाल मचाने को तैयार हैं. उन्होंने अपनी अल्ट्रा-प्रिमियम टकीला ब्रांड 'फिनो' को भारत में लॉन्च कर दिया है. गुरुग्राम में आयोजित एक लॉन्च इवेंट में पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना, युजवेंद्र चहल और मोहम्मद कैफ जैसे सितारे शामिल हुए, जहां फिनो की पहली झलक देखने को मिली. भारतीय क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी युवराज सिंह अब स्पिरिट्स की दुनिया में धमाल मचाने को तैयार हैं. उन्होंने

अपनी अल्ट्रा-प्रिमियम टकीला ब्रांड 'फिनो' को भारत में लॉन्च कर दिया है. गुरुग्राम में आयोजित एक लॉन्च इवेंट में पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना, युजवेंद्र चहल और मोहम्मद कैफ जैसे सितारे शामिल हुए, जहां फिनो की पहली झलक देखने को मिली.

भारत में फिनो हरियाणा, दिल्ली, महाराष्ट्र और चुनिंदा ड्यूटी-फ्री स्टोर्स (दिल्ली, अहमदाबाद, मुंबई) में उपलब्ध है. वहीं, शुरुआती कीमत करीब 14,000 रुपए के आसपास है. 'फिनो' का मतलब 'फेलियर इज नॉट एन ऑप्शन' युवराज के करियर से प्रेरित है.भारत में फिनो हरियाणा, दिल्ली, महाराष्ट्र और चुनिंदा ड्यूटी-फ्री स्टोर्स (दिल्ली, अहमदाबाद, मुंबई) में उपलब्ध है. वहीं, शुरुआती कीमत करीब 14,000 रुपए के आसपास है. 'फिनो' का मतलब 'फेलियर इज नॉट एन ऑप्शन' युवराज के करियर से प्रेरित है.

युवराज सिंह से पहले, इंग्लैंड के पूर्व कप्तान और दिग्गज ऑलराउंडर इयन बॉथम, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पॉन्टिंग, इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन और केविन पीटरसन जैसे खिलाड़ी भी शराब के कारोबार में उतर चुके हैं.

युवराज सिंह से पहले, इंग्लैंड के पूर्व कप्तान और दिग्गज ऑलराउंडर इयन बॉथम, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पॉन्टिंग, इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन और केविन पीटरसन जैसे खिलाड़ी भी शराब के कारोबार में उतर चुके हैं.

इयन बॉथम अब एक बड़ी वाइन कंपनी चलाते हैं. उन्होंने अपने वाइन के बिजनेस की शुरुआत साल 2018 में की थी. उनकी वाइन ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और इंग्लैंड जैसे देशों में बेची जाती है. इयन बॉथम अब एक बड़ी वाइन कंपनी चलाते हैं. उन्होंने अपने वाइन के बिजनेस की शुरुआत साल 2018 में की थी. उनकी वाइन ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और इंग्लैंड जैसे देशों में बेची जाती है.

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लांट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा रातू पुलिस स्टेशन रांची में मुद्रित तथा विजय जनरल स्टोर, हिनू चौक रांची-834002 से प्रकाशित समस्त दिवानी विवाद न्यायोचित एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकारी रांची न्यायालय में रहेगा। पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। **प्रधान संपादक**-अन्नपूर्णा गुप्ता, कार्यालय नं.0651-2253830,मो.9471717919, 7895244551 ईमेलः alagpahchan@gmail.com, www.alagpahchan.com पोस्टल रजिस्ट्रेशन 2013 JHAHINO0575 RNI No.JHAHIN(2013) 66670